

विदेह VIDEHA

UGC NET/JRF मैथिली

UGC NET-JRF Maithili

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ७ / ९ · Volume 7 of 9

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: <https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm>

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मध्यकालीन मैथिली साहित्य: भक्ति कविता, अनुवाद, कथात्मक परम्परा — विदेह क्विज	५०० प्रश्न
२. लोक साहित्य आ मौखिक परम्परा — विदेह क्विज	१००० प्रश्न
३. मैथिली भाषाक भाषाई विशेषता — विदेह क्विज	१००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मध्यकालीन मैथिली साहित्य: भक्ति कविता, अनुवाद, कथात्मक परम्परा — विदेह क्विज

आख्यान, लोककथा आ कथात्मक परम्परा

१. कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल वर्णमाला
- (C) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (D) निरर्थक ध्वनि

२. लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) केवल पत्थर काटि
- (B) शब्द रोकि
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ

३. आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) पात्र हटेनाइ
- (D) संगीत रोकनाइ

४. लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) कथा समाप्त करनाइ

५. कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (D) एहि मे पात्र नहि

६. परीक्षा-दृष्टिसँ, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) केवल तिथि
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य

७. परीक्षा-दृष्टिसँ, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) गीत हटाकऽ
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (D) शब्द रोकि

८. परीक्षा-दृष्टिसे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) संगीत रोकनाइ
- (B) भाषा नष्ट करनाइ
- (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

९. परीक्षा-दृष्टिसे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) श्रोता हटेनाइ
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) अर्थहीन ध्वनि

१०. परीक्षा-दृष्टिसे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (D) एहि मे भाषा निषिद्ध

११. अध्ययनक समय, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (B) निरर्थक ध्वनि
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल वर्णमाला

१२. अध्ययनक समय, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) केवल पत्थर काटि
- (B) गीत हटाकऽ
- (C) शब्द रोकि
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सेँ

१३. अध्ययनक समय, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (B) संगीत रोकनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

१४. अध्ययनक समय, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) श्रोता हटेनाइ
- (D) कथा समाप्त करनाइ

१५. अध्ययनक समय, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (B) निरर्थक ध्वनि
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) केवल तिथि

१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) केवल पत्थर काटि
- (B) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) शब्द रोकि

१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) संगीत रोकनाइ
- (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) कथा समाप्त करनाइ

२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (D) एहि मे पात्र नहि

२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) केवल तिथि

२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) गीत हटाकऽ
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (D) शब्द रोकि

२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) संगीत रोकनाइ
- (B) भाषा नष्ट करनाइ
- (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) कथा समाप्त करनाइ
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) श्रोता हटेनाइ

२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल वर्णमाला
- (C) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (D) निरर्थक ध्वनि

२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (B) गीत हटाकऽ
- (C) शब्द रोकि
- (D) केवल पत्थर काटि

२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) पात्र हटेनाइ
- (B) संगीत रोकनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ

२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) श्रोता हटेनाइ

३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

३१. मैथिली पाठक लेल, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) केवल तिथि

३२. मैथिली पाठक लेल, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) केवल पत्थर काटि
- (B) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) शब्द रोकि

३३. मैथिली पाठक लेल, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (B) पात्र हटेनाइ
- (C) संगीत रोकनाइ
- (D) भाषा नष्ट करनाइ

३४. मैथिली पाठक लेल, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) कथा समाप्त करनाइ
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (D) अर्थहीन ध्वनि

३५. मैथिली पाठक लेल, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (C) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (D) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि

३६. विधागत दृष्टिसँ, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (B) केवल वर्णमाला
- (C) केवल तिथि
- (D) निरर्थक ध्वनि

३७. विधागत दृष्टिसँ, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) शब्द रोकि
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ

३८. विधागत दृष्टिसँ, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) संगीत रोकनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

३९. विधागत दृष्टिसँ, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) श्रोता हटेनाइ
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) अर्थहीन ध्वनि

४०. विधागत दृष्टिसे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

४१. इतिहास-बोधक आधार पर, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) निरर्थक ध्वनि
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल वर्णमाला

४२. इतिहास-बोधक आधार पर, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (B) शब्द रोकि
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) केवल पत्थर काटि

४३. इतिहास-बोधक आधार पर, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) संगीत रोकनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

४४. इतिहास-बोधक आधार पर, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) श्रोता हटेनाइ
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) अर्थहीन ध्वनि

४५. इतिहास-बोधक आधार पर, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे पात्र नहि
- (D) एहि मे भाषा निषिद्ध

४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल तिथि
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) निरर्थक ध्वनि

४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) शब्द रोकि
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (D) गीत हटाकऽ

४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) पात्र हटेनाइ
- (B) संगीत रोकनाइ
- (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (D) भाषा नष्ट करनाइ

४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) श्रोता हटेनाइ

५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे पात्र नहि

५१. समग्र मूल्यांकनमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल वर्णमाला
- (C) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (D) निरर्थक ध्वनि

५२. समग्र मूल्यांकनमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) केवल पत्थर काटि
- (B) शब्द रोकि
- (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (D) गीत हटाकऽ

५३. समग्र मूल्यांकनमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) पात्र हटेनाइ
- (B) संगीत रोकनाइ
- (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (D) भाषा नष्ट करनाइ

५४. समग्र मूल्यांकनमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) कथा समाप्त करनाइ
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) श्रोता हटेनाइ
- (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ

५५. समग्र मूल्यांकनमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (B) एहि मे पात्र नहि
- (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) केवल तिथि
- (D) निरर्थक ध्वनि

५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) गीत हटाकऽ
- (B) शब्द रोकि
- (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (D) केवल पत्थर काटि

५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) संगीत रोकनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) श्रोता हटेनाइ
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) कथा समाप्त करनाइ

६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि

६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) निरर्थक ध्वनि
- (B) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल वर्णमाला

६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) गीत हटाकऽ
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) शब्द रोकि
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ

६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) संगीत रोकनाइ
- (B) पात्र हटेनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ

६४. भाषिक विकासक दृष्टिसे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) श्रोता हटेनाइ

६५. भाषिक विकासक दृष्टिसे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (B) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (C) एहि मे पात्र नहि
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

६६. रस-भावक आधार पर, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल तिथि
- (B) निरर्थक ध्वनि
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य

६७. रस-भावक आधार पर, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सेँ
- (B) गीत हटाकऽ
- (C) शब्द रोकि
- (D) केवल पत्थर काटि

६८. रस-भावक आधार पर, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) पात्र हटेनाइ
- (D) संगीत रोकनाइ

६९. रस-भावक आधार पर, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) श्रोता हटेनाइ
- (B) कथा समाप्त करनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ

७०. रस-भावक आधार पर, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे पात्र नहि

७१. कथात्मक बोधमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (B) केवल तिथि
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) निरर्थक ध्वनि

७२. कथात्मक बोधमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) शब्द रोकि
- (B) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (C) केवल पत्थर काटि
- (D) गीत हटाकऽ

७३. कथात्मक बोधमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (B) पात्र हटेनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) संगीत रोकनाइ

७४. कथात्मक बोधमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) कथा समाप्त करनाइ
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ

७५. कथात्मक बोधमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (D) एहि मे भाषा निषिद्ध

७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) निरर्थक ध्वनि
- (C) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (D) केवल तिथि

७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (B) गीत हटाकऽ
- (C) शब्द रोकि
- (D) केवल पत्थर काटि

७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) पात्र हटेनाइ
- (D) संगीत रोकनाइ

७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) श्रोता हटेनाइ

८०. संरक्षण-दृष्टि, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (B) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (C) एहि मे पात्र नहि
- (D) एहि मे कोनो जीवन नहि

८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य
- (B) केवल तिथि
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) निरर्थक ध्वनि

८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) गीत हटाकऽ
- (B) शब्द रोकि
- (C) केवल पत्थर काटि
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ

८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (B) पात्र हटेनाइ
- (C) संगीत रोकनाइ
- (D) भाषा नष्ट करनाइ

८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) कथा समाप्त करनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) श्रोता हटेनाइ

८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (D) एहि मे भाषा निषिद्ध

८६. शोध-प्रवेशिकामे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) निरर्थक ध्वनि
- (B) केवल तिथि
- (C) केवल वर्णमाला
- (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य

८७. शोध-प्रवेशिकामे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (B) केवल पत्थर काटि
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) शब्द रोकि

८८. शोध-प्रवेशिकामे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) पात्र हटेनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) संगीत रोकनाइ

८९. शोध-प्रवेशिकामे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) कथा समाप्त करनाइ
- (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ

९०. शोध-प्रवेशिकामे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (C) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (D) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि

९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) निरर्थक ध्वनि
- (C) केवल तिथि
- (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य

९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) शब्द रोकि
- (B) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ
- (C) गीत हटाकऽ
- (D) केवल पत्थर काटि

९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) संगीत रोकनाइ
- (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषा नष्ट करनाइ
- (D) पात्र हटेनाइ

९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) कथा समाप्त करनाइ
- (B) श्रोता हटेनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ

९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (C) एहि मे भाषा निषिद्ध
- (D) एहि मे पात्र नहि

९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, कथात्मक परम्पराक मुख्य तत्त्व की?

- (A) केवल वर्णमाला
- (B) केवल तिथि
- (C) निरर्थक ध्वनि
- (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य

९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, लोककथा मे स्मृति कोना टिकैत अछि?

- (A) शब्द रोकि
- (B) गीत हटाकऽ
- (C) केवल पत्थर काटि
- (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ

९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, आख्यानक 'कथावाचक'क भूमिका की?

- (A) भाषा नष्ट करनाइ
- (B) पात्र हटेनाइ
- (C) संगीत रोकनाइ
- (D) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ

९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, लोककथामे अद्भुत तत्त्वक प्रयोजन की?

- (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ
- (B) कथा समाप्त करनाइ
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) श्रोता हटेनाइ

१००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, कथात्मक साहित्य समाजक दर्पण किएक कहल जाइत अछि?

- (A) एहि मे पात्र नहि
- (B) एहि मे कोनो जीवन नहि
- (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि
- (D) एहि मे भाषा निषिद्ध

भाषा, छन्द, शैली आ रस

१०१. मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सूखा कानून
- (B) चित्रहीन पृष्ठ
- (C) निरव अक्षर
- (D) गाए योग्य लयात्मक रूप

१०२. रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) अर्थ रोकनाइ
- (B) भावानुभूतिकें सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) कथा मिटेनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१०३. शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) भाषा मौन भऽ जाइत अछि

१०४. भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१०५. छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) कथा बन्द करनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) पाठक रोकनाइ

१०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) सूखा कानून
- (D) चित्रहीन पृष्ठ

१०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (B) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

१०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (D) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि

११०. परीक्षा-दृष्टिसँ, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) कथा बन्द करनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) पाठक रोकनाइ

१११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) सूखा कानून
- (C) चित्रहीन पृष्ठ
- (D) गाए योग्य लयात्मक रूप

११२. अध्ययनक समय, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) अर्थ रोकनाइ
- (C) पाठक हटेनाइ
- (D) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ

११३. अध्ययनक समय, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (B) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

११४. अध्ययनक समय, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) श्रोता हटि जाइत अछि
- (D) अर्थ बन्द होइत अछि

११५. अध्ययनक समय, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ

११६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) सूखा कानून
- (C) निरव अक्षर
- (D) गाए योग्य लयात्मक रूप

११७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (B) अर्थ रोकनाइ
- (C) कथा मिटेनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

११८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

११९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पाठक रोकनाइ
- (B) कथा बन्द करनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ

१२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) चित्रहीन पृष्ठ
- (D) सूखा कानून

१२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) अर्थ रोकनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) कथा मिटेनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) श्रोता हटि जाइत अछि
- (D) अर्थ बन्द होइत अछि

१२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) सकल शब्द हटेनाइ

१२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (B) चित्रहीन पृष्ठ
- (C) सूखा कानून
- (D) निरव अक्षर

१२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (B) कथा मिटेनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, श्रृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (D) श्रोता हटि जाइत अछि

१३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) पाठक रोकनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (B) चित्रहीन पृष्ठ
- (C) सूखा कानून
- (D) निरव अक्षर

१३२. मैथिली पाठक लेल, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) अर्थ रोकनाइ
- (C) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१३३. मैथिली पाठक लेल, श्रृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) भाषा मौन भऽ जाइत अछि

१३४. मैथिली पाठक लेल, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि

१३५. मैथिली पाठक लेल, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पाठक रोकनाइ
- (B) कथा बन्द करनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ

१३६. विधागत दृष्टिसे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) निरव अक्षर
- (D) सूखा कानून

१३७. विधागत दृष्टिसे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) पाठक हटेनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ

१३८. विधागत दृष्टिसे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि

१३९. विधागत दृष्टिसे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसेँ निकट होइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) श्रोता हटि जाइत अछि

१४०. विधागत दृष्टिसे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पाठक रोकनाइ

१४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सूखा कानून
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) चित्रहीन पृष्ठ
- (D) निरव अक्षर

१४२. इतिहास-बोधक आधार पर, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१४३. इतिहास-बोधक आधार पर, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१४४. इतिहास-बोधक आधार पर, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) श्रोता हटि जाइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (D) अर्थ बन्द होइत अछि

१४५. इतिहास-बोधक आधार पर, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (B) निरव अक्षर
- (C) सूखा कानून
- (D) चित्रहीन पृष्ठ

१४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) पाठक हटेनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) कथा मिटेनाइ

१४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, श्रृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (B) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (C) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (D) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि

१४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) श्रोता हटि जाइत अछि
- (B) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (B) सकल शब्द हटेनाइ
- (C) पाठक रोकनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) सूखा कानून
- (D) चित्रहीन पृष्ठ

१५२. समग्र मूल्यांकनमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) पाठक हटेनाइ
- (C) भावानुभूतिकें सौन्दर्य रूप देनाइ
- (D) अर्थ रोकनाइ

१५३. समग्र मूल्यांकनमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (B) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१५४. समग्र मूल्यांकनमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (D) अर्थ बन्द होइत अछि

१५५. समग्र मूल्यांकनमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) पद्यकें लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) पाठक रोकनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (C) निरव अक्षर
- (D) सूखा कानून

१५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) अर्थ रोकनाइ
- (B) कथा मिटेनाइ
- (C) पाठक हटेनाइ
- (D) भावानुभूतिकें सौन्दर्य रूप देनाइ

१५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) भाषा मौन भऽ जाइत अछि

१५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (B) अर्थ बन्द होइत अछि
- (C) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (D) श्रोता हटि जाइत अछि

१६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ

१६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) निरव अक्षर
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) सूखा कानून

१६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) पाठक हटेनाइ
- (C) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (D) अर्थ रोकनाइ

१६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

१६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (C) श्रोता हटि जाइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) सकल शब्द हटेनाइ
- (D) पाठक रोकनाइ

१६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) सूखा कानून
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) चित्रहीन पृष्ठ

१६७. रस-भावक आधार पर, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) पाठक हटेनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) कथा मिटेनाइ

१६८. रस-भावक आधार पर, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (B) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (C) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

१६९. रस-भावक आधार पर, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) श्रोता हटि जाइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि

१७०. रस-भावक आधार पर, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सूखा कानून
- (B) चित्रहीन पृष्ठ
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) निरव अक्षर

१७२. कथात्मक बोधमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) अर्थ रोकनाइ
- (B) पाठक हटेनाइ
- (C) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (D) कथा मिटेनाइ

१७३. कथात्मक बोधमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (B) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

१७४. कथात्मक बोधमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) अर्थ बन्द होइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१७५. कथात्मक बोधमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) सकल शब्द हटेनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१७६. संरक्षण-दृष्टिसेँ, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (B) निरव अक्षर
- (C) चित्रहीन पृष्ठ
- (D) सूखा कानून

१७७. संरक्षण-दृष्टिसेँ, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) पाठक हटेनाइ
- (B) कथा मिटेनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ

१७८. संरक्षण-दृष्टिसेँ, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१७९. संरक्षण-दृष्टिसेँ, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसेँ निकट होइत अछि

१८०. संरक्षण-दृष्टिसेँ, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) सकल शब्द हटेनाइ
- (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (D) पाठक रोकनाइ

१८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) सूखा कानून
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) निरव अक्षर

१८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) अर्थ रोकनाइ
- (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) कथा मिटेनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (B) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि

१८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (C) श्रोता हटि जाइत अछि
- (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि

१८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) कथा बन्द करनाइ
- (B) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) पाठक रोकनाइ
- (D) सकल शब्द हटेनाइ

१८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) निरव अक्षर
- (B) सूखा कानून
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) चित्रहीन पृष्ठ

१८७. शोध-प्रवेशिकामे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ
- (B) कथा मिटेनाइ
- (C) अर्थ रोकनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१८८. शोध-प्रवेशिकामे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (C) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (D) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि

१८९. शोध-प्रवेशिकामे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि
- (C) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (D) श्रोता हटि जाइत अछि

१९०. शोध-प्रवेशिकामे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पाठक रोकनाइ
- (B) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (C) कथा बन्द करनाइ
- (D) सकल शब्द हटेनाइ

१९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (B) चित्रहीन पृष्ठ
- (C) सूखा कानून
- (D) निरव अक्षर

१९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) भावानुभूतिकें सौन्दर्य रूप देनाइ
- (C) पाठक हटेनाइ
- (D) अर्थ रोकनाइ

१९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (B) भाषा मौन भऽ जाइत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) गीत कर-पत्र बनैत अछि

१९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) श्रोता हटि जाइत अछि
- (C) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (D) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि

१९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पद्यकें लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (B) सकल शब्द हटेनाइ
- (C) पाठक रोकनाइ
- (D) कथा बन्द करनाइ

१९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन मैथिली गीतमे गेयता ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) चित्रहीन पृष्ठ
- (B) निरव अक्षर
- (C) गाए योग्य लयात्मक रूप
- (D) सूखा कानून

१९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, रसक भूमिका साहित्यमे की?

- (A) कथा मिटेनाइ
- (B) अर्थ रोकनाइ
- (C) भावानुभूतिकें सौन्दर्य रूप देनाइ
- (D) पाठक हटेनाइ

१९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, शृङ्गार रस भक्ति पदमे कोना बदलि सकैत अछि?

- (A) गीत कर-पत्र बनैत अछि
- (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि
- (C) प्रेम समाप्त भऽ जाइत अछि
- (D) भाषा मौन भऽ जाइत अछि

१९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भाषा-शैलीमे लोकशब्दक महत्त्व की?

- (A) अर्थ बन्द होइत अछि
- (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि
- (C) श्रोता हटि जाइत अछि
- (D) रचना असम्भव भऽ जाइत अछि

२००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, छन्दक मुख्य काम की?

- (A) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ
- (B) पाठक रोकनाइ
- (C) कथा बन्द करनाइ
- (D) सकल शब्द हटेनाइ

समाज, संस्कृति आ स्त्री-स्वर

२०१. मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्वपूर्ण?

- (A) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (B) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (C) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (D) ओ केवल संख्या अछि

२०२. भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (B) वर्णहीन लेखन
- (C) शब्दहीन ध्वनि
- (D) केवल कर तालिका

२०३. संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) लोककेँ अलग करनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२०४. सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२०५. लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) अदृश्य नियम
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्वपूर्ण?

- (A) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (D) ओ केवल संख्या अछि

२०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (B) केवल कर तालिका
- (C) वर्णहीन लेखन
- (D) शब्दहीन ध्वनि

२०८. परीक्षा-दृष्टिसे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) जीवनक अवसरके सामूहिक अर्थ देनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) लोकके अलग करनाइ

२०९. परीक्षा-दृष्टिसे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

२१०. परीक्षा-दृष्टिसे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अदृश्य नियम
- (B) केवल लेखा
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (C) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (D) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि

२१२. अध्ययनक समय, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) शब्दहीन ध्वनि
- (B) वर्णहीन लेखन
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) केवल कर तालिका

२१३. अध्ययनक समय, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) भाषा मिटेनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) जीवनक अवसरके सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) लोकके अलग करनाइ

२१४. अध्ययनक समय, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२१५. अध्ययनक समय, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अदृश्य नियम

२१६. मध्यकालीन सन्दर्भमें, मध्यकालीन साहित्यमें स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (B) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (C) ओ केवल संख्या अछि
- (D) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि

२१७. मध्यकालीन सन्दर्भमें, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल कर तालिका
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) वर्णहीन लेखन

२१८. मध्यकालीन सन्दर्भमें, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) भाषा मिटेनाइ
- (B) लोककेँ अलग करनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ

२१९. मध्यकालीन सन्दर्भमें, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२२०. मध्यकालीन सन्दर्भमें, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमें की बनैत अछि?

- (A) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) केवल लेखा
- (D) अदृश्य नियम

२२१. साहित्यिक विश्लेषणमें, मध्यकालीन साहित्यमें स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (C) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (D) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि

२२२. साहित्यिक विश्लेषणमें, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) केवल कर तालिका
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) शब्दहीन ध्वनि

२२३. साहित्यिक विश्लेषणमें, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) लोककेँ अलग करनाइ

२२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) अदृश्य नियम
- (C) केवल लेखा
- (D) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव

२२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (C) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (D) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि

२२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (B) वर्णहीन लेखन
- (C) शब्दहीन ध्वनि
- (D) केवल कर तालिका

२२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) लोककँ अलग करनाइ
- (D) जीवनक अवसरकँ सामूहिक अर्थ देनाइ

२२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) अदृश्य नियम
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) केवल लेखा

२३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (B) ओ केवल संख्या अछि
- (C) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (D) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि

२३२. मैथिली पाठक लेल, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) केवल कर तालिका

२३३. मैथिली पाठक लेल, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) लोककें अलग करनाइ
- (B) जीवनक अवसरकें सामूहिक अर्थ देनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२३४. मैथिली पाठक लेल, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (B) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (C) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२३५. मैथिली पाठक लेल, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) केवल लेखा
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अदृश्य नियम

२३६. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ केवल संख्या अछि
- (D) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि

२३७. विधागत दृष्टिसँ, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) केवल कर तालिका
- (D) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा

२३८. विधागत दृष्टिसँ, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) जीवनक अवसरकें सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) लोककें अलग करनाइ

२३९. विधागत दृष्टिसँ, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२४०. विधागत दृष्टिसे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अदृश्य नियम

२४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि

२४२. इतिहास-बोधक आधार पर, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) शब्दहीन ध्वनि
- (B) वर्णहीन लेखन
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) केवल कर तालिका

२४३. इतिहास-बोधक आधार पर, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (B) लोककेँ अलग करनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) भाषा मिटेनाइ

२४४. इतिहास-बोधक आधार पर, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि

२४५. इतिहास-बोधक आधार पर, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) अदृश्य नियम
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (C) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) शब्दहीन ध्वनि
- (B) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (C) केवल कर तालिका
- (D) वर्णहीन लेखन

२४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (B) लोककेँ अलग करनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

२५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) अदृश्य नियम

२५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्वपूर्ण?

- (A) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (B) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (C) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (D) ओ केवल संख्या अछि

२५२. समग्र मूल्यांकनमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) केवल कर तालिका
- (D) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा

२५३. समग्र मूल्यांकनमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) लोककेँ अलग करनाइ

२५४. समग्र मूल्यांकनमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (B) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२५५. समग्र मूल्यांकनमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अदृश्य नियम
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) केवल लेखा

२५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) केवल कर तालिका
- (C) शब्दहीन ध्वनि
- (D) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा

२५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) लोककें अलग करनाइ
- (B) जीवनक अवसरकें सामूहिक अर्थ देनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अदृश्य नियम
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) केवल लेखा
- (D) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव

२६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि

२६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) शब्दहीन ध्वनि
- (B) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (C) केवल कर तालिका
- (D) वर्णहीन लेखन

२६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) लोककें अलग करनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) जीवनक अवसरकें सामूहिक अर्थ देनाइ

२६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) अदृश्य नियम
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ केवल संख्या अछि

२६७. रस-भावक आधार पर, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल कर तालिका
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) वर्णहीन लेखन

२६८. रस-भावक आधार पर, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) भाषा मिटेनाइ
- (B) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (C) लोककेँ अलग करनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२६९. रस-भावक आधार पर, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२७०. रस-भावक आधार पर, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (B) केवल लेखा
- (C) अदृश्य नियम
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ केवल संख्या अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२७२. कथात्मक बोधमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) वर्णहीन लेखन
- (B) केवल कर तालिका
- (C) शब्दहीन ध्वनि
- (D) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा

२७३. कथात्मक बोधमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (D) लोककेँ अलग करनाइ

२७४. कथात्मक बोधमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२७५. कथात्मक बोधमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अदृश्य नियम
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (D) केवल लेखा

२७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ भाषा नष्ट करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ केवल संख्या अछि

२७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) शब्दहीन ध्वनि
- (B) केवल कर तालिका
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) वर्णहीन लेखन

२७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) लोककेँ अलग करनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ

२७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (D) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि

२८०. संरक्षण-दृष्टि, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) अदृश्य नियम
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ केवल संख्या अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल कर तालिका
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) वर्णहीन लेखन
- (D) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा

२८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) लोककेँ अलग करनाइ

२८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (B) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) अर्थ समाप्त होइत अछि

२८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) अदृश्य नियम

२८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ केवल संख्या अछि
- (B) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२८७. शोध-प्रवेशिकामे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल कर तालिका
- (B) वर्णहीन लेखन
- (C) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (D) शब्दहीन ध्वनि

२८८. शोध-प्रवेशिकामे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) लोककेँ अलग करनाइ
- (B) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) भाषा मिटेनाइ

२८९. शोध-प्रवेशिकामे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (C) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२९०. शोध-प्रवेशिकामे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अदृश्य नियम
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) केवल लेखा
- (D) अर्थहीन ध्वनि

२९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्त्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ केवल संख्या अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (B) केवल कर तालिका
- (C) शब्दहीन ध्वनि
- (D) वर्णहीन लेखन

२९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (B) भाषा मिटेनाइ
- (C) लोककेँ अलग करनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

२९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (B) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि
- (C) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (D) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि

२९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) अर्थहीन ध्वनि
- (B) केवल लेखा
- (C) अदृश्य नियम
- (D) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव

२९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन साहित्यमे स्त्री-स्वर किएक महत्वपूर्ण?

- (A) ओ प्रेम, पीड़ा, प्रतीक्षा आ लोकरीति व्यक्त करैत अछि
- (B) ओ केवल संख्या अछि
- (C) ओ कथासँ बाहर रहैत अछि
- (D) ओ भाषा नष्ट करैत अछि

२९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भक्ति आ कथात्मक साहित्य समाजसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) रीति, पर्व, परिवार आ लोकमूल्यद्वारा
- (B) शब्दहीन ध्वनि
- (C) वर्णहीन लेखन
- (D) केवल कर तालिका

२९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, संस्कार-गीतक सामाजिक काम की?

- (A) जीवनक अवसरकेँ सामूहिक अर्थ देनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) भाषा मिटेनाइ
- (D) लोककेँ अलग करनाइ

२९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बुझब किएक जरूरी?

- (A) अर्थ समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बदलि नष्ट भऽ जाइत अछि
- (C) रचनाक संकेत, प्रतीक आ व्यवहार स्पष्ट होइत अछि
- (D) पाठ अनावश्यक भऽ जाइत अछि

३००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, लोकनारीक प्रतीक्षा-विरह साहित्यिक रूपमे की बनैत अछि?

- (A) केवल लेखा
- (B) भाव, प्रतीक आ सामाजिक अनुभव
- (C) अर्थहीन ध्वनि
- (D) अदृश्य नियम

पाण्डुलिपि, प्रसार आ संरक्षण

३०१. मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) भाषा बदलि देनाइ
- (B) पाठ नष्ट करनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

३०२. मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू सदा विरोधी अछि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३०३. पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) गलती बढ़ेनाइ

३०४. साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (B) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (C) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३०५. डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) रचना समाप्त होइत अछि
- (D) भाषा बन्द होइत अछि

३०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) पाठ नष्ट करनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) लिखितमे गीत नहि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३०८. परीक्षा-दृष्टिसँ, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) गलती बढेनाइ
- (C) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (D) गीत मिटेनाइ

३०९. परीक्षा-दृष्टिसँ, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) विधा खत्म होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

३१०. परीक्षा-दृष्टिसँ, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३१२. अध्ययनक समय, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) दुनू सदा विरोधी अछि
- (D) मौखिकमे स्मृति नहि

३१३. अध्ययनक समय, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) गलती बढेनाइ

३१४. अध्ययनक समय, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

३१५. अध्ययनक समय, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) भाषा बन्द होइत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) लिखितमे गीत नहि

३१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) गीत मिटेनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) सकल पाठ हटेनाइ

३१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (C) विधा खत्म होइत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

३२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) रचना समाप्त होइत अछि
- (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (D) भाषा बन्द होइत अछि

३२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) पाठ नष्ट करनाइ
- (D) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ

३२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू सदा विरोधी अछि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (D) मौखिकमे स्मृति नहि

३२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) गलती बढेनाइ

३२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (C) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) रचना समाप्त होइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू सदा विरोधी अछि
- (B) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) लिखितमे गीत नहि

३२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गलती बढेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) सकल पाठ हटेनाइ

३२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

३३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) रचना समाप्त होइत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३३२. मैथिली पाठक लेल, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) लिखितमे गीत नहि
- (D) मौखिकमे स्मृति नहि

३३३. मैथिली पाठक लेल, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) गीत मिटेनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ

३३४. मैथिली पाठक लेल, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३३५. मैथिली पाठक लेल, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) भाषा बन्द होइत अछि
- (B) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३३६. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) पाठ नष्ट करनाइ
- (D) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ

३३७. विधागत दृष्टिसँ, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) लिखितमे गीत नहि
- (B) मौखिकमे स्मृति नहि
- (C) दुनू सदा विरोधी अछि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३३८. विधागत दृष्टिसँ, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गलती बढ़ेनाइ
- (D) गीत मिटेनाइ

३३९. विधागत दृष्टिसँ, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (D) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि

३४०. विधागत दृष्टिसँ, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (C) रचना समाप्त होइत अछि
- (D) भाषा बन्द होइत अछि

३४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पाठ नष्ट करनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३४२. इतिहास-बोधक आधार पर, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (D) दुनू सदा विरोधी अछि

३४३. इतिहास-बोधक आधार पर, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गीत मिटेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गलती बढ़ेनाइ
- (D) सकल पाठ हटेनाइ

३४४. इतिहास-बोधक आधार पर, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३४५. इतिहास-बोधक आधार पर, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पाठ नष्ट करनाइ
- (B) गीत रोकनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू सदा विरोधी अछि
- (B) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (C) लिखितमे गीत नहि
- (D) मौखिकमे स्मृति नहि

३४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) गलती बढेनाइ
- (C) सकल पाठ हटेनाइ
- (D) गीत मिटेनाइ

३४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) भाषा निषिद्ध होइत अछि

३५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) रचना समाप्त होइत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) भाषा बदलि देनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) पाठ नष्ट करनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

३५२. समग्र मूल्यांकनमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) दुनू सदा विरोधी अछि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३५३. समग्र मूल्यांकनमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गीत मिटेनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (D) गलती बढ़ेनाइ

३५४. समग्र मूल्यांकनमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (D) भाषा निषिद्ध होइत अछि

३५५. समग्र मूल्यांकनमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) रचना समाप्त होइत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पाठ नष्ट करनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषा बदलि देनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

३५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) लिखितमे गीत नहि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (D) मौखिकमे स्मृति नहि

३५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गीत मिटेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) सकल पाठ हटेनाइ
- (D) गलती बढ़ेनाइ

३५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) विधा खत्म होइत अछि
- (B) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) भाषा निषिद्ध होइत अछि

३६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) रचना समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) भाषा बदलि देनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) लिखितमे गीत नहि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) गीत मिटेनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) सकल पाठ हटेनाइ

३६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) विधा खत्म होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) भाषा निषिद्ध होइत अछि

३६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) भाषा बन्द होइत अछि
- (B) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) पाठ नष्ट करनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३६७. रस-भावक आधार पर, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (C) दुनू सदा विरोधी अछि
- (D) लिखितमे गीत नहि

३६८. रस-भावक आधार पर, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गलती बढ़ेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) सकल पाठ हटेनाइ

३६९. रस-भावक आधार पर, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (B) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (C) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३७०. रस-भावक आधार पर, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पाठ नष्ट करनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३७२. कथात्मक बोधमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (D) दुनू सदा विरोधी अछि

३७३. कथात्मक बोधमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) गलती बढ़ेनाइ

३७४. कथात्मक बोधमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) विधा खत्म होइत अछि
- (D) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि

३७५. कथात्मक बोधमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) भाषा बन्द होइत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३७६. संरक्षण-दृष्टिसे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पाठ नष्ट करनाइ
- (B) भाषा बदलि देनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ

३७७. संरक्षण-दृष्टिसे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) लिखितमे गीत नहि
- (B) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) दुनू सदा विरोधी अछि

३७८. संरक्षण-दृष्टिसे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गलती बढेनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ

३७९. संरक्षण-दृष्टिसे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३८०. संरक्षण-दृष्टिसे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) भाषा बदलि देनाइ
- (B) पाठ नष्ट करनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) गीत रोकनाइ

३८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (B) मौखिकमे स्मृति नहि
- (C) दुनू सदा विरोधी अछि
- (D) लिखितमे गीत नहि

३८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) गीत मिटेनाइ

३८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (D) विधा खत्म होइत अछि

३८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) भाषा बन्द होइत अछि
- (D) रचना समाप्त होइत अछि

३८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) पाठ नष्ट करनाइ
- (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३८७. शोध-प्रवेशिकामे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (B) लिखितमे गीत नहि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) दुनू सदा विरोधी अछि

३८८. शोध-प्रवेशिकामे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गलती बढेनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गीत मिटेनाइ
- (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ

३८९. शोध-प्रवेशिकामे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) विधा खत्म होइत अछि
- (B) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (C) स्मृति नष्ट होइत अछि
- (D) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि

३९०. शोध-प्रवेशिकामे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) रचना समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

३९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन साहित्यक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) गीत रोकनाइ
- (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) भाषा बदलि देनाइ
- (D) पाठ नष्ट करनाइ

३९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) मौखिकमे स्मृति नहि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि
- (D) लिखितमे गीत नहि

३९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) गीत मिटेनाइ
- (B) सकल पाठ हटेनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ

३९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (C) विधा खत्म होइत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

३९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि
- (B) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (C) रचना समाप्त होइत अछि
- (D) भाषा बन्द होइत अछि

३९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन साहित्यिक संरक्षणमे पाण्डुलिपिक भूमिका की?

- (A) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) पाठ नष्ट करनाइ
- (C) गीत रोकनाइ
- (D) भाषा बदलि देनाइ

३९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मौखिक परम्परा आ लिखित परम्परा मे सम्बन्ध केहन?

- (A) लिखितमे गीत नहि
- (B) दुनू सदा विरोधी अछि
- (C) मौखिकमे स्मृति नहि
- (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि

३९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, पाठ-संपादनक प्रयोजन की?

- (A) सकल पाठ हटेनाइ
- (B) गीत मिटेनाइ
- (C) गलती बढेनाइ
- (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ

३९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, साहित्यिक अभिलेखन किएक जरूरी?

- (A) भाषा निषिद्ध होइत अछि
- (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि
- (C) विधा खत्म होइत अछि
- (D) स्मृति नष्ट होइत अछि

४००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, डिजिटल संरक्षणक लाभ की?

- (A) रचना समाप्त होइत अछि
- (B) भाषा बन्द होइत अछि
- (C) पाठ अदृश्य भऽ जाइत अछि
- (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि

परीक्षा-दृष्टि आ तुलनात्मक अध्ययन

४०१. मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल नाम रटब
- (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (C) कथाकें हटाब
- (D) भाषा छोड़ब

४०२. भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) दुनू इतिहास-विहीन

४०३. अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४०४. दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) केवल एक शब्द
- (D) केवल अंक

४०५. कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल पृष्ठ

४०६. परीक्षा-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल नाम रटब
- (B) कथाकें हटाब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४०७. परीक्षा-दृष्टिसँ, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) दुनू इतिहास-विहीन

४०८. परीक्षा-दृष्टिसे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल शीर्षक
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल तिथि

४०९. परीक्षा-दृष्टिसे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल एक शब्द
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (D) केवल अंक

४१०. परीक्षा-दृष्टिसे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल पृष्ठ
- (D) केवल रंग

४११. अध्ययनक समय, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकेँ हटाब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (D) केवल नाम रटब

४१२. अध्ययनक समय, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (B) दुनू इतिहास-विहीन
- (C) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४१३. अध्ययनक समय, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल तिथि
- (D) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन

४१४. अध्ययनक समय, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (D) केवल एक शब्द

४१५. अध्ययनक समय, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल रंग
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल संख्या

४१६. मध्यकालीन सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४१७. मध्यकालीन सन्दर्भमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (B) दुनू इतिहास-विहीन
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) दुनू मे कोनो भेद नहि

४१८. मध्यकालीन सन्दर्भमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल तिथि
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल शीर्षक

४१९. मध्यकालीन सन्दर्भमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) केवल एक शब्द

४२०. मध्यकालीन सन्दर्भमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल रंग
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल संख्या

४२१. साहित्यिक विश्लेषणमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (C) केवल नाम रटब
- (D) कथाकें हटाब

४२२. साहित्यिक विश्लेषणमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू इतिहास-विहीन
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें

४२३. साहित्यिक विश्लेषणमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल शीर्षक
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन

४२४. साहित्यिक विश्लेषणमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (B) केवल अंक
- (C) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (D) केवल एक शब्द

४२५. साहित्यिक विश्लेषणमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल रंग
- (D) केवल पृष्ठ

४२६. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४२७. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) दुनू भाषा-विरोधी
- (C) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (D) दुनू इतिहास-विहीन

४२८. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (B) केवल तिथि
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल शीर्षक

४२९. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल एक शब्द
- (D) केवल अंक

४३०. सांस्कृतिक पृष्ठभूमिमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल रंग
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) केवल संख्या
- (D) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य

४३१. मैथिली पाठक लेल, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (C) केवल नाम रटब
- (D) कथाकें हटाब

४३२. मैथिली पाठक लेल, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४३३. मैथिली पाठक लेल, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल शीर्षक
- (D) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन

४३४. मैथिली पाठक लेल, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल एक शब्द
- (D) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन

४३५. मैथिली पाठक लेल, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) केवल रंग
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल पृष्ठ

४३६. विधागत दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकेँ हटाब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४३७. विधागत दृष्टिसँ, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४३८. विधागत दृष्टिसँ, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल शीर्षक
- (C) केवल तिथि
- (D) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन

४३९. विधागत दृष्टिसँ, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) केवल एक शब्द
- (D) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव

४४०. विधागत दृष्टिसे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल रंग
- (D) केवल पृष्ठ

४४१. इतिहास-बोधक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) कथाकेँ हटाब
- (C) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (D) केवल नाम रटब

४४२. इतिहास-बोधक आधार पर, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू इतिहास-विहीन
- (B) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (C) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४४३. इतिहास-बोधक आधार पर, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल शीर्षक

४४४. इतिहास-बोधक आधार पर, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (B) केवल एक शब्द
- (C) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (D) केवल अंक

४४५. इतिहास-बोधक आधार पर, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल रंग
- (B) केवल संख्या
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल पृष्ठ

४४६. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) कथाकेँ हटाब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४४७. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू भाषा-विरोधी
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ

४४८. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल तिथि

४४९. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल एक शब्द
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) केवल अंक

४५०. काव्य-रूपक सन्दर्भमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल पृष्ठ
- (D) केवल रंग

४५१. समग्र मूल्यांकनमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) कथाकें हटाब
- (C) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (D) केवल नाम रटब

४५२. समग्र मूल्यांकनमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) दुनू भाषा-विरोधी
- (C) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (D) दुनू इतिहास-विहीन

४५३. समग्र मूल्यांकनमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल तिथि

४५४. समग्र मूल्यांकनमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) केवल अंक
- (D) केवल एक शब्द

४५५. समग्र मूल्यांकनमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य

४५६. लोक-परम्पराक धरातल पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (C) कथाकें हटाब
- (D) केवल नाम रटब

४५७. लोक-परम्पराक धरातल पर, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू इतिहास-विहीन
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें

४५८. लोक-परम्पराक धरातल पर, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल शीर्षक

४५९. लोक-परम्पराक धरातल पर, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल एक शब्द
- (B) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (C) केवल अंक
- (D) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव

४६०. लोक-परम्पराक धरातल पर, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (B) केवल पृष्ठ
- (C) केवल संख्या
- (D) केवल रंग

४६१. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) केवल नाम रटब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४६२. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू भाषा-विरोधी
- (B) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) दुनू मे कोनो भेद नहि

४६३. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) केवल तिथि
- (D) केवल शीर्षक

४६४. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल एक शब्द
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल अंक
- (D) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन

४६५. भाषिक विकासक दृष्टिसँ, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल रंग
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल पृष्ठ
- (D) केवल संख्या

४६६. रस-भावक आधार पर, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) भाषा छोड़ब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४६७. रस-भावक आधार पर, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (B) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४६८. रस-भावक आधार पर, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल शीर्षक

४६९. रस-भावक आधार पर, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल एक शब्द
- (D) केवल अंक

४७०. रस-भावक आधार पर, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल संख्या
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल रंग

४७१. कथात्मक बोधमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) कथाकें हटाब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४७२. कथात्मक बोधमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू भाषा-विरोधी
- (B) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (C) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (D) दुनू इतिहास-विहीन

४७३. कथात्मक बोधमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (B) केवल शीर्षक
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल तिथि

४७४. कथात्मक बोधमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल एक शब्द
- (B) केवल अंक
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव

४७५. कथात्मक बोधमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल पृष्ठ
- (D) केवल रंग

४७६. संरक्षण-दृष्टिसँ, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (C) कथाकेँ हटाब
- (D) केवल नाम रटब

४७७. संरक्षण-दृष्टिसँ, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ
- (B) दुनू इतिहास-विहीन
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) दुनू मे कोनो भेद नहि

४७८. संरक्षण-दृष्टिसँ, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल पृष्ठ संख्या
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल तिथि

४७९. संरक्षण-दृष्टिसँ, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल अंक
- (D) केवल एक शब्द

४८०. संरक्षण-दृष्टि, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल रंग
- (D) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य

४८१. तुलनात्मक अध्ययनमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) केवल नाम रटब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (D) कथाकें हटाब

४८२. तुलनात्मक अध्ययनमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू इतिहास-विहीन
- (B) दुनू भाषा-विरोधी
- (C) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (D) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें

४८३. तुलनात्मक अध्ययनमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) केवल तिथि
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल पृष्ठ संख्या

४८४. तुलनात्मक अध्ययनमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) केवल एक शब्द
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव

४८५. तुलनात्मक अध्ययनमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल संख्या
- (C) केवल रंग
- (D) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य

४८६. शोध-प्रवेशिकामे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) भाषा छोड़ब
- (B) कथाकें हटाब
- (C) केवल नाम रटब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४८७. शोध-प्रवेशिकामे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) दुनू इतिहास-विहीन
- (C) दुनू भाषा-विरोधी
- (D) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें

४८८. शोध-प्रवेशिकामे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल शीर्षक
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल तिथि

४८९. शोध-प्रवेशिकामे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) केवल एक शब्द

४९०. शोध-प्रवेशिकामे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल संख्या
- (B) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (C) केवल पृष्ठ
- (D) केवल रंग

४९१. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) केवल नाम रटब
- (C) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन
- (D) भाषा छोड़ब

४९२. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) दुनू भाषा-विरोधी

४९३. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल पृष्ठ संख्या
- (B) केवल तिथि
- (C) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (D) केवल शीर्षक

४९४. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (B) केवल एक शब्द
- (C) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन
- (D) केवल अंक

४९५. दीर्घ उत्तरक तैयारीमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल रंग
- (C) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य
- (D) केवल संख्या

४९६. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, मध्यकालीन मैथिली साहित्य पढ़ैत समय मुख्य दृष्टि की होयबाक चाही?

- (A) कथाकें हटाब
- (B) भाषा छोड़ब
- (C) केवल नाम रटब
- (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन

४९७. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, भक्ति कविता आ कथात्मक साहित्यक तुलना कोना करब?

- (A) दुनू मे कोनो भेद नहि
- (B) दुनू भाषा-विरोधी
- (C) दुनू इतिहास-विहीन
- (D) एक भावकें केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकें

४९८. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, अनुवादक मूल्यांकनमे की देखबाक चाही?

- (A) केवल तिथि
- (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन
- (C) केवल पृष्ठ संख्या
- (D) केवल शीर्षक

४९९. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, दीर्घ उत्तरमे मध्यकालीन साहित्यक कोन आधार लिखब?

- (A) केवल अंक
- (B) केवल एक शब्द
- (C) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव
- (D) केवल लेखकक नाम बिना विवेचन

५००. स्मरणीय बिन्दु रूपमे, कथात्मक परम्पराक परीक्षा-प्रश्नमे ककर चर्चा जरूरी?

- (A) केवल पृष्ठ
- (B) केवल रंग
- (C) केवल संख्या
- (D) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (C) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
२. (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
३. (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।
४. (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ — अद्भुत प्रसंग लोक कल्पना, आश्चर्य आ शिक्षा कें संग राखैत अछि।
५. (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि — कथा लोकजीवनक अनुभव, मूल्य, भय, सपना आ संघर्षक अभिव्यक्ति अछि।
६. (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
७. (C) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
८. (C) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।
९. (B) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ — अद्भुत प्रसंग लोक कल्पना, आश्चर्य आ शिक्षा कें संग राखैत अछि।
१०. (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि — कथा लोकजीवनक अनुभव, मूल्य, भय, सपना आ संघर्षक अभिव्यक्ति अछि।
११. (A) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
१२. (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
१३. (A) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।

- 66

- 67

८६. (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
८७. (A) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
८८. (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।
८९. (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ — अद्भुत प्रसंग लोक कल्पना, आश्चर्य आ शिक्षा केँ संग राखैत अछि।
९०. (D) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि — कथा लोकजीवनक अनुभव, मूल्य, भय, सपना आ संघर्षक अभिव्यक्ति अछि।
९१. (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
९२. (B) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
९३. (B) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।
९४. (D) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ — अद्भुत प्रसंग लोक कल्पना, आश्चर्य आ शिक्षा केँ संग राखैत अछि।
९५. (B) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि — कथा लोकजीवनक अनुभव, मूल्य, भय, सपना आ संघर्षक अभिव्यक्ति अछि।
९६. (D) घटना, पात्र, संवाद आ उद्देश्य — कथा घटना-क्रम आ पात्रक क्रियासँ बनैत अछि; उद्देश्य ओकर अर्थ खोलैत अछि।
९७. (D) मौखिक कथन आ पुनरावृत्ति सँ — लोककथा पीढ़ी-दर-पीढ़ी कथन, गायन आ प्रसंगक पुनरावृत्ति सँ जीवित रहैत अछि।
९८. (D) घटना जोड़ि श्रोता धरि पहुँचेनाइ — कथावाचक कथा-सूत्र, भाव आ श्रोता-संबंधक संचालन करैत अछि।
९९. (A) मनोरंजन संग नैतिक संकेत देनाइ — अद्भुत प्रसंग लोक कल्पना, आश्चर्य आ शिक्षा केँ संग राखैत अछि।
१००. (C) एहि मे लोकजीवनक संघर्ष आ इच्छा झलकैत अछि — कथा लोकजीवनक अनुभव, मूल्य, भय, सपना आ संघर्षक अभिव्यक्ति अछि।
१०१. (D) गाए योग्य लयात्मक रूप — गेयता ओ गुण अछि जाहिसँ पद गान, स्मरण आ सामूहिक प्रस्तुति लेल उपयुक्त होइत अछि।
१०२. (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ — रस पाठक वा श्रोता केँ भावक सौन्दर्य अनुभव करबैत अछि।
१०३. (B) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि — भक्ति परम्परा लौकिक प्रेमकेँ दिव्य मिलन-विरहक प्रतीक बना सकैत अछि।
१०४. (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि — लोकशब्द रचनाकेँ जीवित बोलचाल, रीति आ अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
१०५. (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ — छन्द कविता केँ स्मरणीय, गेय आ संरचित बनबैत अछि।
१०६. (B) गाए योग्य लयात्मक रूप — गेयता ओ गुण अछि जाहिसँ पद गान, स्मरण आ सामूहिक प्रस्तुति लेल उपयुक्त होइत अछि।
१०७. (B) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ — रस पाठक वा श्रोता केँ भावक सौन्दर्य अनुभव करबैत अछि।
१०८. (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि — भक्ति परम्परा लौकिक प्रेमकेँ दिव्य मिलन-विरहक प्रतीक बना सकैत अछि।
१०९. (C) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि — लोकशब्द रचनाकेँ जीवित बोलचाल, रीति आ अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
११०. (C) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ — छन्द कविता केँ स्मरणीय, गेय आ संरचित बनबैत अछि।
१११. (D) गाए योग्य लयात्मक रूप — गेयता ओ गुण अछि जाहिसँ पद गान, स्मरण आ सामूहिक प्रस्तुति लेल उपयुक्त होइत अछि।
११२. (D) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ — रस पाठक वा श्रोता केँ भावक सौन्दर्य अनुभव करबैत अछि।
११३. (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि — भक्ति परम्परा लौकिक प्रेमकेँ दिव्य मिलन-विरहक प्रतीक बना सकैत अछि।
११४. (B) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि — लोकशब्द रचनाकेँ जीवित बोलचाल, रीति आ अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
११५. (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ — छन्द कविता केँ स्मरणीय, गेय आ संरचित बनबैत अछि।
११६. (D) गाए योग्य लयात्मक रूप — गेयता ओ गुण अछि जाहिसँ पद गान, स्मरण आ सामूहिक प्रस्तुति लेल उपयुक्त होइत अछि।
११७. (A) भावानुभूतिकेँ सौन्दर्य रूप देनाइ — रस पाठक वा श्रोता केँ भावक सौन्दर्य अनुभव करबैत अछि।
११८. (D) मानवीय प्रेम आध्यात्मिक प्रेमक संकेत बनैत अछि — भक्ति परम्परा लौकिक प्रेमकेँ दिव्य मिलन-विरहक प्रतीक बना सकैत अछि।
११९. (D) रचना अपन समाजसँ निकट होइत अछि — लोकशब्द रचनाकेँ जीवित बोलचाल, रीति आ अनुभवसँ जोड़ैत अछि।
१२०. (D) पद्यकेँ लय, गति आ अनुशासन देनाइ — छन्द कविता केँ स्मरणीय, गेय आ संरचित बनबैत अछि।
१२१. (B) गाए योग्य लयात्मक रूप — गेयता ओ गुण अछि जाहिसँ पद गान, स्मरण आ सामूहिक प्रस्तुति लेल उपयुक्त होइत अछि।

- 69

- 70

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

- [illegible]

३७४. (D) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
३७५. (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
३७६. (D) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — पाण्डुलिपि परम्परा पुरान साहित्यक मूल साक्ष्य आ पाठ-परम्पराक आधार अछि।
३७७. (B) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि — कतेक गीत पहिले मौखिक छल, फेर लिखित भेल; लिखित पाठ सेहो गायनसँ जीवित रहल।
३७८. (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ — पाठ-संपादन पाण्डुलिपि, पाठांतर आ भाषा-रूपक तुलनाद्वारा अध्ययन-योग्य पाठ दैत अछि।
३७९. (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
३८०. (C) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
३८१. (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — पाण्डुलिपि परम्परा पुरान साहित्यक मूल साक्ष्य आ पाठ-परम्पराक आधार अछि।
३८२. (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि — कतेक गीत पहिले मौखिक छल, फेर लिखित भेल; लिखित पाठ सेहो गायनसँ जीवित रहल।
३८३. (B) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ — पाठ-संपादन पाण्डुलिपि, पाठांतर आ भाषा-रूपक तुलनाद्वारा अध्ययन-योग्य पाठ दैत अछि।
३८४. (C) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
३८५. (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
३८६. (C) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — पाण्डुलिपि परम्परा पुरान साहित्यक मूल साक्ष्य आ पाठ-परम्पराक आधार अछि।
३८७. (A) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि — कतेक गीत पहिले मौखिक छल, फेर लिखित भेल; लिखित पाठ सेहो गायनसँ जीवित रहल।
३८८. (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ — पाठ-संपादन पाण्डुलिपि, पाठांतर आ भाषा-रूपक तुलनाद्वारा अध्ययन-योग्य पाठ दैत अछि।
३८९. (D) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
३९०. (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
३९१. (B) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — पाण्डुलिपि परम्परा पुरान साहित्यक मूल साक्ष्य आ पाठ-परम्पराक आधार अछि।
३९२. (C) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि — कतेक गीत पहिले मौखिक छल, फेर लिखित भेल; लिखित पाठ सेहो गायनसँ जीवित रहल।
३९३. (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ — पाठ-संपादन पाण्डुलिपि, पाठांतर आ भाषा-रूपक तुलनाद्वारा अध्ययन-योग्य पाठ दैत अछि।
३९४. (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
३९५. (A) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
३९६. (A) पुरान पाठकेँ पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — पाण्डुलिपि परम्परा पुरान साहित्यक मूल साक्ष्य आ पाठ-परम्पराक आधार अछि।
३९७. (D) दुनू एक-दोसराकेँ सहारा दैत अछि — कतेक गीत पहिले मौखिक छल, फेर लिखित भेल; लिखित पाठ सेहो गायनसँ जीवित रहल।
३९८. (D) भिन्न पाठ मिलाकऽ विश्वसनीय रूप बनौनाइ — पाठ-संपादन पाण्डुलिपि, पाठांतर आ भाषा-रूपक तुलनाद्वारा अध्ययन-योग्य पाठ दैत अछि।
३९९. (B) रचना, रचनाकार आ परम्पराक स्मृति बचैत अछि — अभिलेखन बिना मौखिक आ लिखित धरोहर धीरे-धीरे ओझराइ सकैत अछि।
४००. (D) पाठ दूर-दूरक पाठक धरि पहुँचैत अछि — डिजिटल माध्यम पुरान सामग्रीकेँ खोज, अध्ययन आ पुनर्पाठ लेल सुलभ बनबैत अछि।
४०१. (B) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन — केवल नाम नहि, बल्कि भाव, विधा, भाषा आ सांस्कृतिक पृष्ठभूमि संग अध्ययन जरूरी अछि।
४०२. (A) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ — भक्ति कविता भाव-रस पर, कथात्मक साहित्य घटना-पात्र-क्रम पर अधिक बल दैत अछि।
४०३. (B) मूल भाव, स्थानीय भाषा आ रसक संतुलन — सफल अनुवाद मूल कथाक भाव राखि स्थानीय भाषिक जीवनसँ ओकरा जोड़ैत अछि।
४०४. (A) काल, प्रमुख धारा, विधा, भाषा, समाज आ प्रभाव — संतुलित उत्तरमे ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, कृति-परम्परा आ साहित्यिक विशेषताक संगति चाही।
४०५. (A) कथावस्तु, पात्र, लोकस्रोत, भाषा आ उद्देश्य — कथा-परम्परा बुझबाक लेल कथा, चरित्र, स्रोत, शैली आ समाजिक अर्थ सब देखल जाएत अछि।
४०६. (D) भक्ति, भाषा, समाज आ कथा-रूपक संयुक्त अध्ययन — केवल नाम नहि, बल्कि भाव, विधा, भाषा आ सांस्कृतिक पृष्ठभूमि संग अध्ययन जरूरी अछि।
४०७. (B) एक भावकेँ केन्द्र मानैत अछि, दोसर घटना-क्रमकेँ — भक्ति कविता भाव-रस पर, कथात्मक साहित्य घटना-पात्र-क्रम पर अधिक बल दैत अछि।

अध्याय २ : लोक साहित्य आ मौखिक परम्परा — विदेह क्विज

लोकसाहित्यक संकल्पना

१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) राजदरबारक कठोर विधान
- (D) केवल विद्यालयी परिभाषा

२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल सेनाक अभ्यास
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (D) केवल भूमि-मापी पद्धति

४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (B) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (B) निजी लाभक लेखा
- (C) युद्धक गोपनीय योजना
- (D) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप

६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (C) राजदरबारक कठोर विधान
- (D) केवल लिखित इतिहास

७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (C) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (B) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति

१०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (C) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (D) निजी लाभक लेखा

११. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (B) राजदरबारक कठोर विधान
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) केवल विद्यालयी परिभाषा

१२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (B) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (C) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

१३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (B) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (C) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

१४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे

१५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (C) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (D) निजी लाभक लेखा

१६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन

१७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (C) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

१८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) केवल सेनाक अभ्यास
- (D) केवल भूमि-मापी पद्धति

१९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

२०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (B) युद्धक गोपनीय योजना
- (C) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (D) निजी लाभक लेखा

२१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य

२२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

२३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख

२४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

२५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (B) निजी लाभक लेखा
- (C) युद्धक गोपनीय योजना
- (D) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप

२६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

२७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (C) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

२८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति

२९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (D) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे

३०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) निजी लाभक लेखा
- (C) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता

३१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

३२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (D) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय

३३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (D) केवल भूमि-मापी पद्धति

३४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे

३५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) निजी लाभक लेखा
- (D) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप

३६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल लिखित इतिहास
- (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (C) राजदरबारक कठोर विधान
- (D) केवल विद्यालयी परिभाषा

३७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (D) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा

३८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (D) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख

३९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (B) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (C) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (D) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति

४०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) निजी लाभक लेखा
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (D) युद्धक गोपनीय योजना

४१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य

४२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (D) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि

४३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (B) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (C) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

४४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

४५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) निजी लाभक लेखा
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (D) युद्धक गोपनीय योजना

४६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

४७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (C) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

४८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

४९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (B) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (C) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (D) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति

५०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) निजी लाभक लेखा
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) युद्धक गोपनीय योजना
- (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता

५१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (B) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

५२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

५३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

५४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (C) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (D) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे

५५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (D) निजी लाभक लेखा

५६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

५७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (B) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (C) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

५८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (B) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

५९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (B) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (D) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे

६०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) निजी लाभक लेखा
- (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता

६१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य

६२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (B) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (C) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (D) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय

६३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (C) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

६४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (D) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे

६५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (B) युद्धक गोपनीय योजना
- (C) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (D) निजी लाभक लेखा

६६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (B) राजदरबारक कठोर विधान
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) केवल लिखित इतिहास

६७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (C) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

६८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (D) केवल भूमि-मापी पद्धति

६९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

७०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) निजी लाभक लेखा
- (C) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (D) सिर्फ तकनीकी सूत्र

७१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (C) राजदरबारक कठोर विधान
- (D) केवल लिखित इतिहास

७२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (B) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (C) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (D) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि

७३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल सेनाक अभ्यास
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (D) केवल भूमि-मापी पद्धति

७४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (B) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (C) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (D) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे

७५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (B) युद्धक गोपनीय योजना
- (C) निजी लाभक लेखा
- (D) सिर्फ तकनीकी सूत्र

७६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन

७७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (C) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (D) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि

७८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (D) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख

७९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

८०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) निजी लाभक लेखा
- (C) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता

८१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) राजदरबारक कठोर विधान
- (B) केवल लिखित इतिहास
- (C) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य

८२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (B) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (C) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (D) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि

८३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल सेनाक अभ्यास
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ

८४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (C) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा

८५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (B) युद्धक गोपनीय योजना
- (C) निजी लाभक लेखा
- (D) सिर्फ तकनीकी सूत्र

८६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) राजदरबारक कठोर विधान
- (C) केवल लिखित इतिहास
- (D) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन

८७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा
- (B) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (C) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (D) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि

८८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) केवल सेनाक अभ्यास
- (C) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (D) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख

८९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (B) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (C) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

९०. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (C) निजी लाभक लेखा
- (D) सिर्फ तकनीकी सूत्र

९१. लोकसाहित्यक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल लिखित इतिहास
- (B) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (C) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य
- (D) राजदरबारक कठोर विधान

९२. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोक कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (B) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय
- (D) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि

९३. जखन लोकसाहित्यमे लोक-चेतना कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (B) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ
- (C) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

९४. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे परम्परा केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा
- (D) न्यायालयक आदेश रूपमे

९५. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल मौखिकता ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) निजी लाभक लेखा
- (B) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप
- (C) युद्धक गोपनीय योजना
- (D) सिर्फ तकनीकी सूत्र

९६. सामूहिक रचनाक मूल आशय कोन अछि?

- (A) केवल विद्यालयी परिभाषा
- (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन
- (C) राजदरबारक कठोर विधान
- (D) केवल लिखित इतिहास

९७. लोकसाहित्यक अध्ययनमे लोकभाषा कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल शासकक आज्ञा बुझबैत अछि
- (B) कारण ई व्यापारिक मोलक सूची अछि
- (C) कारण ई विदेशी नामक संग्रह अछि
- (D) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा

९८. जखन लोकसाहित्यमे प्रसंग कहल जाइत अछि, तकर ठीक संकेत की?

- (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति
- (B) बिना लोकसम्बन्धक निजी अभिलेख
- (C) केवल भूमि-मापी पद्धति
- (D) केवल सेनाक अभ्यास

९९. मैथिली लोकसाहित्यक सन्दर्भमे लोक-संस्कार केँ कोना बुझबाक चाही?

- (A) केवल राजकीय कर-सूचना रूपमे
- (B) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति
- (C) न्यायालयक आदेश रूपमे
- (D) पुस्तकालयक मौन सूची रूपमे

१००. लोकजीवनक साहित्यिक रूप बुझबाक लेल लोकसौन्दर्य ककरा दिस इशारा करैत अछि?

- (A) युद्धक गोपनीय योजना
- (B) सिर्फ तकनीकी सूत्र
- (C) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता
- (D) निजी लाभक लेखा

मौखिक परम्परा आ स्मृति

१०१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१०२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (B) मशीनक अड्क-गणना
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१०३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (B) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (C) कारण ई खेतक नाप अछि
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१०४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (B) कथन वा गायनकेँ यादगार बनाबयवला गति
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

१०५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) न्यायिक दण्डक सूची
- (C) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (D) टिकट बेचबाक पद्धति

१०६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१०७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) केवल व्यापारी हिसाब
- (B) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (C) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (D) मशीनक अङ्क-गणना

१०८. पाठांतर लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (B) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) कारण ई खेतक नाप अछि

१०९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल विदेशी शब्द
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

११०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) समूहक साझा याद आ अनुभवक संचय
- (D) न्यायिक दण्डक सूची

१११. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (C) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (D) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति

११२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार

११३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

११४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाइत अछि?

- (A) केवल विदेशी शब्द
- (B) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

११५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) न्यायिक दण्डक सूची
- (C) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (D) टिकट बेचबाक पद्धति

११६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

११७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) केवल व्यापारी हिसाब
- (B) मशीनक अङ्क-गणना
- (C) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (D) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति

११८. पाठांतर लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप

११९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाइत अछि?

- (A) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

१२०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) दूरबीनक माप
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय

१२१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) मुद्रित मुहर लगेनाइ
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१२२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) मशीनक अङ्क-गणना
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१२३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (B) कारण ई खेतक नाप अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि

१२४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) केवल विदेशी शब्द
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति

१२५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) दूरबीनक माप
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति

१२६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (D) मुद्रित मुहर लगेनाइ

१२७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१२८. पाठांतर लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (B) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (C) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (D) कारण ई खेतक नाप अछि

१२९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा

१३०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) समूहक साझा याद आ अनुभवक संचय
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) दूरबीनक माप

१३१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (B) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (C) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (D) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति

१३२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१३३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

१३४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा

१३५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) न्यायिक दण्डक सूची
- (B) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (C) टिकट बेचबाक पद्धति
- (D) दूरबीनक माप

१३६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (C) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१३७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (D) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति

१३८. पाठांतर लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप

१३९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

१४०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) न्यायिक दण्डक सूची
- (C) समूहक साझा यदि आ अनुभवक संचय
- (D) टिकट बेचबाक पद्धति

१४१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (D) मुद्रित मुहर लगेनाइ

१४२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (D) मशीनक अङ्क-गणना

१४३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (B) कारण ई खेतक नाप अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

१४४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल विदेशी शब्द
- (B) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (C) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

१४५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) टिकट बेचबाक पद्धति

१४६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१४७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (D) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति

१४८. पाठांतर लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (B) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (C) कारण ई खेतक नाप अछि
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१४९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल विदेशी शब्द
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग

१५०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) न्यायिक दण्डक सूची
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय
- (D) दूरबीनक माप

१५१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१५२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (B) मशीनक अङ्क-गणना
- (C) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (D) केवल व्यापारी हिसाब

१५३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (B) कारण ई खेतक नाप अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१५४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथन वा गायनकेँ यादगार बनाबयवला गति
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

१५५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) न्यायिक दण्डक सूची
- (B) दूरबीनक माप
- (C) टिकट बेचबाक पद्धति
- (D) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति

१५६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (B) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (C) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१५७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) केवल व्यापारी हिसाब
- (B) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (C) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (D) मशीनक अङ्क-गणना

१५८. पाठांतर लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (B) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (C) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि
- (D) कारण ई खेतक नाप अछि

१५९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल नकल प्रमाणपत्र

१६०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) दूरबीनक माप
- (B) न्यायिक दण्डक सूची
- (C) टिकट बेचबाक पद्धति
- (D) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय

१६१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (B) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (C) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (D) दीवार पर नक्शा टांगनाइ

१६२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (C) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (D) केवल व्यापारी हिसाब

१६३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

१६४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथन वा गायनकेँ यादगार बनाबयवला गति
- (B) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (C) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (D) केवल विदेशी शब्द

१६५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (B) दूरबीनक माप
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) टिकट बेचबाक पद्धति

१६६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१६७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१६८. पाठांतर लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि
- (C) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

१६९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग

१७०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) न्यायिक दण्डक सूची
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय
- (D) दूरबीनक माप

१७१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (B) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (C) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१७२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (B) मशीनक अङ्क-गणना
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार

१७३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि
- (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (D) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि

१७४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथन वा गायनकेँ यादगार बनाबयवला गति
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

१७५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) दूरबीनक माप
- (D) न्यायिक दण्डक सूची

१७६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (B) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (C) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१७७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) मशीनक अङ्क-गणना
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१७८. पाठांतर लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (B) कारण ई खेतक नाप अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि

१७९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

१८०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) दूरबीनक माप
- (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय
- (D) न्यायिक दण्डक सूची

१८१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (C) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१८२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) केवल व्यापारी हिसाब
- (B) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (C) मशीनक अङ्क-गणना
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१८३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकें जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई खेतक नाप अछि
- (B) कारण ई सभकें चुप करबैत अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब

१८४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति
- (C) केवल विदेशी शब्द
- (D) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा

१८५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति
- (C) दूरबीनक माप
- (D) न्यायिक दण्डक सूची

१८६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (C) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (D) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि

१८७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) मशीनक अङ्क-गणना
- (D) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति

१८८. पाठांतर लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (B) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (C) कारण ई खेतक नाप अछि
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१८९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

१९०. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) दूरबीनक माप

१९१. मौखिक परम्परामे सुनबा-सुनएबाक परम्पराक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (B) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति
- (C) मुद्रित मुहर लगैनाइ
- (D) कर-वसूलीक दर बतौनाइ

१९२. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन स्मृति कोना काज करैत अछि?

- (A) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार
- (B) मशीनक अङ्क-गणना
- (C) केवल व्यापारी हिसाब
- (D) राजनीतिक गुप्त संकेत

१९३. पुनरावृत्ति लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (B) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब
- (C) कारण ई खेतक नाप अछि
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१९४. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे लयसँ की बुझाइत अछि?

- (A) केवल विदेशी शब्द
- (B) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (C) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (D) कथन वा गायनकेँ यादगार बनाबयवला गति

१९५. लोक-गायन वा कथनमे कथावाचकक ठीक अर्थ की?

- (A) टिकट बेचबाक पद्धति
- (B) दूरबीनक माप
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति

१९६. मौखिक परम्परामे श्रोताक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) कर-वसूलीक दर बतौनाइ
- (B) जे सुनैत-सुनैत कथाकेँ आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि
- (C) दीवार पर नक्शा टांगनाइ
- (D) मुद्रित मुहर लगैनाइ

१९७. लोककथा वा लोकगीत जखन बिना पुस्तकक चलैत अछि, तखन प्रदर्शन कोना काज करैत अछि?

- (A) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति
- (B) केवल व्यापारी हिसाब
- (C) राजनीतिक गुप्त संकेत
- (D) मशीनक अङ्क-गणना

१९८. पाठांतर लोकसाहित्यकेँ जीवित राखबामे कियैक सहायक अछि?

- (A) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप
- (B) कारण ई खेतक नाप अछि
- (C) कारण ई मात्र कानून बनबैत अछि
- (D) कारण ई सभकेँ चुप करबैत अछि

१९९. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे समय-स्थानसँ की बुझाइत अछि?

- (A) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग
- (B) केवल नकल प्रमाणपत्र
- (C) केवल गोपनीय सैन्य पर्चा
- (D) केवल विदेशी शब्द

२००. लोक-गायन वा कथनमे सामुदायिक स्मृतिक ठीक अर्थ की?

- (A) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय
- (B) टिकट बेचबाक पद्धति
- (C) न्यायिक दण्डक सूची
- (D) दूरबीनक माप

लोकगीत आ संस्कार

२०१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२०२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) लौह-कारखाना मात्र
- (B) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत
- (C) मुद्रा-विनिमय
- (D) न्यायालयक बहस

२०३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) मशीनक पेंच
- (C) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (D) नकद हिसाब

२०४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (B) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (C) रेल-पटरीक माप
- (D) सैनिक गणना

२०५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल लिखित अनुबंध
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (D) केवल पत्थरक मुहर

२०६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) राजस्व-संग्रहक कागज
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (D) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत

२०७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) न्यायालयक बहस
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२०८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) नकद हिसाब
- (B) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (C) मशीनक पेंच
- (D) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत

२०९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) सैनिक गणना
- (B) रेल-पटरीक माप
- (C) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (D) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत

२१०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) केवल लिखित अनुबंध
- (D) केवल खगोल-सूत्र

२११. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) युद्धमे चलयवला शस्त्र

२१२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) न्यायालयक बहस
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) लौह-कारखाना मात्र
- (D) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत

२१३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) मशीनक पेंच
- (C) नकद हिसाब
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२१४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (B) सैनिक गणना
- (C) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (D) रेल-पटरीक माप

२१५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल लिखित अनुबंध
- (C) केवल पत्थरक मुहर
- (D) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत

२१६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२१७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) न्यायालयक बहस
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२१८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (B) मशीनक पेंच
- (C) नकद हिसाब
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२१९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (C) सैनिक गणना
- (D) विद्यालयी अनुपस्थिति

२२०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल लिखित अनुबंध
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) केवल खगोल-सूत्र
- (D) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत

२२१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२२२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत
- (B) न्यायालयक बहस
- (C) मुद्रा-विनिमय
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२२३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (C) नकद हिसाब
- (D) मशीनक पेंच

२२४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (B) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (C) रेल-पटरीक माप
- (D) सैनिक गणना

२२५. गीत-संस्कारक दृष्टिसेँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल पत्थरक मुहर
- (B) केवल लिखित अनुबंध
- (C) केवल खगोल-सूत्र
- (D) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत

२२६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२२७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसेँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) शिव-भक्तिसेँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) लौह-कारखाना मात्र
- (D) न्यायालयक बहस

२२८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) नकद हिसाब
- (C) मशीनक पेंच
- (D) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत

२२९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) सैनिक गणना
- (B) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (C) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (D) रेल-पटरीक माप

२३०. गीत-संस्कारक दृष्टिसेँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल पत्थरक मुहर
- (B) केवल लिखित अनुबंध
- (C) केवल खगोल-सूत्र
- (D) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत

२३१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२३२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसेँ जुड़ैत अछि?

- (A) न्यायालयक बहस
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) विदाईक करुण भावसेँ जुड़ल गीत
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२३३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) नकद हिसाब
- (B) मशीनक पेंच
- (C) लगन, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२३४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) सैनिक गणना
- (B) रेल-पटरीक माप
- (C) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (D) विद्यालयी अनुपस्थिति

२३५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल लिखित अनुबंध
- (C) केवल पत्थरक मुहर
- (D) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत

२३६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२३७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) लौह-कारखाना मात्र
- (C) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (D) न्यायालयक बहस

२३८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) महेस अर्थात् शिवक स्तुति-भावक गीत
- (B) मशीनक पेंच
- (C) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (D) नकद हिसाब

२३९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (B) सैनिक गणना
- (C) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (D) रेल-पटरीक माप

२४०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) केवल खगोल-सूत्र
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२४१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) मिट्टी नापबाक औजार
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत

२४२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) लौह-कारखाना मात्र
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) न्यायालयक बहस
- (D) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत

२४३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) नकद हिसाब
- (C) मशीनक पेंच
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२४४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (B) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (C) सैनिक गणना
- (D) रेल-पटरीक माप

२४५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (C) केवल पत्थरक मुहर
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२४६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत

२४७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) लौह-कारखाना मात्र
- (C) न्यायालयक बहस
- (D) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा

२४८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) नकद हिसाब
- (B) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (C) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (D) मशीनक पेंच

२४९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) सैनिक गणना
- (B) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (C) रेल-पटरीक माप
- (D) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत

२५०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२५१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) मिट्टी नापबाक औजार
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत

२५२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) न्यायालयक बहस
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२५३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (C) नकद हिसाब
- (D) मशीनक पेंच

२५४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (B) रेल-पटरीक माप
- (C) सैनिक गणना
- (D) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप

२५५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल पत्थरक मुहर
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२५६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (B) राजस्व-संग्रहक कागज
- (C) मिट्टी नापबाक औजार
- (D) युद्धमे चलयवला शस्त्र

२५७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) लौह-कारखाना मात्र
- (B) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) मुद्रा-विनिमय
- (D) न्यायालयक बहस

२५८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) मशीनक पेंच
- (B) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (C) नकद हिसाब
- (D) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत

२५९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (C) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (D) सैनिक गणना

२६०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल लिखित अनुबंध
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत
- (D) केवल पत्थरक मुहर

२६१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) मिट्टी नापबाक औजार
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२६२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत
- (B) न्यायालयक बहस
- (C) मुद्रा-विनिमय
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२६३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) नकद हिसाब
- (C) मशीनक पेंच
- (D) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत

२६४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) सैनिक गणना
- (C) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (D) विद्यालयी अनुपस्थिति

२६५. गीत-संस्कारक दृष्टिसेँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (C) केवल लिखित अनुबंध
- (D) केवल पत्थरक मुहर

२६६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) राजस्व-संग्रहक कागज
- (B) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (C) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२६७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसेँ जुड़ैत अछि?

- (A) लौह-कारखाना मात्र
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (D) न्यायालयक बहस

२६८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) नकद हिसाब
- (B) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (C) मशीनक पेंच
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२६९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) सैनिक गणना
- (C) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (D) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत

२७०. गीत-संस्कारक दृष्टिसेँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) केवल लिखित अनुबंध
- (D) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत

२७१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत

२७२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसेँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) विदाईक करुण भावसेँ जुड़ल गीत
- (C) लौह-कारखाना मात्र
- (D) न्यायालयक बहस

२७३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) नकद हिसाब
- (B) मशीनक पेंच
- (C) लगन, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (D) सिर्फ दरबारी चिट्ठी

२७४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) सैनिक गणना
- (C) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (D) विद्यालयी अनुपस्थिति

२७५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल लिखित अनुबंध
- (C) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (D) केवल पत्थरक मुहर

२७६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२७७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) न्यायालयक बहस
- (B) लौह-कारखाना मात्र
- (C) मुद्रा-विनिमय
- (D) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा

२७८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) नकद हिसाब
- (C) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (D) मशीनक पेंच

२७९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (B) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (C) रेल-पटरीक माप
- (D) सैनिक गणना

२८०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल पत्थरक मुहर
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) केवल लिखित अनुबंध
- (D) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत

२८१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) राजस्व-संग्रहक कागज
- (B) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (C) मिट्टी नापबाक औजार
- (D) युद्धमे चलयवला शस्त्र

२८२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) न्यायालयक बहस
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) लौह-कारखाना मात्र
- (D) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत

२८३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) नकद हिसाब
- (C) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (D) मशीनक पेंच

२८४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (B) सैनिक गणना
- (C) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (D) रेल-पटरीक माप

२८५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) केवल पत्थरक मुहर
- (C) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२८६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) मिट्टी नापबाक औजार
- (B) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (C) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२८७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) न्यायालयक बहस
- (D) लौह-कारखाना मात्र

२८८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (C) मशीनक पेंच
- (D) नकद हिसाब

२८९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (B) रेल-पटरीक माप
- (C) सैनिक गणना
- (D) विद्यालयी अनुपस्थिति

२९०. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल खगोल-सूत्र
- (B) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत
- (C) केवल पत्थरक मुहर
- (D) केवल लिखित अनुबंध

२९१. सोहरक सही परिचय की अछि?

- (A) जन्म-अवसर पर गाओल जायवला मंगल गीत
- (B) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (C) राजस्व-संग्रहक कागज
- (D) मिट्टी नापबाक औजार

२९२. लोकगीतक वर्गीकरणमे समदाउनि कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) लौह-कारखाना मात्र
- (B) मुद्रा-विनिमय
- (C) विदाईक करुण भावसँ जुड़ल गीत
- (D) न्यायालयक बहस

२९३. मैथिली लोकजीवनमे विवाह-गीत ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) लग्न, मड़बा, कोहबर आ विदाईक प्रसंगक गीत
- (B) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (C) मशीनक पेंच
- (D) नकद हिसाब

२९४. झूमर लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) लयात्मक लोक-नृत्यगीतक रूप
- (B) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (C) रेल-पटरीक माप
- (D) सैनिक गणना

२९५. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ रोपनी-गीतक स्थान की?

- (A) केवल लिखित अनुबंध
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) धान रोपबाक श्रमक बीच गाओल गीत
- (D) केवल पत्थरक मुहर

२९६. पर्व-गीतक सही परिचय की अछि?

- (A) युद्धमे चलयवला शस्त्र
- (B) मिट्टी नापबाक औजार
- (C) पर्व-त्योहारक अवसर पर गाओल लोकगीत
- (D) राजस्व-संग्रहक कागज

२९७. लोकगीतक वर्गीकरणमे नचारी कोन प्रसंगसँ जुड़ैत अछि?

- (A) मुद्रा-विनिमय
- (B) न्यायालयक बहस
- (C) लौह-कारखाना मात्र
- (D) शिव-भक्तिसँ जुड़ल गीत-परम्परा

२९८. मैथिली लोकजीवनमे महेसबानी ककरा कहल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ दरबारी चिट्ठी
- (B) महेश अर्थात शिवक स्तुति-भावक गीत
- (C) नकद हिसाब
- (D) मशीनक पेंच

२९९. कजरी लोकगीतमे कोन भाव/अवसर देखबैत अछि?

- (A) रेल-पटरीक माप
- (B) वर्षा-ऋतुक विरह आ सौन्दर्यक गीत
- (C) विद्यालयी अनुपस्थिति
- (D) सैनिक गणना

३००. गीत-संस्कारक दृष्टिसँ परातीक स्थान की?

- (A) केवल पत्थरक मुहर
- (B) केवल खगोल-सूत्र
- (C) केवल लिखित अनुबंध
- (D) भोरक समय गाओल जायवला जागरण-गीत

लोककथा आ आख्यान

३०१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) सेना सजेनाइ
- (B) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (C) कर लगैनाइ
- (D) माटि जोतबाक मात्र उपाय

३०२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) गुप्त सरकारी कोड

३०३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (D) कारण ई पाथरक वजन अछि

३०४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) युद्धक आदेश
- (C) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढ़ेनिहार पात्र
- (D) धानक सरकारी दर

३०५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (B) केवल पंजीकरण शुल्क
- (C) केवल नक्शा
- (D) केवल यंत्रक पुर्जा

३०६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सेना सजेनाइ
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (D) कर लगैनाइ

३०७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (B) गुप्त सरकारी कोड
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) केवल व्यापारिक रसीद

३०८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन

३०९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) धानक सरकारी दर
- (B) युद्धक आदेश
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु

३१०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल नक्शा

३११. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (B) कर लगैनाइ
- (C) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (D) सेना सजेनाइ

३१२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) गुप्त सरकारी कोड

३१३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (D) कारण ई पाथरक वजन अछि

३१४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) धानक सरकारी दर
- (B) अंकगणितक भागफल
- (C) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (D) युद्धक आदेश

३१५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) केवल पंजीकरण शुल्क
- (C) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (D) केवल नक्शा

३१६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) सेना सजेनाइ
- (D) कर लगैनाइ

३१७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) केवल व्यापारिक रसीद
- (C) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (D) लोहेक माप-छड़

३१८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) कारण ई कथा रोकि दैत अछि

३१९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) धानक सरकारी दर
- (B) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) युद्धक आदेश

३२०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल पंजीकरण शुल्क
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल यंत्रक पुर्जा
- (D) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन

३२१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) कर लगैनाइ
- (D) सेना सजेनाइ

३२२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) केवल व्यापारिक रसीद
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व

३२३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (B) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) कारण ई कथा रोकि दैत अछि

३२४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) युद्धक आदेश
- (C) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (D) धानक सरकारी दर

३२५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल पंजीकरण शुल्क
- (B) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (C) केवल नक्शा
- (D) केवल यंत्रक पुर्जा

३२६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (B) कर लगैनाइ
- (C) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (D) सेना सजेनाइ

३२७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (B) गुप्त सरकारी कोड
- (C) केवल व्यापारिक रसीद
- (D) लोहेक माप-छड़

३२८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३२९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) घटनाकें अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (B) युद्धक आदेश
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) धानक सरकारी दर

३३०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल यंत्रक पुर्जा

३३१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (B) सेना सजेनाइ
- (C) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (D) कर लगैनाइ

३३२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) लोहेक माप-छड़
- (B) गुप्त सरकारी कोड
- (C) असंभव घटनाकें लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (D) केवल व्यापारिक रसीद

३३३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (C) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (D) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध

३३४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढ़ेनिहार पात्र
- (B) युद्धक आदेश
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) धानक सरकारी दर

३३५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (B) केवल यंत्रक पुर्जा
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल नक्शा

३३६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (B) कर लगैनाइ
- (C) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (D) सेना सजेनाइ

३३७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) केवल व्यापारिक रसीद

३३८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (C) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (D) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन

३३९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) धानक सरकारी दर
- (B) युद्धक आदेश
- (C) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (D) अंकगणितक भागफल

३४०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल नक्शा

३४१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) सेना सजेनाइ
- (B) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (C) कर लगैनाइ
- (D) माटि जोतबाक मात्र उपाय

३४२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) केवल व्यापारिक रसीद
- (C) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (D) लोहेक माप-छड़

३४३. कथा-वाचनमे नीति महत्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (C) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३४४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) युद्धक आदेश
- (C) धानक सरकारी दर
- (D) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढ़ेनिहार पात्र

३४५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल पंजीकरण शुल्क
- (B) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (C) केवल यंत्रक पुर्जा
- (D) केवल नक्शा

३४६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सेना सजेनाइ
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (D) कर लगैनाइ

३४७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) लोहेक माप-छड़
- (C) गुप्त सरकारी कोड
- (D) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र

३४८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) कारण ई कथा रोकि दैत अछि

३४९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) युद्धक आदेश
- (B) अंकगणितक भागफल
- (C) धानक सरकारी दर
- (D) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु

३५०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (C) केवल यंत्रक पुर्जा
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

३५१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कर लगैनाइ
- (B) सेना सजेनाइ
- (C) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (D) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत

३५२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) गुप्त सरकारी कोड
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व

३५३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (C) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (D) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध

३५४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (C) युद्धक आदेश
- (D) धानक सरकारी दर

३५५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (C) केवल नक्शा
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

३५६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) कर लगैनाइ
- (B) सेना सजेनाइ
- (C) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (D) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा

३५७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (C) केवल व्यापारिक रसीद
- (D) लोहेक माप-छड़

३५८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३५९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (B) धानक सरकारी दर
- (C) युद्धक आदेश
- (D) अंकगणितक भागफल

३६०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) केवल यंत्रक पुर्जा
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन

३६१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) सेना सजेनाइ
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (D) कर लगैनाइ

३६२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) लोहेक माप-छड़
- (C) केवल व्यापारिक रसीद
- (D) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व

३६३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (C) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३६४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) युद्धक आदेश
- (B) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढ़ेनिहार पात्र
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) धानक सरकारी दर

३६५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) केवल नक्शा
- (C) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

३६६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (B) सेना सजेनाइ
- (C) कर लगैनाइ
- (D) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा

३६७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (C) केवल व्यापारिक रसीद
- (D) लोहेक माप-छड़

३६८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (B) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (C) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई पाथरक वजन अछि

३६९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) युद्धक आदेश
- (B) घटनाकें अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (C) धानक सरकारी दर
- (D) अंकगणितक भागफल

३७०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल पंजीकरण शुल्क
- (B) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (C) केवल यंत्रक पुर्जा
- (D) केवल नक्शा

३७१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (B) कर लगैनाइ
- (C) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (D) सेना सजेनाइ

३७२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) असंभव घटनाकें लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (C) केवल व्यापारिक रसीद
- (D) लोहेक माप-छड़

३७३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (C) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३७४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) युद्धक आदेश
- (B) धानक सरकारी दर
- (C) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (D) अंकगणितक भागफल

३७५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (B) केवल यंत्रक पुर्जा
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल नक्शा

३७६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (B) सेना सजेनाइ
- (C) कर लगैनाइ
- (D) माटि जोतबाक मात्र उपाय

३७७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) लोहेक माप-छड़
- (C) गुप्त सरकारी कोड
- (D) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र

३७८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन

३७९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) धानक सरकारी दर
- (C) युद्धक आदेश
- (D) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु

३८०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल पंजीकरण शुल्क
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल यंत्रक पुर्जा
- (D) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन

३८१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) कर लगेनाइ
- (D) सेना सजेनाइ

३८२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) केवल व्यापारिक रसीद
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व

३८३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (C) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (D) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध

३८४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) धानक सरकारी दर
- (C) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (D) युद्धक आदेश

३८५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) केवल यंत्रक पुर्जा
- (C) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

३८६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) कर लगैनाइ
- (B) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (C) सेना सजेनाइ
- (D) माटि जोतबाक मात्र उपाय

३८७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) गुप्त सरकारी कोड
- (B) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (C) लोहेक माप-छड़
- (D) केवल व्यापारिक रसीद

३८८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (B) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (C) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (D) कारण ई कथा रोकि दैत अछि

३८९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (B) युद्धक आदेश
- (C) धानक सरकारी दर
- (D) अंकगणितक भागफल

३९०. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल यंत्रक पुर्जा
- (B) केवल नक्शा
- (C) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

३९१. लोककथामे आरम्भिक सूत्रक काज की होइत अछि?

- (A) कथा शुरू करबाक लोक-रूढ़ वाक्य वा संकेत
- (B) माटि जोतबाक मात्र उपाय
- (C) कर लगैनाइ
- (D) सेना सजेनाइ

३९२. मैथिली लोककथाक संरचनामे चमत्कार केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) लोहेक माप-छड़
- (B) गुप्त सरकारी कोड
- (C) असंभव घटनाकेँ लोकविश्वासक भीतर सम्भव बनाबयवला तत्त्व
- (D) केवल व्यापारिक रसीद

३९३. कथा-वाचनमे नीति महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (B) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई केवल चुप्पी अछि
- (D) कथाक अन्तमे भेटयवला जीवन-बोध

३९४. लोककथा सुनैत काल ठग-पात्रसँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) धानक सरकारी दर
- (B) चतुराई आ छलक माध्यमे कथा आगू बढेनिहार पात्र
- (C) अंकगणितक भागफल
- (D) युद्धक आदेश

३९५. पशु-पात्र लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) मानवीय गुण राखि शिक्षा देनिहार जीव-पात्र
- (B) केवल नक्शा
- (C) केवल पंजीकरण शुल्क
- (D) केवल यंत्रक पुर्जा

३९६. लोककथामे राजा-रानी प्रसंगक काज की होइत अछि?

- (A) सत्ता, न्याय, परीक्षा आ दायित्वक आख्यान-ढाँचा
- (B) कर लगेनाइ
- (C) सेना सजेनाइ
- (D) माटि जोतबाक मात्र उपाय

३९७. मैथिली लोककथाक संरचनामे गरीब-नायक केँ कोना चिन्हल जाए?

- (A) केवल व्यापारिक रसीद
- (B) लोहेक माप-छड़
- (C) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र
- (D) गुप्त सरकारी कोड

३९८. कथा-वाचनमे दादी-नानीक कथा महत्त्वपूर्ण कियैक?

- (A) कारण ई कथा रोकि दैत अछि
- (B) घरक भीतर पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलयवला कथन
- (C) कारण ई पाथरक वजन अछि
- (D) कारण ई केवल चुप्पी अछि

३९९. लोककथा सुनैत काल कथाक मोड़सँ श्रोता की बुझैत अछि?

- (A) अंकगणितक भागफल
- (B) धानक सरकारी दर
- (C) घटनाकेँ अचानक नव दिशा देनिहार बिन्दु
- (D) युद्धक आदेश

४००. अन्तिम समाधान लोककथाक अर्थ-संरचनामे की भूमिका निभबैत अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) केवल यंत्रक पुर्जा
- (C) संघर्षक बाद कथा मे बनल संतुलन
- (D) केवल पंजीकरण शुल्क

लोकगाथा आ लोकनायक

४०१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) रेल-समय-सारणी
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक

४०२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) तेल-मापी डिब्बा
- (D) खेतक मेड़ मात्र

४०३. अल्हा-रुदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (C) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४०४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (B) खाली नामावली
- (C) दरबारी पहरा
- (D) गोपनीय मुहर

४०५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल दफ्तरक कागज
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (D) केवल यांत्रिक पुर्जा

४०६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) मुद्रा-छाप
- (B) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (C) रेल-समय-सारणी
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४०७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (D) खेतक मेड़ मात्र

४०८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४०९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) दरबारी पहरा
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) खाली नामावली
- (D) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप

४१०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) समूहक साहस आ संघर्षकेँ गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (B) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (C) केवल व्यापारिक तौल
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४११. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) मुद्रा-छाप
- (B) रेल-समय-सारणी
- (C) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४१२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (C) खेतक मेड़ मात्र
- (D) केवल कागजी आदेश

४१३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकेँ देखबैत अछि?

- (A) कपड़ा नापबाक गज
- (B) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (C) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (D) केवल कर-वसूली

४१४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) खाली नामावली
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) दरबारी पहरा
- (D) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका

४१५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४१६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) गणनाक चिह्न मात्र
- (D) रेल-समय-सारणी

४१७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (D) केवल कागजी आदेश

४१८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४१९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) दरबारी पहरा
- (B) खाली नामावली
- (C) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (D) गोपनीय मुहर

४२०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल दफ्तरक कागज
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप

४२१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) रेल-समय-सारणी

४२२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक

४२३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४२४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) दरबारी पहरा
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) खाली नामावली
- (D) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका

४२५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल दफ्तरक कागज
- (B) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) केवल व्यापारिक तौल

४२६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) रेल-समय-सारणी
- (D) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा

४२७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (B) तेल-मापी डिब्बा
- (C) खेतक मेड़ मात्र
- (D) केवल कागजी आदेश

४२८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (B) केवल कर-वसूली
- (C) कपड़ा नापबाक गज
- (D) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार

४२९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) खाली नामावली
- (D) दरबारी पहरा

४३०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (C) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४३१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) गणनाक चिह्न मात्र
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक

४३२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) तेल-मापी डिब्बा

४३३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (C) कपड़ा नापबाक गज
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४३४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाइत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) खाली नामावली
- (C) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (D) दरबारी पहरा

४३५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान

४३६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (B) रेल-समय-सारणी
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४३७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (B) तेल-मापी डिब्बा
- (C) खेतक मेड़ मात्र
- (D) केवल कागजी आदेश

४३८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४३९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाइत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) दरबारी पहरा
- (C) खाली नामावली
- (D) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप

४४०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (B) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (C) केवल दफ्तरक कागज
- (D) केवल व्यापारिक तौल

४४१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४४२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) तेल-मापी डिब्बा
- (D) केवल कागजी आदेश

४४३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४४४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (B) खाली नामावली
- (C) दरबारी पहरा
- (D) गोपनीय मुहर

४४५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४४६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (D) रेल-समय-सारणी

४४७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) खेतक मेड़ मात्र
- (B) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) तेल-मापी डिब्बा

४४८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (D) केवल कर-वसूली

४४९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) खाली नामावली
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (D) दरबारी पहरा

४५०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) समूहक साहस आ संघर्षक गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप

४५१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (C) रेल-समय-सारणी
- (D) मुद्रा-छाप

४५२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (B) तेल-मापी डिब्बा
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) खेतक मेड़ मात्र

४५३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (C) कपड़ा नापबाक गज
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४५४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) खाली नामावली
- (D) दरबारी पहरा

४५५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (C) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४५६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४५७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (D) केवल कागजी आदेश

४५८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (C) कपड़ा नापबाक गज
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४५९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) दरबारी पहरा
- (C) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (D) खाली नामावली

४६०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) केवल व्यापारिक तौल

४६१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) गणनाक चिह्न मात्र
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक

४६२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (B) खेतक मेड़ मात्र
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) तेल-मापी डिब्बा

४६३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४६४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (B) खाली नामावली
- (C) दरबारी पहरा
- (D) गोपनीय मुहर

४६५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (B) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (C) केवल दफ्तरक कागज
- (D) केवल व्यापारिक तौल

४६६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) मुद्रा-छाप
- (B) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (C) रेल-समय-सारणी
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४६७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) खेतक मेड़ मात्र
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) तेल-मापी डिब्बा
- (D) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान

४६८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकेँ देखबैत अछि?

- (A) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (B) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४६९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (B) दरबारी पहरा
- (C) गोपनीय मुहर
- (D) खाली नामावली

४७०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल दफ्तरक कागज
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) समूहक साहस आ संघर्षकेँ गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (D) केवल यांत्रिक पुर्जा

४७१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४७२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) खेतक मेड़ मात्र
- (B) तेल-मापी डिब्बा
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक

४७३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४७४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) दरबारी पहरा
- (B) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (C) गोपनीय मुहर
- (D) खाली नामावली

४७५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) केवल दफ्तरक कागज

४७६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (D) रेल-समय-सारणी

४७७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) खेतक मेड़ मात्र
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (D) तेल-मापी डिब्बा

४७८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) चुप्पी आ निष्क्रियता

४७९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (C) दरबारी पहरा
- (D) खाली नामावली

४८०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल दफ्तरक कागज
- (B) केवल व्यापारिक तौल
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप

४८१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक
- (D) गणनाक चिह्न मात्र

४८२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (C) केवल कागजी आदेश
- (D) खेतक मेड़ मात्र

४८३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-वसूली
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (D) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र

४८४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (C) दरबारी पहरा
- (D) खाली नामावली

४८५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) केवल व्यापारिक तौल
- (D) केवल यांत्रिक पुर्जा

४८६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) गणनाक चिह्न मात्र
- (B) मुद्रा-छाप
- (C) रेल-समय-सारणी
- (D) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा

४८७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) तेल-मापी डिब्बा
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) खेतक मेड़ मात्र
- (D) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान

४८८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) केवल कर-वसूली
- (C) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४८९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (B) खाली नामावली
- (C) दरबारी पहरा
- (D) गोपनीय मुहर

४९०. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) केवल यांत्रिक पुर्जा
- (D) समूहक साहस आ संघर्षसँ गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप

४९१. लोकगाथामे लोरिकक सही संकेत की अछि?

- (A) रेल-समय-सारणी
- (B) गणनाक चिह्न मात्र
- (C) मुद्रा-छाप
- (D) वीरता, प्रेम आ सामाजिक संघर्षसँ जुड़ल लोकनायक

४९२. मिथिलाक लोक-गायनमे सलहेस ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) केवल कागजी आदेश
- (B) तेल-मापी डिब्बा
- (C) मिथिला-तराईक लोकस्मृतिमे पूज्य वीर-नायक
- (D) खेतक मेड़ मात्र

४९३. अल्हा-रूदल लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकेँ देखबैत अछि?

- (A) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (B) कपड़ा नापबाक गज
- (C) वीर-गाथा परम्पराक संघर्षशील पात्र
- (D) केवल कर-वसूली

४९४. लोकनायकक प्रसंगमे बिहुलासँ की बुझाईत अछि?

- (A) खाली नामावली
- (B) गोपनीय मुहर
- (C) निष्ठा, साहस आ यात्रा-आख्यानक स्त्री-नायिका
- (D) दरबारी पहरा

४९५. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ गोपीचन्दक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) केवल दफ्तरक कागज
- (C) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान
- (D) केवल यांत्रिक पुर्जा

४९६. लोकगाथामे नल-दमयन्तीक सही संकेत की अछि?

- (A) मुद्रा-छाप
- (B) गणनाक चिह्न मात्र
- (C) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा
- (D) रेल-समय-सारणी

४९७. मिथिलाक लोक-गायनमे राजा हरिश्चन्द्र ककरा लेल स्मरणीय अछि?

- (A) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान
- (B) केवल कागजी आदेश
- (C) खेतक मेड़ मात्र
- (D) तेल-मापी डिब्बा

४९८. कृष्ण-लीला लोकगाथाक कोन विशेष पक्षकें देखबैत अछि?

- (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार
- (B) चुप्पी आ निष्क्रियता
- (C) केवल कर-वसूली
- (D) कपड़ा नापबाक गज

४९९. लोकनायकक प्रसंगमे रामायण-गानसँ की बुझाईत अछि?

- (A) गोपनीय मुहर
- (B) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप
- (C) खाली नामावली
- (D) दरबारी पहरा

५००. गाथा-परम्पराक दृष्टिसँ वीर-गाथाक महत्त्व की?

- (A) केवल व्यापारिक तौल
- (B) समूहक साहस आ संघर्षकें गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप
- (C) केवल दफ्तरक कागज
- (D) केवल यांत्रिक पुर्जा

लोकोक्ति, कहावत आ पहेली

५०१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (B) सैन्य नक्शा
- (C) लम्बा राजकीय इतिहास
- (D) करार-पत्रक मोहर

५०२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (B) दीवार रंगबाक लेल
- (C) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (D) कागज गिनबाक लेल

५०३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (D) यंत्रक नक्शा

५०४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (D) केवल मौन

५०५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (D) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति

५०६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (C) करार-पत्रक मोहर
- (D) लम्बा राजकीय इतिहास

५०७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) कागज गिनबाक लेल
- (D) दीवार रंगबाक लेल

५०८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) यंत्रक नक्शा
- (B) केवल नावक पाटी
- (C) खाली संख्या-सूची
- (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति

५०९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) राजदण्ड मात्र
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) केवल मौन
- (D) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला

५१०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (D) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि

५११. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा राजकीय इतिहास
- (B) करार-पत्रक मोहर
- (C) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (D) सैन्य नक्शा

५१२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (B) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (C) दीवार रंगबाक लेल
- (D) कागज गिनबाक लेल

५१३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) खाली संख्या-सूची
- (B) यंत्रक नक्शा
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न

५१४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) राजदण्ड मात्र
- (D) केवल मौन

५१५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५१६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा राजकीय इतिहास
- (B) करार-पत्रक मोहर
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान

५१७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (B) कागज गिनबाक लेल
- (C) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (D) दीवार रंगबाक लेल

५१८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) यंत्रक नक्शा
- (C) खाली संख्या-सूची
- (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति

५१९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (D) केवल मौन

५२०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (D) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार

५२१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) करार-पत्रक मोहर
- (D) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि

५२२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) कागज गिनबाक लेल
- (D) दीवार रंगबाक लेल

५२३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) यंत्रक नक्शा
- (B) केवल नावक पाटी
- (C) खाली संख्या-सूची
- (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न

५२४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (D) राजदण्ड मात्र

५२५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५२६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (B) सैन्य नक्शा
- (C) लम्बा राजकीय इतिहास
- (D) करार-पत्रक मोहर

५२७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) कागज गिनबाक लेल
- (B) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (C) दीवार रंगबाक लेल
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५२८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (B) यंत्रक नक्शा
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) खाली संख्या-सूची

५२९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (C) केवल मौन
- (D) राजदण्ड मात्र

५३०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५३१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) करार-पत्रक मोहर
- (D) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि

५३२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (B) कागज गिनबाक लेल
- (C) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (D) दीवार रंगबाक लेल

५३३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) खाली संख्या-सूची
- (B) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) केवल नावक पाटी

५३४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) बिना अर्थक ध्वनि
- (D) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर

५३५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझाएबाक पद्धति
- (B) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (C) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (D) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि

५३६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा राजकीय इतिहास
- (B) सैन्य नक्शा
- (C) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (D) करार-पत्रक मोहर

५३७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) दीवार रंगबाक लेल
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (D) कागज गिनबाक लेल

५३८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) यंत्रक नक्शा
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति

५३९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) राजदण्ड मात्र
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) केवल मौन
- (D) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला

५४०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (C) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५४१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) करार-पत्रक मोहर
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (D) सैन्य नक्शा

५४२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) कागज गिनबाक लेल
- (B) दीवार रंगबाक लेल
- (C) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५४३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न

५४४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) राजदण्ड मात्र
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) केवल मौन
- (D) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर

५४५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (D) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि

५४६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) करार-पत्रक मोहर

५४७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) दीवार रंगबाक लेल
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) कागज गिनबाक लेल
- (D) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान

५४८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (B) यंत्रक नक्शा
- (C) खाली संख्या-सूची
- (D) केवल नावक पाटी

५४९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (C) केवल मौन
- (D) राजदण्ड मात्र

५५०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार

५५१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (B) सैन्य नक्शा
- (C) लम्बा राजकीय इतिहास
- (D) करार-पत्रक मोहर

५५२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (B) दीवार रंगबाक लेल
- (C) कागज गिनबाक लेल
- (D) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति

५५३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (B) यंत्रक नक्शा
- (C) खाली संख्या-सूची
- (D) केवल नावक पाटी

५५४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (C) राजदण्ड मात्र
- (D) बिना अर्थक ध्वनि

५५५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (B) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (C) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५५६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (D) करार-पत्रक मोहर

५५७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (B) दीवार रंगबाक लेल
- (C) कागज गिनबाक लेल
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५५८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति

५५९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) राजदण्ड मात्र
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (D) केवल मौन

५६०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि

५६१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) करार-पत्रक मोहर
- (B) लम्बा राजकीय इतिहास
- (C) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (D) सैन्य नक्शा

५६२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) दीवार रंगबाक लेल
- (D) कागज गिनबाक लेल

५६३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) यंत्रक नक्शा
- (B) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) खाली संख्या-सूची

५६४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (B) बिना अर्थक ध्वनि
- (C) केवल मौन
- (D) राजदण्ड मात्र

५६५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (B) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (C) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५६६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (B) करार-पत्रक मोहर
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) लम्बा राजकीय इतिहास

५६७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) कागज गिनबाक लेल
- (B) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (C) दीवार रंगबाक लेल
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५६८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (D) यंत्रक नक्शा

५६९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) राजदण्ड मात्र
- (B) केवल मौन
- (C) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (D) बिना अर्थक ध्वनि

५७०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार

५७१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा राजकीय इतिहास
- (B) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) करार-पत्रक मोहर

५७२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) दीवार रंगबाक लेल
- (B) कागज गिनबाक लेल
- (C) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (D) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति

५७३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) खाली संख्या-सूची
- (B) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) यंत्रक नक्शा

५७४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (D) बिना अर्थक ध्वनि

५७५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझाएबाक पद्धति
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (D) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि

५७६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) करार-पत्रक मोहर
- (C) लम्बा राजकीय इतिहास
- (D) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान

५७७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) कागज गिनबाक लेल
- (B) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (C) दीवार रंगबाक लेल
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५७८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (D) यंत्रक नक्शा

५७९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (C) केवल मौन
- (D) राजदण्ड मात्र

५८०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (B) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (C) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (D) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि

५८१. लोकोक्ति सही अर्थ की अछि?

- (A) लम्बा राजकीय इतिहास
- (B) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) करार-पत्रक मोहर

५८२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (B) दीवार रंगबाक लेल
- (C) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (D) कागज गिनबाक लेल

५८३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) खाली संख्या-सूची
- (B) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) केवल नावक पाटी

५८४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) केवल मौन
- (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (D) राजदण्ड मात्र

५८५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (D) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि

५८६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) करार-पत्रक मोहर
- (B) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (C) सैन्य नक्शा
- (D) लम्बा राजकीय इतिहास

५८७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) कागज गिनबाक लेल
- (B) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (C) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (D) दीवार रंगबाक लेल

५८८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) यंत्रक नक्शा

५८९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) केवल मौन
- (D) बिना अर्थक ध्वनि

५९०. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (C) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (D) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि

५९१. लोकोक्तिक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) करार-पत्रक मोहर
- (C) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि
- (D) लम्बा राजकीय इतिहास

५९२. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) दीवार रंगबाक लेल
- (B) कागज गिनबाक लेल
- (C) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति
- (D) अस्त्र तेज करबाक लेल

५९३. मैथिली बोलचालमे पहेली ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) यंत्रक नक्शा
- (B) खाली संख्या-सूची
- (C) केवल नावक पाटी
- (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न

५९४. व्यंग्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) केवल मौन
- (B) राजदण्ड मात्र
- (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर
- (D) बिना अर्थक ध्वनि

५९५. कहावत-पहेलीमे रूपक संकेत कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (B) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (C) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि
- (D) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति

५९६. अनुभव-सूत्रक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैन्य नक्शा
- (B) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान
- (C) करार-पत्रक मोहर
- (D) लम्बा राजकीय इतिहास

५९७. लोकबुद्धिक दृष्टिसँ कृषि-कहावतक उपयोग कियैक होइत अछि?

- (A) दीवार रंगबाक लेल
- (B) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान
- (C) अस्त्र तेज करबाक लेल
- (D) कागज गिनबाक लेल

५९८. मैथिली बोलचालमे घरेलू उक्ति ककरा कहल जा सकैत अछि?

- (A) केवल नावक पाटी
- (B) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति
- (C) यंत्रक नक्शा
- (D) खाली संख्या-सूची

५९९. बोलीक चातुर्य लोकभाषाक कोन गुण देखबैत अछि?

- (A) बिना अर्थक ध्वनि
- (B) केवल मौन
- (C) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला
- (D) राजदण्ड मात्र

६००. कहावत-पहेलीमे सामाजिक आलोचना कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार
- (B) कारण ई सब प्रश्न मेटा दैत अछि
- (C) कारण ई स्मृति आ बुद्धि दुनू सक्रिय करैत अछि
- (D) कारण ई केवल भारी पत्थर अछि

लोकनाट्य आ प्रदर्शन

६०१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) कर-रसीद लिखनाइ
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (C) खेतक मेड़ काटनाइ
- (D) केवल कागज मोड़नाइ

६०२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) धातुक नाप
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) सिर्फ मौन नियम
- (D) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी

६०३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र

६०४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) केवल माप-तौल
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६०५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) खाली दस्तखतक पक्ष
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन

६०६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य

६०७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) धातुक नाप
- (D) स्वर-संगति देनिहार वाद्य

६०८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (B) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६०९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (D) केवल माप-तौल

६१०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) खाली दस्तखतक पक्ष
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया

६११. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) कर-रसीद लिखनाइ
- (C) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (D) केवल कागज मोड़नाइ

६१२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) धातुक नाप
- (C) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी
- (D) गुप्त लेखा-बही

६१३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (B) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६१४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) सिर्फ कर-विधान
- (D) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप

६१५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) सजीव प्रदर्शनक पक्ष

६१६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (B) कर-रसीद लिखनाइ
- (C) खेतक मेड़ काटनाइ
- (D) केवल कागज मोड़नाइ

६१७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) गुप्त लेखा-बही
- (B) धातुक नाप
- (C) सिर्फ मौन नियम
- (D) स्वर-संगति देनिहार वाद्य

६१८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६१९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६२०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (B) खाली दस्तखतक पक्ष
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) सजीव प्रदर्शनक पक्ष

६२१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६२२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) धातुक नाप
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) सिर्फ मौन नियम
- (D) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी

६२३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६२४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) सिर्फ कर-विधान
- (D) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप

६२५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष

६२६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) केवल कागज मोड़नाइ
- (B) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६२७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) गुप्त लेखा-बही
- (B) सिर्फ मौन नियम
- (C) धातुक नाप
- (D) स्वर-संगति देनिहार वाद्य

६२८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (C) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६२९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) केवल माप-तौल
- (D) सिर्फ कर-विधान

६३०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६३१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) केवल कागज मोड़नाइ
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६३२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) धातुक नाप
- (C) गुप्त लेखा-बही
- (D) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी

६३३. जोकर लोक-रंगमंचकें जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र

६३४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (D) केवल माप-तौल

६३५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) गीत-अभिनयकें लय देनिहार साधन
- (B) खाली दस्तखतक पक्ष
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) सजीव प्रदर्शनक पक्ष

६३६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) खेतक मेड़ काटनाइ
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६३७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) स्वर-संगति देनिहार वाद्य
- (C) धातुक नाप
- (D) गुप्त लेखा-बही

६३८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकें जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (C) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (D) कारण ई मंच रोकि दैत अछि

६३९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (D) सिर्फ कर-विधान

६४०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) कथाकें अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया

६४१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) कर-रसीद लिखनाइ
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६४२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) धातुक नाप
- (D) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी

६४३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (C) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६४४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) सिर्फ कर-विधान
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) केवल माप-तौल
- (D) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप

६४५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६४६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) केवल कागज मोड़नाइ
- (B) खेतक मेड़ काटनाइ
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य

६४७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संगति देनिहार वाद्य
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) धातुक नाप
- (D) सिर्फ मौन नियम

६४८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (B) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (C) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (D) कारण ई मंच रोकि दैत अछि

६४९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) सिर्फ कर-विधान
- (B) केवल माप-तौल
- (C) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६५०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (B) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (C) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६५१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच

६५२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाईत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी
- (C) गुप्त लेखा-बही
- (D) धातुक नाप

६५३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (B) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६५४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (D) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप

६५५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६५६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (B) केवल कागज मोड़नाइ
- (C) खेतक मेड़ काटनाइ
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६५७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) धातुक नाप
- (B) सिर्फ मौन नियम
- (C) स्वर-संगति देनिहार वाद्य
- (D) गुप्त लेखा-बही

६५८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य

६५९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (B) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (C) केवल माप-तौल
- (D) सिर्फ कर-विधान

६६०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) सजीव प्रदर्शनक पक्ष

६६१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (B) खेतक मेड़ काटनाइ
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६६२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी
- (C) गुप्त लेखा-बही
- (D) धातुक नाप

६६३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (C) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६६४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (B) केवल माप-तौल
- (C) सिर्फ कर-विधान
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६६५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (D) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन

६६६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) कर-रसीद लिखनाइ
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य

६६७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संगति देनिहार वाद्य
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) धातुक नाप
- (D) सिर्फ मौन नियम

६६८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (B) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (C) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६६९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) सिर्फ कर-विधान
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (D) केवल माप-तौल

६७०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६७१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) कर-रसीद लिखनाइ
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६७२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) धातुक नाप
- (B) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी
- (C) गुप्त लेखा-बही
- (D) सिर्फ मौन नियम

६७३. जोकर लोक-रंगमंचकें जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (B) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६७४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) केवल माप-तौल
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६७५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (B) गीत-अभिनयकें लय देनिहार साधन
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६७६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) केवल कागज मोड़नाइ
- (B) खेतक मेड़ काटनाइ
- (C) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६७७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संगति देनिहार वाद्य
- (B) सिर्फ मौन नियम
- (C) धातुक नाप
- (D) गुप्त लेखा-बही

६७८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकें जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६७९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) केवल माप-तौल
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६८०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (C) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (D) कथाकें अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया

६८१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (B) कर-रसीद लिखनाइ
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६८२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) धातुक नाप
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) सिर्फ मौन नियम
- (D) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी

६८३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (B) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (C) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (D) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि

६८४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (B) केवल माप-तौल
- (C) सिर्फ कर-विधान
- (D) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल

६८५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) खाली दस्तखतक पक्ष
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (D) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष

६८६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) खेतक मेड़ काटनाइ
- (B) कर-रसीद लिखनाइ
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य

६८७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) गुप्त लेखा-बही
- (B) सिर्फ मौन नियम
- (C) धातुक नाप
- (D) स्वर-संगति देनिहार वाद्य

६८८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (B) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (C) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य
- (D) कारण ई मंच रोकि दैत अछि

६८९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (B) केवल माप-तौल
- (C) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (D) सिर्फ कर-विधान

६९०. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (B) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (C) खाली दस्तखतक पक्ष
- (D) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष

६९१. लोकनाट्यमे नाचक सही भूमिका की अछि?

- (A) केवल कागज मोड़नाइ
- (B) गीत, संवाद, अभिनय आ वाद्यक संग लोक-रंगमंच
- (C) कर-रसीद लिखनाइ
- (D) खेतक मेड़ काटनाइ

६९२. मिथिलाक नाच-परम्परामे नटुआ केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) गुप्त लेखा-बही
- (C) लोकनाट्यक अभिनयकर्ता वा प्रदर्शनकारी
- (D) धातुक नाप

६९३. जोकर लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (B) हास्य, व्यंग्य आ दर्शक-सम्बन्ध बनाबयवला पात्र
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) कारण ई दर्शक हटबैत अछि

६९४. लोकप्रदर्शनक संरचनामे नारी-पात्रक योगदान की?

- (A) मंच पर स्त्री-चरित्रक अभिनय रूप
- (B) सिर्फ कर-विधान
- (C) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (D) केवल माप-तौल

६९५. वाद्य देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाईत अछि?

- (A) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (B) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष
- (C) गीत-अभिनयकेँ लय देनिहार साधन
- (D) खाली दस्तखतक पक्ष

६९६. लोकनाट्यमे ढोलकक सही भूमिका की अछि?

- (A) ताल बनाबयवला लोक-वाद्य
- (B) खेतक मेड़ काटनाइ
- (C) केवल कागज मोड़नाइ
- (D) कर-रसीद लिखनाइ

६९७. मिथिलाक नाच-परम्परामे हारमोनियम केना बुझल जाइत अछि?

- (A) सिर्फ मौन नियम
- (B) धातुक नाप
- (C) गुप्त लेखा-बही
- (D) स्वर-संगति देनिहार वाद्य

६९८. झाँझ/झाड़ल लोक-रंगमंचकेँ जीवित कियैक बनबैत अछि?

- (A) कारण ई दर्शक हटबैत अछि
- (B) कारण ई प्रस्तुति, लय वा सहभागितासँ जुड़ैत अछि
- (C) कारण ई मंच रोकि दैत अछि
- (D) ताल आ तीव्र ध्वनि देनिहार वाद्य

६९९. लोकप्रदर्शनक संरचनामे दर्शकक योगदान की?

- (A) लोकनाट्यक सक्रिय सहभागी समुदाय
- (B) अभिनय/संगीत/सहभागिताक बल
- (C) सिर्फ कर-विधान
- (D) केवल माप-तौल

७००. मंचन देखलासँ लोकनाट्यक कोन पक्ष बुझाइत अछि?

- (A) सजीव प्रदर्शनक पक्ष
- (B) कथाकेँ अभिनय, गीत आ गति मे उतारबाक क्रिया
- (C) खाली दस्तखतक पक्ष
- (D) निष्क्रिय पत्थरक पक्ष

स्त्री-स्वर, श्रम आ उत्सव

७०१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (B) राजकीय पहरा
- (C) केवल कर-राशि
- (D) तख्ताक माप

७०२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) गुप्त धनक सूची
- (B) केवल नक्शा
- (C) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (D) मशीनक पुर्जा

७०३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल बाजारक करसँ

७०४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्वपूर्ण अछि?

- (A) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (B) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (C) कारण ई सब आवाज रोकेत अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७०५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) दूरबीनक नली
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा

७०६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) राजकीय पहरा
- (B) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (C) केवल कर-राशि
- (D) तख्ताक माप

७०७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) गुप्त धनक सूची
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) केवल नक्शा
- (D) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति

७०८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७०९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि

७१०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) दूरबीनक नली
- (B) सैनिक गणना
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति

७११. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) केवल कर-राशि
- (C) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (D) राजकीय पहरा

७१२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (B) केवल नक्शा
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) मशीनक पुर्जा

७१३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (B) केवल बाजारक करसँ
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७१४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७१५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) दूरबीनक नली

७१६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (B) केवल कर-राशि
- (C) तख्ताक माप
- (D) राजकीय पहरा

७१७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) मशीनक पुर्जा
- (B) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) केवल नक्शा

७१८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (B) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (C) केवल बाजारक करसँ
- (D) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे

७१९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७२०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (B) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (C) सैनिक गणना
- (D) दूरबीनक नली

७२१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) राजकीय पहरा
- (C) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (D) केवल कर-राशि

७२२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच

७२३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७२४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७२५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (B) दूरबीनक नली
- (C) सैनिक गणना
- (D) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग

७२६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) राजकीय पहरा
- (C) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (D) केवल कर-राशि

७२७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) गुप्त धनक सूची
- (B) केवल नक्शा
- (C) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (D) मशीनक पुर्जा

७२८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (C) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (D) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे

७३९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (C) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (D) लोकगीतक भावात्मक आधार

७३०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (B) दूरबीनक नली
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) सैनिक गणना

७३१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) राजकीय पहरा
- (B) तख्ताक माप
- (C) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (D) केवल कर-राशि

७३२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) मशीनक पुर्जा

७३३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (B) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (C) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (D) केवल बाजारक करसँ

७३४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (B) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (C) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७३५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (B) सैनिक गणना
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) दूरबीनक नली

७३६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (C) तख्ताक माप
- (D) राजकीय पहरा

७३७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (C) मशीनक पुर्जा
- (D) गुप्त धनक सूची

७३८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७३९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (B) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (C) कारण ई सब आवाज रोकेत अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७४०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) दूरबीनक नली

७४१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (C) राजकीय पहरा
- (D) केवल कर-राशि

७४२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (B) केवल नक्शा
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) मशीनक पुर्जा

७४३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (B) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (C) केवल बाजारक करसँ
- (D) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत

७४४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) कारण ई सब आवाज रोकेत अछि

७४५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) दूरबीनक नली
- (D) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा

७४६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) राजकीय पहरा
- (C) केवल कर-राशि
- (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग

७४७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (B) गुप्त धनक सूची
- (C) मशीनक पुर्जा
- (D) केवल नक्शा

७४८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (B) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (D) केवल बाजारक करसँ

७४९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (B) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (C) कारण ई सब आवाज रोकेत अछि
- (D) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि

७५०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (D) दूरबीनक नली

७५१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (B) राजकीय पहरा
- (C) केवल कर-राशि
- (D) तख्ताक माप

७५२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (C) मशीनक पुर्जा
- (D) गुप्त धनक सूची

७५३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७५४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (B) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग

७५५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) दूरबीनक नली
- (B) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) सैनिक गणना

७५६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) केवल कर-राशि
- (C) राजकीय पहरा
- (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग

७५७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (D) गुप्त धनक सूची

७५८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (B) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (D) केवल बाजारक करसँ

७५९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (C) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७६०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) दूरबीनक नली
- (B) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (C) सैनिक गणना
- (D) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग

७६१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति
- (C) राजकीय पहरा
- (D) केवल कर-राशि

७६२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (B) गुप्त धनक सूची
- (C) मशीनक पुर्जा
- (D) केवल नक्शा

७६३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (C) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (D) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे

७६४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (C) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७६५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) दूरबीनक नली
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा

७६६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (C) राजकीय पहरा
- (D) तख्ताक माप

७६७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) मशीनक पुर्जा
- (B) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) केवल नक्शा

७६८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (B) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (C) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (D) केवल बाजारक करसँ

७६९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) लोकगीतक भावात्मक आधार

७७०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (B) सैनिक गणना
- (C) दूरबीनक नली
- (D) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति

७७१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) तख्ताक माप
- (C) राजकीय पहरा
- (D) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति

७७२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल नक्शा
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (D) गुप्त धनक सूची

७७३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल बाजारक करसँ
- (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (C) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७७४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग

७७५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) दूरबीनक नली
- (B) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (C) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (D) सैनिक गणना

७७६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग
- (C) राजकीय पहरा
- (D) तख्ताक माप

७७७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) केवल नक्शा

७७८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (B) केवल बाजारक करसँ
- (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (D) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे

७७९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (D) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि

७८०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) दूरबीनक नली
- (D) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति

७८१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) तख्ताक माप
- (C) राजकीय पहरा
- (D) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति

७८२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) मशीनक पुर्जा
- (B) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (C) केवल नक्शा
- (D) गुप्त धनक सूची

७८३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (B) केवल बाजारक करसँ
- (C) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७८४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (B) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि

७८५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (D) दूरबीनक नली

७८६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) तख्ताक माप
- (B) केवल कर-राशि
- (C) राजकीय पहरा
- (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग

७८७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) मशीनक पुर्जा
- (B) केवल नक्शा
- (C) गुप्त धनक सूची
- (D) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति

७८८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (B) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (C) केवल बाजारक करसँ
- (D) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद

७८९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (C) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (D) लोकगीतक भावात्मक आधार

७९०. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) दूरबीनक नली
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) सैनिक गणना
- (D) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति

७९१. स्त्री-स्वर मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) तख्ताक माप
- (C) राजकीय पहरा
- (D) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति

७९२. लोकगीतमे घर-आँगनक सही अर्थ की अछि?

- (A) गुप्त धनक सूची
- (B) मशीनक पुर्जा
- (C) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच
- (D) केवल नक्शा

७९३. गामक जीवनमे श्रमगीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत
- (C) केवल दफ्तरक आदेशसँ
- (D) केवल बाजारक करसँ

७९४. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे रोपनी कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (B) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि
- (C) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (D) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग

७९५. लोक-संस्कृतिमे जाँतसारक स्थान की?

- (A) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा
- (B) सैनिक गणना
- (C) दूरबीनक नली
- (D) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग

७९६. विवाह-विदाई मैथिली लोकसाहित्यमे कोन अनुभव देखबैत अछि?

- (A) केवल कर-राशि
- (B) तख्ताक माप
- (C) राजकीय पहरा
- (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग

७९७. लोकगीतमे पर्व-उत्सवक सही अर्थ की अछि?

- (A) गुप्त धनक सूची
- (B) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति
- (C) केवल नक्शा
- (D) मशीनक पुर्जा

७९८. गामक जीवनमे ऋतु-गीत साहित्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) अनुभव, लय आ सामूहिक प्रसंगक माध्यमे
- (B) केवल बाजारक करसँ
- (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद
- (D) केवल दफ्तरक आदेशसँ

७९९. स्त्री-स्वर आ श्रमक प्रसंगमे दुःख-सुख कियैक महत्त्वपूर्ण अछि?

- (A) कारण ई केवल खाली डिब्बा अछि
- (B) लोकगीतक भावात्मक आधार
- (C) कारण ई जीवनक भीतरक भाव खोलैत अछि
- (D) कारण ई सब आवाज रोकैत अछि

८००. लोक-संस्कृतिमे सामूहिक गायनक स्थान की?

- (A) सैनिक गणना
- (B) जीवन-रीतिक अभिन्न अंग
- (C) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति
- (D) दूरबीनक नली

संकलन, अनुसंधान आ पाठालोचन

८०१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (B) केवल कागज फाड़नाइ
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) सैनिक गोपनीयता

८०२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) सब नाम हटाबय लेल
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८०३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८०४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (B) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (C) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८०५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (D) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब

८०६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) बिना स्रोतक अनुमान
- (B) सैनिक गोपनीयता
- (C) केवल कागज फाड़नाइ
- (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि

८०७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) संगीत रोकय लेल
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८०८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) समुदाय चुप कराबय लेल
- (C) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ

८०९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

८१०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८११. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८१२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) सब नाम हटाबय लेल
- (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत

८१३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८१४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

८१५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८१६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८१७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (D) संगीत रोकय लेल

८१८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) कथा नष्ट करबाक लेल

८१९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (B) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (C) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

८२०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (C) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (D) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब

८२१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (C) केवल कागज फाड़नाइ
- (D) बिना स्रोतक अनुमान

८२२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) सब नाम हटाबय लेल
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत

८२३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८२४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (B) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (C) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८२५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (C) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८२६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८२७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) सब नाम हटाबय लेल
- (B) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (D) संगीत रोकय लेल

८२८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) समुदाय चुप कराबय लेल
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (D) कथा नष्ट करबाक लेल

८२९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

८३०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८३१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) बिना स्रोतक अनुमान
- (B) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (C) सैनिक गोपनीयता
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८३२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) संगीत रोकय लेल
- (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत

८३३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल

८३४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८३५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (B) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८३६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि
- (C) केवल कागज फाड़नाइ
- (D) बिना स्रोतक अनुमान

८३७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) संगीत रोकय लेल
- (B) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (C) सब नाम हटाबय लेल
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८३८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ

८३९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (D) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि

८४०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (C) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (D) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब

८४१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल कागज फाड़नाइ
- (B) सैनिक गोपनीयता
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन

८४२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (D) सब नाम हटाबय लेल

८४३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) कथा नष्ट करबाक लेल

८४४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (B) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८४५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (B) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८४६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल कागज फाड़नाइ
- (B) सैनिक गोपनीयता
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि

८४७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) सब नाम हटाबय लेल
- (B) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (C) संगीत रोकय लेल
- (D) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब

८४८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) समुदाय चुप कराबय लेल
- (C) कथा नष्ट करबाक लेल
- (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ

८४९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब

८५०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८५१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) केवल कागज फाड़नाइ
- (D) सैनिक गोपनीयता

८५२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) सब नाम हटाबय लेल
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८५३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८५४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (D) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब

८५५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८५६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल कागज फाड़नाइ
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि
- (D) सैनिक गोपनीयता

८५७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) संगीत रोकय लेल
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (D) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब

८५८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) कथा नष्ट करबाक लेल
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८५९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (B) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब

८६०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८६१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) सैनिक गोपनीयता
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८६२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) संगीत रोकय लेल
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८६३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) कथा नष्ट करबाक लेल

८६४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब

८६५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (B) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८६६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) केवल कागज फाड़नाइ
- (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि

८६७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (B) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (C) सब नाम हटाबय लेल
- (D) संगीत रोकय लेल

८६८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) समुदाय चुप कराबय लेल
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (D) कथा नष्ट करबाक लेल

८६९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (B) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८७०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८७१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल कागज फाड़नाइ
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) सैनिक गोपनीयता
- (D) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन

८७२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (D) सब नाम हटाबय लेल

८७३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (D) समुदाय चुप कराबय लेल

८७४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (C) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (D) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि

८७५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८७६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) केवल कागज फाड़नाइ
- (B) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि
- (C) सैनिक गोपनीयता
- (D) बिना स्रोतक अनुमान

८७७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) संगीत रोकय लेल
- (B) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (D) सब नाम हटाबय लेल

८७८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) समुदाय चुप कराबय लेल
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (D) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल

८७९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८८०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) कागज भारी भऽ जाएत
- (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (C) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८८१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (B) केवल कागज फाड़नाइ
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) सैनिक गोपनीयता

८८२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (B) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (C) सब नाम हटाबय लेल
- (D) संगीत रोकय लेल

८८३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन

८८४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (C) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (D) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि

८८५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब
- (D) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत

८८६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) केवल कागज फाड़नाइ
- (C) बिना स्रोतक अनुमान
- (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि

८८७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (B) संगीत रोकय लेल
- (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (D) सब नाम हटाबय लेल

८८८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) समुदाय चुप कराबय लेल
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (D) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल

८८९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (C) केवल पन्ना खाली रहैत अछि
- (D) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि

८९०. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

८९१. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे क्षेत्र-काजक सही अर्थ की अछि?

- (A) सैनिक गोपनीयता
- (B) बिना स्रोतक अनुमान
- (C) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन
- (D) केवल कागज फाड़नाइ

८९२. संकलन करैत समय साक्षात्कार कियैक जरूरी अछि?

- (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल
- (D) संगीत रोकय लेल

८९३. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे ध्वनि-रिकॉर्ड कोना उपयोगी अछि?

- (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन
- (B) कथा नष्ट करबाक लेल
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल

८९४. शोध-पद्धतिमे पाठांतर-संग्रह सँ की लाभ?

- (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब
- (B) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (C) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

८९५. लोकसाहित्य संकलनमे सन्दर्भ-लेखनक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत
- (B) कागज भारी भऽ जाएत
- (C) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (D) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब

८९६. लोकसाहित्यक अनुसंधानमे सूचकक सही अर्थ की अछि?

- (A) बिना स्रोतक अनुमान
- (B) केवल कागज फाड़नाइ
- (C) सैनिक गोपनीयता
- (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि

८९७. संकलन करैत समय नैतिक अनुमति कियैक जरूरी अछि?

- (A) संगीत रोकय लेल
- (B) सब नाम हटाबय लेल
- (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब
- (D) स्रोत आ प्रसंगकेँ विश्वसनीय बनाबय लेल

८९८. मैथिली मौखिक परम्पराक अध्ययनमे वर्गीकरण कोना उपयोगी अछि?

- (A) कथा नष्ट करबाक लेल
- (B) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ
- (C) समुदाय चुप कराबय लेल
- (D) जीवित सामग्रीकेँ ठीक रूपमे बुझबाक लेल

८९९. शोध-पद्धतिमे पाठालोचन सँ की लाभ?

- (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब
- (B) सामग्रीक प्रमाण, प्रसंग आ अर्थ स्पष्ट होइत अछि
- (C) श्रोता दूर भऽ जाइत अछि
- (D) केवल पन्ना खाली रहैत अछि

९००. लोकसाहित्य संकलनमे व्याख्याक उपेक्षा केलासँ की कमी रहि जाएत?

- (A) संगीत बेसी तेज भऽ जाएत
- (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब
- (C) कागज भारी भऽ जाएत
- (D) विश्वसनीयता आ प्रसंग कमजोर भऽ जाएत

संरक्षण, शिक्षा आ डिजिटल अभिलेखन

९०१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) गायकक नाम हटाब
- (B) सामग्रीकेँ भुला देब
- (C) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (D) कथा केँ रोकि देब

९०२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब

९०३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (D) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ

९०४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (C) सब आवाज मेटा देनाइ
- (D) केवल ताला लगैनाइ

९०५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (B) अर्थक नाश
- (C) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (D) समुदायक दूरी

९०६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) गायकक नाम हटाब
- (B) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (C) कथा केँ रोकि देब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९०७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण

९०८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (B) मंच खाली करबासँ
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब

९०९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) सब आवाज मेटा देनाइ
- (B) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (C) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (D) केवल ताला लगेनाइ

९१०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (B) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (C) समुदायक दूरी
- (D) अर्थक नाश

९११. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (B) कथा केँ रोकि देब
- (C) सामग्रीकेँ भुला देब
- (D) गायकक नाम हटाब

९१२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब
- (C) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (D) गीत बंद करबाक लेल

९१३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (C) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे

९१४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (C) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (D) सब आवाज मेटा देनाइ

९१५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) अर्थक नाश
- (B) समुदायक दूरी
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम

९१६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) कथा केँ रोकि देब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९१७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल

९१८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (B) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) मंच खाली करबासँ

९१९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (D) सब आवाज मेटा देनाइ

९२०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) अर्थक नाश
- (B) समुदायक दूरी
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ

१२१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) सामग्रीकेँ भुला देब
- (C) गायकक नाम हटाब
- (D) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब

१२२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

१२३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (B) मंच खाली करबासँ
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे

१२४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (B) केवल ताला लगैनाइ
- (C) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ैनाइ
- (D) सब आवाज मेला देनाइ

१२५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) अर्थक नाश
- (D) समुदायक दूरी

१२६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) कथा केँ रोकि देब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

१२७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) गीत बंद करबाक लेल
- (C) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (D) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण

१२८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (B) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) मंच खाली करबासँ

९२९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) सब आवाज मेटा देनाइ
- (D) केवल ताला लगेनाइ

९३०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) अर्थक नाश
- (B) समुदायक दूरी
- (C) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर

९३१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) सामग्रीकेँ भुला देब
- (C) गायकक नाम हटाब
- (D) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब

९३२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब
- (D) गीत बंद करबाक लेल

९३३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (B) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (C) मंच खाली करबासँ
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे

९३४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) सब आवाज मेटा देनाइ
- (D) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी

९३५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (B) अर्थक नाश
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) समुदायक दूरी

९३६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) कथा केँ रोकि देब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९३७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) परम्पराकें सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (D) गीत बंद करबाक लेल

९३८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (B) मंच खाली करबासँ
- (C) पुरान लोकसामग्रीकें नव माध्यममे जीवित करब
- (D) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे

९३९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (C) सब आवाज मेटा देनाइ
- (D) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ

९४०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकें कोन लाभ?

- (A) परम्परा कें टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) अर्थक नाश
- (D) समुदायक दूरी

९४१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा कें रोकि देब
- (B) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (C) सामग्रीकें भुला देब
- (D) गायकक नाम हटाब

९४२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब
- (B) परम्पराकें सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (D) गीत बंद करबाक लेल

९४३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) बालक-बालिका कें लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) मंच खाली करबासँ

९४४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (B) सब आवाज मेटा देनाइ
- (C) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (D) केवल ताला लगेनाइ

१४५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) अर्थक नाश
- (B) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) समुदायक दूरी

१४६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

१४७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) गीत बंद करबाक लेल
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (D) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

१४८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब

१४९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) सब आवाज मेटा देनाइ
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (D) केवल ताला लगेनाइ

१५०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) समुदायक दूरी
- (D) अर्थक नाश

१५१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (C) सामग्रीकेँ भुला देब
- (D) गायकक नाम हटाब

१५२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) गीत बंद करबाक लेल
- (C) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (D) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब

१५३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण

१५४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (C) केवल ताला लगैनाइ
- (D) सब आवाज मेटा देनाइ

१५५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) अर्थक नाश
- (C) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (D) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर

१५६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) सामग्रीकेँ भुला देब
- (C) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (D) गायकक नाम हटाब

१५७. आधुनिक समयमे संग्रहालय किछक जरूरी अछि?

- (A) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

१५८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब
- (B) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) मंच खाली करबासँ

१५९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) सब आवाज मेटा देनाइ
- (B) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (C) केवल ताला लगैनाइ
- (D) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ

१६०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (B) समुदायक दूरी
- (C) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) अर्थक नाश

९६१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (B) कथा केँ रोकि देब
- (C) गायकक नाम हटाब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९६२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) गीत बंद करबाक लेल
- (B) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब
- (D) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल

९६३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (B) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (C) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (D) मंच खाली करबासँ

९६४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) सब आवाज मेटा देनाइ
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) केवल ताला लगेनाइ
- (D) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी

९६५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) अर्थक नाश
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) समुदायक दूरी
- (D) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम

९६६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) कथा केँ रोकि देब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९६७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (D) गीत बंद करबाक लेल

९६८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) मंच खाली करबासँ

९६९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) सब आवाज मेटा देनाइ
- (D) केवल ताला लगैनाइ

९७०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचैनाइ
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) अर्थक नाश

९७१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९७२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) गीत बंद करबाक लेल
- (B) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (D) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब

९७३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (B) मंच खाली करबासँ
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण

९७४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) सब आवाज मेटा देनाइ
- (B) केवल ताला लगैनाइ
- (C) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (D) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ

९७५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) समुदायक दूरी
- (D) अर्थक नाश

९७६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) सामग्रीकेँ भुला देब
- (C) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचैनाइ
- (D) गायकक नाम हटाब

९७७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) परम्पराकें सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (B) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल

९७८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) पुरान लोकसामग्रीकें नव माध्यममे जीवित करब

९७९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) केवल ताला लगैनाइ
- (D) सब आवाज मेटा देनाइ

९८०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकें कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) परम्परा कें टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचैनाइ
- (C) अर्थक नाश
- (D) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर

९८१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) गायकक नाम हटाब
- (B) कथा कें रोकि देब
- (C) सामग्रीकें भुला देब
- (D) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब

९८२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब
- (B) गीत बंद करबाक लेल
- (C) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (D) परम्पराकें सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

९८३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) बालक-बालिका कें लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ

९८४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगैनाइ
- (B) सब आवाज मेटा देनाइ
- (C) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (D) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ

९८५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम
- (C) अर्थक नाश
- (D) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर

९८६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) कथा केँ रोकि देब
- (B) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (C) गायकक नाम हटाब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

९८७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (C) गीत बंद करबाक लेल
- (D) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

९८८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) मंच खाली करबासँ
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब

९८९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (C) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब
- (D) सब आवाज मेटा देनाइ

९९०. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (B) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (C) समुदायक दूरी
- (D) अर्थक नाश

९९१. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अभिलेखनक सही अर्थ की अछि?

- (A) लोकसामग्रीकेँ व्यवस्थित रूपेँ सुरक्षित करब
- (B) गायकक नाम हटाब
- (C) सामग्रीकेँ भुला देब
- (D) कथा केँ रोकि देब

९९२. आधुनिक समयमे डिजिटल संग्रह कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल
- (C) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकेँ डिजिटल रूपमे राखब
- (D) गीत बंद करबाक लेल

१९३. विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (B) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण
- (C) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (D) मंच खाली करबासँ

१९४. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे समुदाय-अधिकारक भूमिका की?

- (A) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (B) सब आवाज मेटा देनाइ
- (C) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी
- (D) केवल ताला लगेनाइ

१९५. लिप्यन्तरण अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) अर्थक नाश
- (C) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर
- (D) सुनल सामग्रीकेँ लिखित रूप देबाक काम

१९६. लोकसाहित्यक संरक्षणमे अनुवादक सही अर्थ की अछि?

- (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ
- (B) कथा केँ रोकि देब
- (C) गायकक नाम हटाब
- (D) सामग्रीकेँ भुला देब

१९७. आधुनिक समयमे संग्रहालय कियैक जरूरी अछि?

- (A) लोकस्मृति नष्ट करबाक लेल
- (B) गीत बंद करबाक लेल
- (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण
- (D) परम्पराकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनेबाक लेल

१९८. नव-प्रस्तुति लोकसाहित्यक भविष्यसँ कोना जुड़ैत अछि?

- (A) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब
- (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी पहुँच बनेबाक माध्यमे
- (C) सिर्फ कर-बढ़ोतरीसँ
- (D) मंच खाली करबासँ

१९९. मैथिली लोकसाहित्यक नव संरक्षणमे मंच-प्रशिक्षणक भूमिका की?

- (A) केवल ताला लगेनाइ
- (B) सब आवाज मेटा देनाइ
- (C) संग्रह, पहुँच आ समुदाय-सम्मान बढ़ेनाइ
- (D) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब

१०००. भविष्य-सुरक्षा अपनालासँ लोकपरम्पराकेँ कोन लाभ?

- (A) समुदायक दूरी
- (B) अर्थक नाश
- (C) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ
- (D) सुरक्षा, अध्ययन आ पुनःप्रयोगक अवसर

१. (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
२. (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
३. (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
४. (A) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा — परम्परा लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
५. (D) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
६. (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
७. (B) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा — लोकभाषा लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
८. (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति — प्रसंग लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
९. (D) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१०. (B) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता — लोकसौन्दर्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
११. (A) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१२. (A) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१३. (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१४. (B) पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलैत सांस्कृतिक धारा — परम्परा लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१५. (B) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१६. (D) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१७. (B) जनजीवनक सहज बोल-चालक भाषा — लोकभाषा लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१८. (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति — प्रसंग लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।
१९. (A) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૨૦. (A) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, વિશ્વ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અહિ જે લોકક સાજા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અહિ।

૨૧. (D) જનસમુદાયક સ્મૃતિ આ અનુભવસં ઉપજલ સાહિત્ય — લોકસાહિત્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

२२. (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

२३. (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૨૪. (C) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકૈં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૨૫. (D) કાગજસં પહિને આવાજ, સ્મૃતિ આ પ્રસ્તુતિ પર ટિકલે રૂપ — મૌખિકતા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

२६. (A) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૨૭. (C) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

२८. (D) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति — प्रसंग लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

२१. (C) समुदायक जीवन-क्रमके अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

३०. (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता — लोकसौन्दर्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૩૧. (A) જનસમુદાયક સ્મૃતિ આ અનુભવસં ઉપજલ સાહિત્ય — લોકસાહિત્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૩૨. (D) ગામ-ઘર, શ્રમ, ઉત્સવ આ સાઝા જીવનસँ બનલ સમુદાય — લોક લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકँ અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૩૩. (A) સામાજિક અનુભવકોની ભીતર સઁ ઁઠલ સમઝ — લોક-ચેતના લોકસાહિત્યમે ઁહિ રૂપમે મહત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરેત અછિ।

૩૪. (B) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અહિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અહિ।

૩૫. (D) કાગજસં પહિને આવાજ, સ્મૃતિ આ પ્રસ્તુતિ પર ટિકલે રૂપ — મૌખિકતા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનંભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

३६. (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૩૭. (D) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૩૮. (C) ગાન વા કથનક અવસર, સમય આ સમાજિક પરિસ્થિતિ — પ્રસંગ લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

३९. (D) समुदायक जीवन-क्रमके अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૪૦. (C) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, વિશ્વ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

४१. (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

४२. (A) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

४३. (A) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૪૪. (B) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકૈં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

४५. (C) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

४६. (C) एक लेखक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૪૭. (C) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

४८. (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति — प्रसंग लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

४९. (D) समुदायक जीवन-क्रमके अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

५०. (D) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता — लोकसौन्दर्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૫૧. (A) જનસમુદાયક સ્મૃતિ આ અનુભવસં ઉપજલ સાહિત્ય — લોકસાહિત્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૫૨. (C) ગામ-ઘર, શ્રમ, ઉત્સવ આ સાઝા જીવનસँ બનલ સમુદાય — લોક લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકँ અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

43. (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૫૪. (B) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અહિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અહિ।

५५. (C) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

५६. (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૧૭. (C) **જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા** — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૫૮. (B) ગાન વા કથનક અવસર, સમય આ સમાજિક પરિસ્થિતિ — પ્રસંગ લોકસાહિત્યમે ઓહિ રુપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

५९. (C) समुदायक जीवन-क्रमके अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૬૦. (D) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, બિંબ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

६१. (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

६२. (D) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

६३. (B) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૬૪. (A) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઢ્ઢા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકૈં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૬૫. (C) કાગજસં પહિને આવાજ, સ્મૃતિ આ પ્રસ્તુતિ પર ટિકલે રૂપ — મૌખિકતા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

६६. (A) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૬૭. (C) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૬૮. (C) ગાન વા કથનક અવસર, સમય આ સમાજિક પરિસ્થિતિ — પ્રસંગ લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનંભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

६९. (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૭૦. (C) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, બિંબ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

७९. (B) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

७२. (B) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

93. (C) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवक अभिव्यक्त करैत अछि।

૭૪. (A) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અહિ જે લોકક સાઢા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અહિ।

७५. (A) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૭૬. (D) એક લેખકક નામસँ બેસી સમાજક ઢાગીદારી પર ટિકલે સૂઝન — સામૂહિક રચના લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મતિ આ અનુભવકँ અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૭૭. (B) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૭૮. (C) ગાન વા કથનક અવસર, સમય આ સમાજિક પરિસ્થિતિ — પ્રસંગ લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનંભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

७९. (C) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૮૦. (D) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, બિંબ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકેં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

८१. (D) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

८२. (B) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

८३. (D) सामूहिक अनुभवक भीतर सँ उठल समझ — लोक-चेतना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवक अभिव्यक्त करैत अछि।

૮૪. (D) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઢ્ઢા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકૈં અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

८५. (A) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

८६. (D) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।

૮૭. (A) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવક અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૮૮. (C) ગાન વા કથનક અવસર, સમય આ સમાજિક પરિસ્થિતિ — પ્રસંગ લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનંભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

८९. (B) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૧૦. (B) સરલતા, લય, પુનરાવૃત્તિ, બિંદુ આ આત્મીયતા — લોકસૌન્દર્ય લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

११. (C) जनसमुदायक स्मृति आ अनुभवसँ उपजल साहित्य — लोकसाहित्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

१२. (C) गाम-घर, श्रम, उत्सव आ साझा जीवनसँ बनल समुदाय — लोक लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૧૩. (B) સામાજિક અનુભવકો ખીતર સં ઉઠલ સમઝ — લોક-ચેતના લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

૧૪. (C) પીઢી-દર-પીઢી ચલૈત સાંસ્કૃતિક ધારા — પરમ્પરા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અહિ જે લોકક સાઢ્ઢા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અહિ।

१५. (B) कागजसँ पहिने आवाज, स्मृति आ प्रस्तुति पर टिकले रूप — मौखिकता लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

१६. (B) एक लेखकक नामसँ बेसी समाजक भागीदारी पर टिकले सृजन — सामूहिक रचना लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

૧૭. (D) જનજીવનક સહજ બોલ-ચાલક ભાષા — લોકભાષા લોકસાહિત્યમે ઓહિ રૂપમે મહત્ત્વપૂર્ણ અછિ જે લોકક સાઝા જીવન, સ્મૃતિ આ અનુભવકે અભિવ્યક્ત કરૈત અછિ।

१८. (A) गान वा कथनक अवसर, समय आ समाजिक परिस्थिति — प्रसंग लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

११. (B) समुदायक जीवन-क्रमकेँ अर्थ देनिहार रीति — लोक-संस्कार लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकेँ अभिव्यक्त करैत अछि।

- १००. (C) सरलता, लय, पुनरावृत्ति, बिम्ब आ आत्मीयता** — लोकसौन्दर्य लोकसाहित्यमे ओहि रूपमे महत्त्वपूर्ण अछि जे लोकक साझा जीवन, स्मृति आ अनुभवकें अभिव्यक्त करैत अछि।
- १०१. (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति** — सुनबा-सुनएबाक परम्परा मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०२. (A) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार** — स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०३. (B) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब** — पुनरावृत्ति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०४. (B) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति** — लय मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०५. (C) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति** — कथावाचक मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०६. (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि** — श्रोता मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०७. (C) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति** — प्रदर्शन मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०८. (B) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप** — पाठांतर मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १०९. (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग** — समय-स्थान मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११०. (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय** — सामुदायिक स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- १११. (D) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति** — सुनबा-सुनएबाक परम्परा मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११२. (D) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार** — स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११३. (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब** — पुनरावृत्ति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११४. (B) कथन वा गायनकें यादगार बनाबयवला गति** — लय मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११५. (C) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति** — कथावाचक मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११६. (C) जे सुनैत-सुनैत कथाकें आगू बढ़ाबयमे भागीदार होइत अछि** — श्रोता मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११७. (D) गीत, कथा वा नाटकक जीवित प्रस्तुति** — प्रदर्शन मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११८. (D) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप** — पाठांतर मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।
- ११९. (B) कथा वा गीतक अर्थ बदलयवला प्रसंग** — समय-स्थान मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१४०. (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय — सामुदायिक स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

४४१. (C) पीढ़ी दर पीढ़ी आवाजक माध्यमे ज्ञान पहुँचएबाक रीति — सुनबा-सुनएबाक परम्परा मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१४२. (C) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार — स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१४३. (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आबि स्मरण आसान करब — पुनरावृत्ति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१४४. (C) कथन वा गायनकँ यादगार बनाबयवला गति — लय मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१४५. (B) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति — कथावाचक मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

ੴ੬. (C) ਜੇ ਸੁਨੈਤ-ਸੁਨੈਤ ਕਥਾਕੈਂ ਆਗੂ ਬਢਾਬਯਮੇ ਭਾਗੀਦਾਰ ਹੋਇਤ ਅਛਿ — ਸ਼੍ਰੋਤਾ ਮੌਖਿਕ ਪਰੰਪਰਾਕ ਜੀਵਿਤ ਆਧਾਰ ਅਛਿ; ਏਕਰਾਸੈਂ ਲੋਕ-ਰਚਨਾ ਕੇਵਲ ਪਾਠ ਨਹਿ, ਬਲਕਿ ਸਾਮੁਦਾਯਿਕ ਘਟਨਾ ਬਨੈਤ ਅਛਿ।

૪૪૭. (D) ગીત, કથા વા નાટકક જીવિત પ્રસ્તુતિ — પ્રદર્શન મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસં લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામુદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

१४८. (A) एकहि कथाक अलग-अलग बोल वा रूप — पाठांतर मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

૪૪૯. (D) કથા વા ગીતક અર્થ બદલયવલા પ્રસંગ — સમય-સ્થાન મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસું લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામુદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

१५०. (C) समूहक साझा यादि आ अनुभवक संचय — सामुदायिक स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

૪૫૧. (C) પીઢી દર પીઢી આવાજક માધ્યમે જ્ઞાન પહુંચેબાક રીતિ — સુનબા-સુનેબાક પરમ્પરા મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસું લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

१५२. (C) लोकक भीतर सुरक्षित रहनिहार जीवित भंडार — स्मृति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

१५३. (C) गीत-कथाक पाँती बेर-बेर आवि स्मरण आसान करब — पुनरावृत्ति मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि साम्दायिक घटना बनैत अछि।

૧૫૪. (A) કથન વા ગાયનકેં યાદગાર બનાવયવલા ગતિ — લય મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; ઁકરાસં લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્લિકે સામુદાયિક ઘટના બનેત અછિ।

१५५. (D) कथा कहि समुदायसँ संवाद करनिहार व्यक्ति — कथावाचक मौखिक परम्पराक जीवित आधार अछि; एकरासँ लोक-रचना केवल पाठ नहि, बल्कि सामुदायिक घटना बनैत अछि।

૪૫૬. (A) જે સુનૈત-સુનૈત કથાકેં આગૂ બઢાબયમે ભાગીદાર હોઇત અછિ — શ્રોતા મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસેં લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

૧૫૭. (C) ગીત, કથા વા નાટકક જીવિત પ્રસ્તુતિ — પ્રદર્શન મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; ઁકરાસં લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામુદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

૧૫૮. (A) એકહિ કથાક અલગ-અલગ બોલ વા રૂપ — પાઠાંતર મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસં લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્લિક સામ્પ્રદાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

૪૫૯. (B) કથા વા ગીતક અર્થ બદલયવલા પ્રસંગ — સમય-સ્થાન મૌખિક પરમ્પરાક જીવિત આધાર અછિ; એકરાસું લોક-રચના કેવલ પાઠ નહિ, બલ્કિ સામ્દાયિક ઘટના બનૈત અછિ।

३२७. (A) अभावसँ उठि बुद्धि वा साहस देखेनिहार पात्र — गरीब-नायक कथा केँ केवल घटना नहि छोड़ि, अर्थपूर्ण लोक-अनुभव बनबैत अछि।

- [illegible]

४९५. (C) वैराग्य, राजपाट आ योगक आख्यान — गोपीचन्द लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
४९६. (C) प्रेम, वियोग, परीक्षा आ पुनर्मिलनक कथा-गाथा — नल-दमयन्ती लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
४९७. (A) सत्य, त्याग आ धर्म-परीक्षाक लोक-आख्यान — राजा हरिश्चन्द्र लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
४९८. (A) भक्ति, खेल, प्रेम आ लोक-नाट्यक गाथात्मक आधार — कृष्ण-लीला लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
४९९. (B) धर्म, मर्यादा आ कथा-परम्पराक लोक-रूप — रामायण-गान लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
५००. (B) समूहक साहस आ संघर्षकेँ गायनमे सुरक्षित करनिहार रूप — वीर-गाथा लोकगाथामे सामुदायिक स्मृति, संघर्ष आ भावुकता केँ दीर्घ आयु दैत अछि।
५०१. (A) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि — लोकोक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०२. (C) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति — कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०३. (C) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न — पहेली लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०४. (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर — व्यंग्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०५. (D) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति — रूपक संकेत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०६. (B) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान — अनुभव-सूत्र लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०७. (A) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान — कृषि-कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०८. (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति — घरेलू उक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५०९. (D) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला — बोलीक चातुर्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१०. (A) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार — सामाजिक आलोचना लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५११. (C) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि — लोकोक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१२. (B) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति — कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१३. (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न — पहेली लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१४. (A) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर — व्यंग्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१५. (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति — रूपक संकेत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१६. (D) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान — अनुभव-सूत्र लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१७. (C) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान — कृषि-कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१८. (D) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति — घरेलू उक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५१९. (C) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला — बोलीक चातुर्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२०. (D) कहावतक माध्यमे समाजक कमजोरी पर प्रहार — सामाजिक आलोचना लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२१. (D) छोट वाक्यमे गाढ़ लोक-बुद्धि — लोकोक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२२. (A) जीवन-अनुभवसँ उपजल प्रचलित उक्ति — कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२३. (D) संकेतक आधार पर बुद्धि-परीक्षा करयवला प्रश्न — पहेली लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२४. (C) हँसीक भीतर आलोचनाक तीर — व्यंग्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२५. (A) एक वस्तुसँ दोसर अर्थ बुझएबाक पद्धति — रूपक संकेत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२६. (A) बारम्बार अनुभवसँ बनल संक्षिप्त ज्ञान — अनुभव-सूत्र लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२७. (B) खेती, ऋतु आ श्रमसँ जुड़ल लोकज्ञान — कृषि-कहावत लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२८. (A) घर-परिवारक अनुभवसँ बनल सूक्ति — घरेलू उक्ति लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।
५२९. (B) कम शब्दमे चोख बात कहबाक कला — बोलीक चातुर्य लोकभाषाक संक्षिप्त, तीक्ष्ण आ अनुभव-सम्पन्न रूप अछि।

- [illegible]

- 227

- 228

- 229

- 230

- [illegible]

७८२. (B) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच — घर-आँगन लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८३. (C) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत — श्रमगीत लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८४. (B) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग — रोपनी लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८५. (C) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा — जाँतसार लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८६. (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग — विवाह-विदाई लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८७. (D) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति — पर्व-उत्सव लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८८. (D) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद — ऋतु-गीत लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७८९. (D) लोकगीतक भावात्मक आधार — दुःख-सुख लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९०. (D) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति — सामूहिक गायन लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९१. (D) गीत-कथामे स्त्रीक अनुभव आ भावक अभिव्यक्ति — स्त्री-स्वर लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९२. (C) लोकगीतक निकटतम सामाजिक-सांस्कृतिक मंच — घर-आँगन लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९३. (B) कामक थकान घटाबय आ लय बनाबयवला गीत — श्रमगीत लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९४. (D) धान रोपबाक सामूहिक श्रम-प्रसंग — रोपनी लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९५. (A) पीसबाक श्रमसँ जुड़ल गीत-परम्परा — जाँतसार लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९६. (D) करुणा, स्मृति आ सम्बन्ध-विच्छेदक गीत-प्रसंग — विवाह-विदाई लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९७. (B) समुदायक सामूहिक उल्लास आ रीति — पर्व-उत्सव लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९८. (C) ऋतु-बदलावक भाव आ प्रकृति-संवाद — ऋतु-गीत लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
७९९. (B) लोकगीतक भावात्मक आधार — दुःख-सुख लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
८००. (C) एक संग गाबि सम्बन्ध मजबूत करबाक पद्धति — सामूहिक गायन लोकसाहित्यमे जीवनक निजी भावकें सामूहिक अनुभव बना दैत अछि।
८०१. (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०२. (C) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०३. (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०४. (C) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकें जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०५. (D) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०६. (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि — सूचक लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०७. (A) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०८. (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८०९. (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८१०. (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८११. (B) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८१२. (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८१३. (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१४. (C) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१५. (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૧૬. (B) જે લોકસામગ્રી કહી વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સૂચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८१७. (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१८. (B) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१९. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८२०. (D) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१. (B) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८२२. (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३. (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८२४. (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८२५. (B) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૨૬. (B) જે લોકસામગ્રી કહી વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સૂચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८२७. (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८२८. (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૯૧. (A) ભિન્ન પાઠક તુલના કઽ અર્થ બુઝાવ — પાઠાલોચન લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८३०. (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૩૧. (B) ગામ-સમુદાયમે જા કઽ સામગ્રી જુટેબાક અધ્યયન — ક્ષેત્ર-કાજ લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८३२. (D) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३३. (B) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३४. (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

उ३५. (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૩૬. (B) જે લોકસામગ્રી કહી વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમ્દાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८३७. (B) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३८. (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३९. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बूझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४०. (D) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૪૧. (D) ગામ-સમુદાયમે જા કઽ સામગ્રી જુટેબાક અધ્યયન — ક્ષેત્ર-કાજ લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ.

८४२. (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४३. (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४४. (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४५. (B) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૪૬. (D) જે લોકસામગ્રી કહિ વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સૂચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८४७. (D) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४८. (D) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८४९. (D) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५०. (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५१. (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५२. (A) गायक, कथावाचक वा बज्रगर्जसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५३. (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५४. (D) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५५. (C) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૬. (C) જે લોકસામગ્રી કહિ વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સૂચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८५७. (D) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रामाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५८. (A) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८५९. (D) भिन्न पाठक तूलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६०. (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६१. (A) गाम-समदायमे जा कऽ सामग्री जटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६२. (C) गायक, कथावाचक वा बज्रगंसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६३. (B) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६४. (D) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६५. (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૬૬. (D) જે લોકસામગ્રી કહિ વા ગા કડ જાનકારી દૈત અછિ — સચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८६७. (A) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६८. (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८६९. (C) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रामाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८७०. (C) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૭૧. (D) ગામ-સમુદાયમે જા કડ સામગ્રી જુટેબાક અધ્યયન — ક્ષેત્ર-કાજ લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८७२. (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८७३. (C) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८७४. (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८७५. (A) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૭૬. (B) જે લોકસામગ્રી કહિ વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સૂચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८७७. (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८७८. (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૭૧. (B) ભિન્ન પાઠક તુલના કઽ અર્થ વુઝાવ — પાઠાલોચન લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८८०. (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८८१. (A) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८८२. (B) गायक, कथावाचक वा बज्रगसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८३. (D) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८८४. (B) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८८५. (C) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

૮૯. (D) જે લોકસામગ્રી કહિ વા ગા કઽ જાનકારી દૈત અછિ — સચક લોકસાહિત્યક અધ્યયનમે પ્રમાણિકતા, પ્રસંગ આ સમુદાય-સમ્માનક આધાર અછિ।

८८७. (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८८. (C) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८९. (B) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८९०. (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८९१. (C) गाम-समुदायमे जा कऽ सामग्री जुटेबाक अध्ययन — क्षेत्र-काज लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१२. (A) गायक, कथावाचक वा बुजुर्गसँ सीधा बातचीत — साक्षात्कार लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८९३. (A) मौखिक प्रस्तुति सुरक्षित करबाक साधन — ध्वनि-रिकॉर्ड लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८१४. (A) एकहि गीत-कथाक अलग रूप सभकेँ जमा करब — पाठांतर-संग्रह लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।

८९५. (D) कहिया, कतय, के, कोन अवसर—ई सभ लिखब — सन्दर्भ-लेखन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८९६. (D) जे लोकसामग्री कहि वा गा कऽ जानकारी दैत अछि — सूचक लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८९७. (C) स्रोत-व्यक्तिक सहमति आ सम्मान राखब — नैतिक अनुमति लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८९८. (B) गीत, कथा, गाथा, कहावत आदि अनुसार सजेनाइ — वर्गीकरण लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
८९९. (A) भिन्न पाठक तुलना कऽ अर्थ बुझब — पाठालोचन लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
९००. (B) सामग्रीक सामाजिक, सांस्कृतिक आ भाषिक अर्थ खोलब — व्याख्या लोकसाहित्यक अध्ययनमे प्रमाणिकता, प्रसंग आ समुदाय-सम्मानक आधार अछि।
९०१. (C) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपें सुरक्षित करब — अभिलेखन लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०२. (D) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब — डिजिटल संग्रह लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०३. (C) बालक-बालिका कें लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण — विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०४. (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी — समुदाय-अधिकार लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०५. (C) सुनल सामग्रीकें लिखित रूप देबाक काम — लिप्यन्तरण लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०६. (B) एक भाषाक सामग्रीकें दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ — अनुवाद लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०७. (D) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण — संग्रहालय लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०८. (D) पुरान लोकसामग्रीकें नव माध्यममे जीवित करब — नव-प्रस्तुति लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९०९. (B) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब — मंच-प्रशिक्षण लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९१०. (B) परम्परा कें टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — भविष्य-सुरक्षा लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९११. (A) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपें सुरक्षित करब — अभिलेखन लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९१२. (B) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब — डिजिटल संग्रह लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९१३. (C) बालक-बालिका कें लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण — विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९१४. (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी — समुदाय-अधिकार लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
९१५. (D) सुनल सामग्रीकें लिखित रूप देबाक काम — लिप्यन्तरण लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१३६. (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ — अनुवाद लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१३७. (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण — संग्रहालय लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१३८. (C) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब — नव-प्रस्तुति लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१३१. (B) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब — मंच-प्रशिक्षण लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४०. (A) परम्परा कैं टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — भविष्य-सुरक्षा लोकसाहित्य कैं केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४१. (B) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपँ सुरक्षित करब — अभिलेखन लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४२. (A) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब — डिजिटल संग्रह लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४३. (A) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण — विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४४. (A) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी — समुदाय-अधिकार लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४५. (B) सुनल सामग्रीकें लिखित रूप देबाक काम — लिप्यन्तरण लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४६. (C) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ — अनुवाद लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४७. (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण — संग्रहालय लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४८. (D) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब — नव-प्रस्तुति लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१४९. (C) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब — मंच-प्रशिक्षण लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५०. (A) परम्परा कें टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — भविष्य-सुरक्षा लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५१. (B) लोकसामग्रीकें व्यवस्थित रूपें सुरक्षित करब — अभिलेखन लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५२. (D) ध्वनि, चित्र, पाठ आ विवरणकें डिजिटल रूपमे राखब — डिजिटल संग्रह लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५३. (D) बालक-बालिका केँ लोकसाहित्यसँ जोड़बाक शिक्षण — विद्यालयी उपयोग लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५४. (B) जकर परम्परा अछि, ओकर सम्मान आ भागीदारी — समुदाय-अधिकार लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

१५५. (C) सुनल सामग्रीकें लिखित रूप देबाक काम — लिप्यन्तरण लोकसाहित्य कें केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

११६. (A) एक भाषाक सामग्रीकेँ दोसर भाषामे अर्थ सहित पहुँचेनाइ — अनुवाद लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
११७. (C) लोक-वस्तु, ध्वनि आ दस्तावेजक सार्वजनिक संरक्षण — संग्रहालय लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
११८. (A) पुरान लोकसामग्रीकेँ नव माध्यममे जीवित करब — नव-प्रस्तुति लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
११९. (D) लोकनाट्य आ गायनक अगिला पीढ़ी तयार करब — मंच-प्रशिक्षण लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।
१०००. (C) परम्परा केँ टूटबासँ बचा कऽ नवी पीढ़ी धरि पहुँचेनाइ — भविष्य-सुरक्षा लोकसाहित्य केँ केवल संग्रहित नहि, बल्कि जीवित आ सहभागी परम्परा रूपमे बचबैत अछि।

अध्याय ३ : मैथिली भाषाक भाषाई विशेषता — विदेह क्विज

भाषाई विशेषता आ आधार-ध्वनि

१. मैथिली भाषाक अध्ययनमे ध्वनिम सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) केवल संख्या-सूची
- (D) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह

२. निम्नमे सँ उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि क नाम की अछि?

- (A) स्वन
- (B) ग्रन्थ
- (C) अर्थ
- (D) लिपि

३. भाषाई विश्लेषणमे अक्षरक मुख्य काम की अछि?

- (A) अर्थहीन चित्र
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

४. मैथिली भाषा-पाठमे शब्द केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह
- (B) केवल कथानक
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) केवल संख्या-सूची

५. मैथिली भाषाक अध्ययनमे पद सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ताल
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द
- (D) केवल रंगक नाम

६. निम्नमे सँ पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह क नाम की अछि?

- (A) मात्रा
- (B) प्रत्यय
- (C) वाक्य
- (D) धातु

७. भाषाई विश्लेषणमे स्वरक मुख्य काम की अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) समास
- (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि

८. मैथिली भाषा-पाठमे व्यंजन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) केवल छन्दक गणना
- (B) अलंकार
- (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि
- (D) अर्थहीन चित्र

९. मैथिली भाषाक अध्ययनमे मात्रा सँ की बुझाइत अछि?

- (A) पुरुष
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) केवल रंगक नाम

१०. निम्नमे सँ नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप क नाम की अछि?

- (A) परसर्ग
- (B) अनुनासिक
- (C) सम्बोधन
- (D) अव्यय

११. भाषाई विश्लेषणमे ध्वनिमक मुख्य काम की अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) वाक्य
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) अर्थहीन चित्र

१२. मैथिली भाषा-पाठमे स्वन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) ग्रन्थ
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि
- (D) लिपि

१३. मैथिली भाषाक अध्ययनमे अक्षर सँ की बुझाइत अछि?

- (A) केवल संख्या-सूची
- (B) केवल कथानक
- (C) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

१४. निम्नमे सँ अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह क नाम की अछि?

- (A) शब्द
- (B) चित्र
- (C) छन्द
- (D) राग

१५. भाषाई विश्लेषणमे पदक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल संख्या-सूची
- (B) रंग
- (C) केवल कथानक
- (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द

१६. मैथिली भाषा-पाठमे वाक्य केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह
- (B) केवल कथानक
- (C) धातु
- (D) केवल छन्दक गणना

१७. मैथिली भाषाक अध्ययनमे स्वर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) केवल संख्या-सूची
- (D) अर्थहीन चित्र

१८. निम्नमे सँ जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि क नाम की अछि?

- (A) कथा
- (B) अलंकार
- (C) वाक्य
- (D) व्यंजन

१९. भाषाई विश्लेषणमे मात्राक मुख्य काम की अछि?

- (A) अर्थहीन चित्र
- (B) केवल कथानक
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) कारक

२०. मैथिली भाषा-पाठमे अनुनासिक केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) परसर्ग

२१. मैथिली भाषाक अध्ययनमे ध्वनि सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) अनुच्छेद

२२. निम्नमे सँ उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि क नाम की अछि?

- (A) स्वन
- (B) ग्रन्थ
- (C) अर्थ
- (D) लिपि

२३. भाषाई विश्लेषणमे अक्षरक मुख्य काम की अछि?

- (A) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) विचार
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

२४. मैथिली भाषा-पाठमे शब्द केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह
- (B) राग
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) चित्र

२५. मैथिली भाषाक अध्ययनमे पद सँ की बुझाईत अछि?
- (A) केवल संख्या-सूची
 - (B) केवल छन्दक गणना
 - (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द
 - (D) ताल
२६. निम्नमे सँ पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह क नाम की अछि?
- (A) मात्रा
 - (B) प्रत्यय
 - (C) वाक्य
 - (D) धातु
२७. भाषाई विश्लेषणमे स्वरक मुख्य काम की अछि?
- (A) अर्थहीन चित्र
 - (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
 - (C) केवल संख्या-सूची
 - (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
२८. मैथिली भाषा-पाठमे व्यंजन केँ कोन रूपमे चिन्हब?
- (A) केवल रंगक नाम
 - (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
 - (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि
 - (D) केवल छन्दक गणना
२९. मैथिली भाषाक अध्ययनमे मात्रा सँ की बुझाईत अछि?
- (A) केवल छन्दक गणना
 - (B) अर्थहीन चित्र
 - (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
 - (D) पुरुष
३०. निम्नमे सँ नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप क नाम की अछि?
- (A) परसर्ग
 - (B) अनुनासिक
 - (C) सम्बोधन
 - (D) अव्यय
३१. भाषाई विश्लेषणमे ध्वनिक मुख्य काम की अछि?
- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
 - (B) अनुच्छेद
 - (C) केवल रंगक नाम
 - (D) केवल संख्या-सूची
३२. मैथिली भाषा-पाठमे स्वन केँ कोन रूपमे चिन्हब?
- (A) लिपि
 - (B) केवल कथानक
 - (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि
 - (D) केवल संख्या-सूची

३३. मैथिली भाषाक अध्ययनमे अक्षर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथानक
- (B) केवल छन्दक गणना
- (C) केवल संख्या-सूची
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

३४. निम्नमे सँ अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह क नाम की अछि?

- (A) शब्द
- (B) चित्र
- (C) छन्द
- (D) राग

३५. भाषाई विश्लेषणमे पदक मुख्य काम की अछि?

- (A) अर्थहीन चित्र
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) ताल
- (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द

३६. मैथिली भाषा-पाठमे वाक्य केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह
- (B) केवल कथानक
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) केवल छन्दक गणना

३७. मैथिली भाषाक अध्ययनमे स्वर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
- (B) केवल कथानक
- (C) समास
- (D) विभक्ति

३८. निम्नमे सँ जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि क नाम की अछि?

- (A) कथा
- (B) अलंकार
- (C) वाक्य
- (D) व्यंजन

३९. भाषाई विश्लेषणमे मात्राक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल छन्दक गणना
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) पुरुष

४०. मैथिली भाषा-पाठमे अनुनासिक केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (D) अर्थहीन चित्र

४१. मैथिली भाषाक अध्ययनमे ध्वनिम सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) केवल संख्या-सूची

४२. निम्नमे सँ उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि क नाम की अछि?

- (A) स्वन
- (B) ग्रन्थ
- (C) अर्थ
- (D) लिपि

४३. भाषाई विश्लेषणमे अक्षरक मुख्य काम की अछि?

- (A) भाव
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

४४. मैथिली भाषा-पाठमे शब्द केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) राग

४५. मैथिली भाषाक अध्ययनमे पद सँ की बुझाईत अछि?

- (A) तुक
- (B) रंग
- (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द
- (D) केवल संख्या-सूची

४६. निम्नमे सँ पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह क नाम की अछि?

- (A) मात्रा
- (B) प्रत्यय
- (C) वाक्य
- (D) धातु

४७. भाषाई विश्लेषणमे स्वरक मुख्य काम की अछि?

- (A) समास
- (B) केवल कथानक
- (C) उपसर्ग
- (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि

४८. मैथिली भाषा-पाठमे व्यंजन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) केवल छन्दक गणना
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि
- (D) केवल कथानक

४९. मैथिली भाषाक अध्ययनमे मात्रा सँ की बुझाईत अछि?

- (A) पुरुष
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) केवल संख्या-सूची

५०. निम्नमे सँ नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप क नाम की अछि?

- (A) परसर्ग
- (B) अनुनासिक
- (C) सम्बोधन
- (D) अव्यय

५१. भाषाई विश्लेषणमे ध्वनिमक मुख्य काम की अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) कथा
- (C) वाक्य
- (D) केवल कथानक

५२. मैथिली भाषा-पाठमे स्वन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) केवल रंगक नाम
- (B) केवल कथानक
- (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि
- (D) केवल छन्दक गणना

५३. मैथिली भाषाक अध्ययनमे अक्षर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) विचार
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) भाव
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

५४. निम्नमे सँ अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह क नाम की अछि?

- (A) शब्द
- (B) चित्र
- (C) छन्द
- (D) राग

५५. भाषाई विश्लेषणमे पदक मुख्य काम की अछि?

- (A) अर्थहीन चित्र
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) तुक
- (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द

५६. मैथिली भाषा-पाठमे वाक्य केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह
- (B) केवल कथानक
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) धातु

५७. मैथिली भाषाक अध्ययनमे स्वर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
- (B) केवल छन्दक गणना
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) विभक्ति

५८. निम्नमे सँ जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि क नाम की अछि?

- (A) कथा
- (B) अलंकार
- (C) वाक्य
- (D) व्यंजन

५९. भाषाई विश्लेषणमे मात्राक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल रंगक नाम
- (B) पुरुष
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) लिंग

६०. मैथिली भाषा-पाठमे अनुनासिक केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) केवल संख्या-सूची

६१. मैथिली भाषाक अध्ययनमे ध्वनिम सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) कथा
- (C) वाक्य
- (D) केवल रंगक नाम

६२. निम्नमे सँ उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि क नाम की अछि?

- (A) स्वन
- (B) ग्रन्थ
- (C) अर्थ
- (D) लिपि

६३. भाषाई विश्लेषणमे अक्षरक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल कथानक
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

६४. मैथिली भाषा-पाठमे शब्द केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह
- (B) चित्र
- (C) केवल कथानक
- (D) केवल छन्दक गणना

६५. मैथिली भाषाक अध्ययनमे पद सँ की बुझाईत अछि?
- (A) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
 - (B) केवल रंगक नाम
 - (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द
 - (D) तुक
६६. निम्नमे सँ पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह क नाम की अछि?
- (A) मात्रा
 - (B) प्रत्यय
 - (C) वाक्य
 - (D) धातु
६७. भाषाई विश्लेषणमे स्वरक मुख्य काम की अछि?
- (A) केवल कथानक
 - (B) अर्थहीन चित्र
 - (C) विभक्ति
 - (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
६८. मैथिली भाषा-पाठमे व्यंजन केँ कोन रूपमे चिन्हब?
- (A) केवल छन्दक गणना
 - (B) अर्थहीन चित्र
 - (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि
 - (D) केवल रंगक नाम
६९. मैथिली भाषाक अध्ययनमे मात्रा सँ की बुझाईत अछि?
- (A) केवल संख्या-सूची
 - (B) केवल कथानक
 - (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
 - (D) केवल रंगक नाम
७०. निम्नमे सँ नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप क नाम की अछि?
- (A) परसर्ग
 - (B) अनुनासिक
 - (C) सम्बोधन
 - (D) अव्यय
७१. भाषाई विश्लेषणमे ध्वनिक मुख्य काम की अछि?
- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
 - (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
 - (C) कथा
 - (D) केवल रंगक नाम
७२. मैथिली भाषा-पाठमे स्वन केँ कोन रूपमे चिन्हब?
- (A) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
 - (B) लिपि
 - (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि
 - (D) केवल संख्या-सूची

७३. मैथिली भाषाक अध्ययनमे अक्षर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) विचार
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

७४. निम्नमे सँ अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह क नाम की अछि?

- (A) शब्द
- (B) चित्र
- (C) छन्द
- (D) राग

७५. भाषाई विश्लेषणमे पदक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल छन्दक गणना
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द

७६. मैथिली भाषा-पाठमे वाक्य केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह
- (B) केवल छन्दक गणना
- (C) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (D) अर्थहीन चित्र

७७. मैथिली भाषाक अध्ययनमे स्वर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
- (B) विभक्ति
- (C) समास
- (D) अर्थहीन चित्र

७८. निम्नमे सँ जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि क नाम की अछि?

- (A) कथा
- (B) अलंकार
- (C) वाक्य
- (D) व्यंजन

७९. भाषाई विश्लेषणमे मात्राक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल कथानक
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) पुरुष

८०. मैथिली भाषा-पाठमे अनुनासिक केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप
- (B) अव्यय
- (C) केवल कथानक
- (D) सम्बोधन

८१. मैथिली भाषाक अध्ययनमे ध्वनि सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) कथा
- (C) अर्थहीन चित्र
- (D) वाक्य

८२. निम्नमे सँ उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि क नाम की अछि?

- (A) स्वन
- (B) ग्रन्थ
- (C) अर्थ
- (D) लिपि

८३. भाषाई विश्लेषणमे अक्षरक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल संख्या-सूची
- (B) कथानक
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

८४. मैथिली भाषा-पाठमे शब्द केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह
- (B) केवल रंगक नाम
- (C) चित्र
- (D) केवल संख्या-सूची

८५. मैथिली भाषाक अध्ययनमे पद सँ की बुझाईत अछि?

- (A) केवल संख्या-सूची
- (B) तुक
- (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द
- (D) केवल रंगक नाम

८६. निम्नमे सँ पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह क नाम की अछि?

- (A) मात्रा
- (B) प्रत्यय
- (C) वाक्य
- (D) धातु

८७. भाषाई विश्लेषणमे स्वरक मुख्य काम की अछि?

- (A) समास
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) उपसर्ग
- (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि

८८. मैथिली भाषा-पाठमे व्यंजन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थहीन चित्र
- (B) केवल कथानक
- (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि
- (D) केवल छन्दक गणना

८९. मैथिली भाषाक अध्ययनमे मात्रा सँ की बुझाईत अछि?

- (A) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (B) केवल छन्दक गणना
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) केवल रंगक नाम

९०. निम्नमे सँ नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप क नाम की अछि?

- (A) परसर्ग
- (B) अनुनासिक
- (C) सम्बोधन
- (D) अव्यय

९१. भाषाई विश्लेषणमे ध्वनिमक मुख्य काम की अछि?

- (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ
- (B) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (C) केवल छन्दक गणना
- (D) अनुच्छेद

९२. मैथिली भाषा-पाठमे स्वन केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) अर्थ
- (B) केवल छन्दक गणना
- (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि
- (D) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह

९३. मैथिली भाषाक अध्ययनमे अक्षर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) कथानक
- (B) केवल संख्या-सूची
- (C) ध्वनि बिना लिखल चिन्ह
- (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह

९४. निम्नमे सँ अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह क नाम की अछि?

- (A) शब्द
- (B) चित्र
- (C) छन्द
- (D) राग

९५. भाषाई विश्लेषणमे पदक मुख्य काम की अछि?

- (A) केवल छन्दक गणना
- (B) ताल
- (C) केवल कथानक
- (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द

९६. मैथिली भाषा-पाठमे वाक्य केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह
- (B) प्रत्यय
- (C) केवल रंगक नाम
- (D) केवल छन्दक गणना

९७. मैथिली भाषाक अध्ययनमे स्वर सँ की बुझाईत अछि?

- (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) केवल कथानक
- (D) समास

९८. निम्नमे सँ जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि क नाम की अछि?

- (A) कथा
- (B) अलंकार
- (C) वाक्य
- (D) व्यंजन

९९. भाषाई विश्लेषणमे मात्राक मुख्य काम की अछि?

- (A) कारक
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न
- (D) लिंग

१००. मैथिली भाषा-पाठमे अनुनासिक केँ कोन रूपमे चिन्हब?

- (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप
- (B) अर्थहीन चित्र
- (C) सम्बोधन
- (D) केवल संख्या-सूची

ध्वनि विज्ञान: स्वर, व्यंजन आ उच्चारण

१०१. मैथिली उच्चारणमे कण्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (B) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि

१०२. जे ध्वनि जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) कण्ठ्य ध्वनि
- (B) मूर्धन्य ध्वनि
- (C) तालव्य ध्वनि
- (D) ओष्ठ्य ध्वनि

१०३. मूर्धन्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१०४. निम्नमे सँ दन्त्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१०५. मैथिली उच्चारणमे ओष्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१०६. जे ध्वनि नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) केवल ओष्ठ्य ध्वनि
- (B) केवल कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य ध्वनि
- (D) केवल दन्त्य ध्वनि

१०७. घोष ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१०८. निम्नमे सँ अघोष ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि

१०९. मैथिली उच्चारणमे महाप्राण ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि

११०. जे ध्वनि कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) समास
- (B) अल्पप्राण ध्वनि
- (C) महाप्राण ध्वनि
- (D) दीर्घ स्वर

१११. कण्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

११२. निम्नमे सँ तालव्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

११३. मैथिली उच्चारणमे मूर्धन्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

११४. जे ध्वनि दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) तालव्य ध्वनि
- (B) कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य स्वर
- (D) दन्त्य ध्वनि

११५. ओष्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

११६. निम्नमे सँ नासिक्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गुँजि उठयवला ध्वनि
- (D) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि

११७. मैथिली उच्चारणमे घोष ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

११८. जे ध्वनि स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) घोष ध्वनि
- (C) स्वराघात
- (D) अघोष ध्वनि

११९. महाप्राण ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि

१२०. निम्नमे सँ अल्पप्राण ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि

१२१. मैथिली उच्चारणमे कण्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१२२. जे ध्वनि जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) कण्ठ्य ध्वनि
- (B) मूर्धन्य ध्वनि
- (C) तालव्य ध्वनि
- (D) ओष्ठ्य ध्वनि

१२३. मूर्धन्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१२४. निम्नमे सँ दन्त्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१२५. मैथिली उच्चारणमे ओष्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१२६. जे ध्वनि नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) केवल ओष्ठ्य ध्वनि
- (B) केवल कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य ध्वनि
- (D) केवल दन्त्य ध्वनि

१२७. घोष ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१२८. निम्नमे सँ अघोष ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१२९. मैथिली उच्चारणमे महाप्राण ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१३०. जे ध्वनि कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) समास
- (B) अल्पप्राण ध्वनि
- (C) महाप्राण ध्वनि
- (D) दीर्घ स्वर

१३१. कण्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि

१३२. निम्नमे सँ तालव्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१३३. मैथिली उच्चारणमे मूर्धन्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१३४. जे ध्वनि दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) तालव्य ध्वनि
- (B) कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य स्वर
- (D) दन्त्य ध्वनि

१३५. ओष्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि

१३६. निम्नमे सँ नासिक्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१३७. मैथिली उच्चारणमे घोष ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि

१३८. जे ध्वनि स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) घोष ध्वनि
- (C) स्वराघात
- (D) अघोष ध्वनि

१३९. महाप्राण ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१४०. निम्नमे सँ अल्पप्राण ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१४१. मैथिली उच्चारणमे कण्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१४२. जे ध्वनि जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) कण्ठ्य ध्वनि
- (B) मूर्धन्य ध्वनि
- (C) तालव्य ध्वनि
- (D) ओष्ठ्य ध्वनि

१४३. मूर्धन्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१४४. निम्नमे सँ दन्त्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१४५. मैथिली उच्चारणमे ओष्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१४६. जे ध्वनि नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) केवल ओष्ठ्य ध्वनि
- (B) केवल कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य ध्वनि
- (D) केवल दन्त्य ध्वनि

१४७. घोष ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (C) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१४८. निम्नमे सँ अघोष ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१४९. मैथिली उच्चारणमे महाप्राण ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१५०. जे ध्वनि कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) समास
- (B) अल्पप्राण ध्वनि
- (C) महाप्राण ध्वनि
- (D) दीर्घ स्वर

१५१. कण्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१५२. निम्नमे सँ तालव्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१५३. मैथिली उच्चारणमे मूर्धन्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१५४. जे ध्वनि दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) तालव्य ध्वनि
- (B) कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य स्वर
- (D) दन्त्य ध्वनि

१५५. ओष्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१५६. निम्नमे सँ नासिक्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१५७. मैथिली उच्चारणमे घोष ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१५८. जे ध्वनि स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) घोष ध्वनि
- (C) स्वराघात
- (D) अघोष ध्वनि

१५९. महाप्राण ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१६०. निम्नमे सँ अल्पप्राण ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१६१. मैथिली उच्चारणमे कण्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१६२. जे ध्वनि जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) कण्ठ्य ध्वनि
- (B) मूर्धन्य ध्वनि
- (C) तालव्य ध्वनि
- (D) ओष्ठ्य ध्वनि

१६३. मूर्धन्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि

१६४. निम्नमे सँ दन्त्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१६५. मैथिली उच्चारणमे ओष्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१६६. जे ध्वनि नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) केवल ओष्ठ्य ध्वनि
- (B) केवल कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य ध्वनि
- (D) केवल दन्त्य ध्वनि

१६७. घोष ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१६८. निम्नमे सँ अघोष ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि

१६९. मैथिली उच्चारणमे महाप्राण ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (B) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१७०. जे ध्वनि कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) समास
- (B) अल्पप्राण ध्वनि
- (C) महाप्राण ध्वनि
- (D) दीर्घ स्वर

१७१. कण्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१७२. निम्नमे सँ तालव्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१७३. मैथिली उच्चारणमे मूर्धन्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१७४. जे ध्वनि दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) तालव्य ध्वनि
- (B) कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य स्वर
- (D) दन्त्य ध्वनि

१७५. ओष्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि

१७६. निम्नमे सँ नासिक्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१७७. मैथिली उच्चारणमे घोष ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि

१७८. जे ध्वनि स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) घोष ध्वनि
- (C) स्वराघात
- (D) अघोष ध्वनि

१७९. महाप्राण ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि

१८०. निम्नमे सँ अल्पप्राण ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (D) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१८१. मैथिली उच्चारणमे कण्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि

१८२. जे ध्वनि जिह्वा तालुसँ लागि उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) कण्ठ्य ध्वनि
- (B) मूर्धन्य ध्वनि
- (C) तालव्य ध्वनि
- (D) ओष्ठ्य ध्वनि

१८३. मूर्धन्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लागि उच्चरित ध्वनि

१८४. निम्नमे सँ दन्त्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वा तालुसँ लागि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि

१८५. मैथिली उच्चारणमे ओष्ठ्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१८६. जे ध्वनि नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) केवल ओष्ठ्य ध्वनि
- (B) केवल कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य ध्वनि
- (D) केवल दन्त्य ध्वनि

१८७. घोष ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि

१८८. निम्नमे सँ अघोष ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१८९. मैथिली उच्चारणमे महाप्राण ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१९०. जे ध्वनि कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) समास
- (B) अल्पप्राण ध्वनि
- (C) महाप्राण ध्वनि
- (D) दीर्घ स्वर

१९१. कण्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

१९२. निम्नमे सँ तालव्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१९३. मैथिली उच्चारणमे मूर्धन्य ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि

१९४. जे ध्वनि दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) तालव्य ध्वनि
- (B) कण्ठ्य ध्वनि
- (C) नासिक्य स्वर
- (D) दन्त्य ध्वनि

१९५. ओष्ठ्य ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (C) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१९६. निम्नमे सँ नासिक्य ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (B) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (D) जिह्वा तालुसँ लगि उच्चरित ध्वनि

१९७. मैथिली उच्चारणमे घोष ध्वनिक सही लक्षण की अछि?

- (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि

१९८. जे ध्वनि स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) घोष ध्वनि
- (C) स्वराघात
- (D) अघोष ध्वनि

१९९. महाप्राण ध्वनि केँ पहचानबाक मुख्य आधार की अछि?

- (A) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि
- (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि
- (D) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि

२००. निम्नमे सँ अल्पप्राण ध्वनिक शुद्ध अर्थ चुनू।

- (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि
- (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि
- (C) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि
- (D) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि

ध्वनि-परिवर्तन, नासिक्य आ लय

२०१. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-लोप सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (C) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२०२. उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) कारक
- (B) ध्वनि-आगम
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) वाक्य-लोप

२०३. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-दीर्घताक सही परिचय की अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२०४. निम्न विकल्पमे स्वर-ह्रस्वताक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२०५. मैथिली बोलचालमे अनुनासिकीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२०६. दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संधि
- (B) विभक्ति-वियोग
- (C) पद-क्रम
- (D) कर्ता-लोप

२०७. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे व्यंजन-संधिक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२०८. निम्न विकल्पमे सरलीकरणक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२०९. मैथिली बोलचालमे समानधर्मीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२१०. कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) स्वराघात
- (C) प्रत्यय
- (D) उपसर्ग

२११. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-लोपक सही परिचय की अछि?

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२१२. निम्न विकल्पमे ध्वनि-आगमक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२१३. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-दीर्घता सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२१४. दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वाक्य-विस्तार
- (B) ध्वनि-दीर्घता
- (C) अव्यय
- (D) स्वर-ह्रस्वता

२१५. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे अनुनासिकीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२१६. निम्न विकल्पमे स्वर-संधिक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२१७. मैथिली बोलचालमे व्यंजन-संधि सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब

२१८. कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) सरलीकरण
- (B) छन्द-विन्यास
- (C) विशेषण
- (D) विस्तारमात्र

२१९. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे समानधर्मीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (B) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२२०. निम्न विकल्पमे स्वराघातक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२२१. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-लोप सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२२२. उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) कारक
- (B) ध्वनि-आगम
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) वाक्य-लोप

२२३. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-दीर्घताक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२२४. निम्न विकल्पमे स्वर-ह्रस्वताक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२२५. मैथिली बोलचालमे अनुनासिकीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२२६. दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संधि
- (B) विभक्ति-वियोग
- (C) पद-क्रम
- (D) कर्ता-लोप

२२७. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे व्यंजन-संधिक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२२८. निम्न विकल्पमे सरलीकरणक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२२९. मैथिली बोलचालमे समानधर्मीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२३०. कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) स्वराघात
- (C) प्रत्यय
- (D) उपसर्ग

२३१. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-लोपक सही परिचय की अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२३२. निम्न विकल्पमे ध्वनि-आगमक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२३३. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-दीर्घता सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२३४. दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वाक्य-विस्तार
- (B) ध्वनि-दीर्घता
- (C) अव्यय
- (D) स्वर-ह्रस्वता

२३५. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे अनुनासिकीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२३६. निम्न विकल्पमे स्वर-संधिक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२३७. मैथिली बोलचालमे व्यंजन-संधि सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२३८. कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) सरलीकरण
- (B) छन्द-विन्यास
- (C) विशेषण
- (D) विस्तारमात्र

२३९. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे समानधर्मीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ

२४०. निम्न विकल्पमे स्वराघातक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२४१. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-लोप सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२४२. उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) कारक
- (B) ध्वनि-आगम
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) वाक्य-लोप

२४३. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-दीर्घताक सही परिचय की अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२४४. निम्न विकल्पमे स्वर-ह्रस्वताक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२४५. मैथिली बोलचालमे अनुनासिकीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२४६. दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संधि
- (B) विभक्ति-वियोग
- (C) पद-क्रम
- (D) कर्ता-लोप

२४७. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे व्यंजन-संधिक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२४८. निम्न विकल्पमे सरलीकरणक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब

२४९. मैथिली बोलचालमे समानधर्मीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२५०. कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) स्वराघात
- (C) प्रत्यय
- (D) उपसर्ग

२५१. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-लोपक सही परिचय की अछि?

- (A) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२५२. निम्न विकल्पमे ध्वनि-आगमक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२५३. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-दीर्घता सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२५४. दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वाक्य-विस्तार
- (B) ध्वनि-दीर्घता
- (C) अव्यय
- (D) स्वर-ह्रस्वता

२५५. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे अनुनासिकीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब

२५६. निम्न विकल्पमे स्वर-संधिक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२५७. मैथिली बोलचालमे व्यंजन-संधि सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (C) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२५८. कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) सरलीकरण
- (B) छन्द-विन्यास
- (C) विशेषण
- (D) विस्तारमात्र

२५९. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे समानधर्मीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२६०. निम्न विकल्पमे स्वराघातक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२६१. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-लोप सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब

२६२. उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) कारक
- (B) ध्वनि-आगम
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) वाक्य-लोप

२६३. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-दीर्घताक सही परिचय की अछि?

- (A) स्वरमे नासिक्य गुँजक प्रवेश
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब

२६४. निम्न विकल्पमे स्वर-ह्रस्वताक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२६५. मैथिली बोलचालमे अनुनासिकीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२६६. दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संधि
- (B) विभक्ति-वियोग
- (C) पद-क्रम
- (D) कर्ता-लोप

२६७. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे व्यंजन-संधिक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२६८. निम्न विकल्पमे सरलीकरणक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२६९. मैथिली बोलचालमे समानधर्मीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२७०. कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) स्वराघात
- (C) प्रत्यय
- (D) उपसर्ग

२७१. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-लोपक सही परिचय की अछि?

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२७२. निम्न विकल्पमे ध्वनि-आगमक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२७३. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-दीर्घता सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२७४. दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वाक्य-विस्तार
- (B) ध्वनि-दीर्घता
- (C) अव्यय
- (D) स्वर-ह्रस्वता

२७५. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे अनुनासिकीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ

२७६. निम्न विकल्पमे स्वर-संधिक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२७७. मैथिली बोलचालमे व्यंजन-संधि सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब

२७८. कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) सरलीकरण
- (B) छन्द-विन्यास
- (C) विशेषण
- (D) विस्तारमात्र

२७९. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे समानधर्मीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (B) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२८०. निम्न विकल्पमे स्वराघातक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२८१. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-लोप सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (C) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२८२. उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) कारक
- (B) ध्वनि-आगम
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) वाक्य-लोप

२८३. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-दीर्घताक सही परिचय की अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

२८४. निम्न विकल्पमे स्वर-ह्रस्वताक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२८५. मैथिली बोलचालमे अनुनासिकीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२८६. दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) स्वर-संधि
- (B) विभक्ति-वियोग
- (C) पद-क्रम
- (D) कर्ता-लोप

२८७. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे व्यंजन-संधिक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब

२८८. निम्न विकल्पमे सरलीकरणक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

२८९. मैथिली बोलचालमे समानधर्मीकरण सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२९०. कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) विभक्ति
- (B) स्वराघात
- (C) प्रत्यय
- (D) उपसर्ग

२९१. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे ध्वनि-लोपक सही परिचय की अछि?

- (A) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (C) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२९२. निम्न विकल्पमे ध्वनि-आगमक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब

२९३. मैथिली बोलचालमे ध्वनि-दीर्घता सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (B) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (C) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (D) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश

२९४. दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) वाक्य-विस्तार
- (B) ध्वनि-दीर्घता
- (C) अव्यय
- (D) स्वर-ह्रस्वता

२९५. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे अनुनासिकीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (C) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (D) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश

२९६. निम्न विकल्पमे स्वर-संधिक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब

२९७. मैथिली बोलचालमे व्यंजन-संधि सँ की संकेत होइत अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब
- (C) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब
- (D) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश

२९८. कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब केँ भाषाविज्ञानमे की कहल जाइत अछि?

- (A) सरलीकरण
- (B) छन्द-विन्यास
- (C) विशेषण
- (D) विस्तारमात्र

२९९. ध्वनि-विकासक अभ्यासमे समानधर्मीकरणक सही परिचय की अछि?

- (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ
- (B) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल
- (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब
- (D) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब

३००. निम्न विकल्पमे स्वराघातक उपयुक्त परिभाषा चुनू।

- (A) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश
- (B) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब
- (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश
- (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल

आकृति विज्ञान: शब्द-रचना

३०१. आकृति-विज्ञानमे रूपिमक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३०२. जे जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) मूल शब्द
- (B) उपवाक्य
- (C) ध्वनिम
- (D) छन्द

३०३. मैथिली शब्द-रचनामे प्रत्यय कोन काम करैत अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३०४. निम्नमे सँ उपसर्गक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३०५. आकृति-विज्ञानमे परसर्गक अर्थ की अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३०६. जे दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वराघात
- (B) समास
- (C) विराम
- (D) लोप

३०७. मैथिली शब्द-रचनामे व्युत्पत्ति कोन काम करैत अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३०८. निम्नमे सँ रूप-परिवर्तनक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३०९. आकृति-विज्ञानमे पद-रचनाक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३१०. जे जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रियापद
- (B) अव्यय
- (C) विशेषणपद
- (D) संज्ञापद

३११. मैथिली शब्द-रचनामे रूपिम कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३१२. निम्नमे सँ मूल शब्दक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३१३. आकृति-विज्ञानमे प्रत्ययक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३१४. जे शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) उपसर्ग
- (C) प्रत्यय
- (D) स्वर

३१५. मैथिली शब्द-रचनामे परसर्ग कोन काम करैत अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३१६. निम्नमे सँ समासक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३१७. आकृति-विज्ञानमे व्युत्पत्तिक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३१८. जे वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ हो, ओकर नाम की?

- (A) लिपि-मात्र
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कहानी-विस्तार
- (D) रूप-परिवर्तन

३१९. मैथिली शब्द-रचनामे पद-रचना कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३२०. निम्नमे सँ अव्ययक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३२१. आकृति-विज्ञानमे रूपिमक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३२२. जे जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) मूल शब्द
- (B) उपवाक्य
- (C) ध्वनिम
- (D) छन्द

३२३. मैथिली शब्द-रचनामे प्रत्यय कोन काम करैत अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३२४. निम्नमे सँ उपसर्गक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३२५. आकृति-विज्ञानमे परसर्गक अर्थ की अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत

३२६. जे दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वराघात
- (B) समास
- (C) विराम
- (D) लोप

३२७. मैथिली शब्द-रचनामे व्युत्पत्ति कोन काम करैत अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि

३२८. निम्नमे सँ रूप-परिवर्तनक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३२९. आकृति-विज्ञानमे पद-रचनाक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३३०. जे जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रियापद
- (B) अव्यय
- (C) विशेषणपद
- (D) संज्ञापद

३३१. मैथिली शब्द-रचनामे रूपिम कोन काम करैत अछि?

- (A) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (B) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३३२. निम्नमे सँ मूल शब्दक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३३३. आकृति-विज्ञानमे प्रत्ययक अर्थ की अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३३४. जे शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) उपसर्ग
- (C) प्रत्यय
- (D) स्वर

३३५. मैथिली शब्द-रचनामे परसर्ग कोन काम करैत अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३३६. निम्नमे सँ समासक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३३७. आकृति-विज्ञानमे व्युत्पत्तिक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत

३३८. जे वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ हो, ओकर नाम की?

- (A) लिपि-मात्र
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कहानी-विस्तार
- (D) रूप-परिवर्तन

३३९. मैथिली शब्द-रचनामे पद-रचना कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३४०. निम्नमे सँ अव्ययक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ

३४१. आकृति-विज्ञानमे रूपिमक अर्थ की अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३४२. जे जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) मूल शब्द
- (B) उपवाक्य
- (C) ध्वनिम
- (D) छन्द

३४३. मैथिली शब्द-रचनामे प्रत्यय कोन काम करैत अछि?

- (A) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (B) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३४४. निम्नमे सँ उपसर्गक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३४५. आकृति-विज्ञानमे परसर्गक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३४६. जे दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वराघात
- (B) समास
- (C) विराम
- (D) लोप

३४७. मैथिली शब्द-रचनामे व्युत्पत्ति कोन काम करैत अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३४८. निम्नमे सँ रूप-परिवर्तनक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३४९. आकृति-विज्ञानमे पद-रचनाक अर्थ की अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३५०. जे जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रियापद
- (B) अव्यय
- (C) विशेषणपद
- (D) संज्ञापद

३५१. मैथिली शब्द-रचनामे रूपिम कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३५२. निम्नमे सँ मूल शब्दक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३५३. आकृति-विज्ञानमे प्रत्ययक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३५४. जे शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) उपसर्ग
- (C) प्रत्यय
- (D) स्वर

३५५. मैथिली शब्द-रचनामे परसर्ग कोन काम करैत अछि?

- (A) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (D) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ

३५६. निम्नमे सँ समासक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३५७. आकृति-विज्ञानमे व्युत्पत्तिक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३५८. जे वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ हो, ओकर नाम की?

- (A) लिपि-मात्र
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कहानी-विस्तार
- (D) रूप-परिवर्तन

३५९. मैथिली शब्द-रचनामे पद-रचना कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३६०. निम्नमे सँ अव्ययक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ

३६१. आकृति-विज्ञानमे रूपिमक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ

३६२. जे जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) मूल शब्द
- (B) उपवाक्य
- (C) ध्वनिम
- (D) छन्द

३६३. मैथिली शब्द-रचनामे प्रत्यय कोन काम करैत अछि?

- (A) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३६४. निम्नमे सँ उपसर्गक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३६५. आकृति-विज्ञानमे परसर्गक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३६६. जे दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वराघात
- (B) समास
- (C) विराम
- (D) लोप

३६७. मैथिली शब्द-रचनामे व्युत्पत्ति कोन काम करैत अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३६८. निम्नमे सँ रूप-परिवर्तनक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३६९. आकृति-विज्ञानमे पद-रचनाक अर्थ की अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३७०. जे जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रियापद
- (B) अव्यय
- (C) विशेषणपद
- (D) संज्ञापद

३७१. मैथिली शब्द-रचनामे रूपिम कोन काम करैत अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३७२. निम्नमे सँ मूल शब्दक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३७३. आकृति-विज्ञानमे प्रत्ययक अर्थ की अछि?

- (A) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३७४. जे शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) उपसर्ग
- (C) प्रत्यय
- (D) स्वर

३७५. मैथिली शब्द-रचनामे परसर्ग कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (D) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत

३७६. निम्नमे सँ समासक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (B) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (C) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३७७. आकृति-विज्ञानमे व्युत्पत्तिक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३७८. जे वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ हो, ओकर नाम की?

- (A) लिपि-मात्र
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कहानी-विस्तार
- (D) रूप-परिवर्तन

३७९. मैथिली शब्द-रचनामे पद-रचना कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३८०. निम्नमे सँ अव्ययक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३८१. आकृति-विज्ञानमे रूपिमक अर्थ की अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३८२. जे जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) मूल शब्द
- (B) उपवाक्य
- (C) ध्वनिम
- (D) छन्द

३८३. मैथिली शब्द-रचनामे प्रत्यय कोन काम करैत अछि?

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश

३८४. निम्नमे सँ उपसर्गक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ

३८५. आकृति-विज्ञानमे परसर्गक अर्थ की अछि?

- (A) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया

३८६. जे दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वराघात
- (B) समास
- (C) विराम
- (D) लोप

३८७. मैथिली शब्द-रचनामे व्युत्पत्ति कोन काम करैत अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद

३८८. निम्नमे सँ रूप-परिवर्तनक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (D) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि

३८९. आकृति-विज्ञानमे पद-रचनाक अर्थ की अछि?

- (A) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३९०. जे जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रियापद
- (B) अव्यय
- (C) विशेषणपद
- (D) संज्ञापद

३९१. मैथिली शब्द-रचनामे रूपिम कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (C) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

३९२. निम्नमे सँ मूल शब्दक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३९३. आकृति-विज्ञानमे प्रत्ययक अर्थ की अछि?

- (A) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (B) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश
- (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति

३९४. जे शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) उपसर्ग
- (C) प्रत्यय
- (D) स्वर

३९५. मैथिली शब्द-रचनामे परसर्ग कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

३९६. निम्नमे सँ समासक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३९७. आकृति-विज्ञानमे व्युत्पत्तिक अर्थ की अछि?

- (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप
- (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप

३९८. जे वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ हो, ओकर नाम की?

- (A) लिपि-मात्र
- (B) अर्थहीन ध्वनि
- (C) कहानी-विस्तार
- (D) रूप-परिवर्तन

३९९. मैथिली शब्द-रचनामे पद-रचना कोन काम करैत अछि?

- (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति
- (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि
- (C) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप
- (D) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश

४००. निम्नमे सँ अव्ययक शुद्ध परिचय चुनू।

- (A) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद
- (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत
- (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप

संज्ञा, सर्वनाम आ विशेषण

४०१. मैथिली व्याकरणमे संज्ञा की कहल जाइत अछि?

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुके बोध
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) संज्ञाके स्थान पर प्रयुक्त शब्द

४०२. संज्ञाके स्थान पर प्रयुक्त शब्द केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) समास
- (C) विशेषण
- (D) सर्वनाम

४०३. वाक्यमे विशेषणके मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) श्रोता अथवा कर्ताके प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामके विशेषता बतबयवला शब्द

४०४. निम्नमे सँ एकवचनके सही परिभाषा चुनू।

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामके विशेषता बतबयवला शब्द
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४०५. मैथिली व्याकरणमे बहुवचन की कहल जाइत अछि?

- (A) संज्ञाके स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुके बोध
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४०६. अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) अव्यय
- (D) प्रश्नवाचक

४०७. वाक्यमे प्रश्नवाचक सर्वनामके मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामके विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४०८. निम्नमे सँ संकेतवाचक सर्वनामके सही परिभाषा चुनू।

- (A) संज्ञाके स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४०९. मैथिली व्याकरणमे संबन्धवाचक रूप की कहल जाइत अछि?

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४१०. श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) स्वराघात
- (B) अव्यय
- (C) अनुनासिक
- (D) आदर-रूप

४११. वाक्यमे संज्ञाक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४१२. निम्नमे सँ सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४१३. मैथिली व्याकरणमे विशेषण की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

४१४. एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) एकवचन
- (B) बहुवचन
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

४१५. वाक्यमे बहुवचनक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४१६. निम्नमे सँ निजवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४१७. मैथिली व्याकरणमे प्रश्नवाचक सर्वनाम की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४१८. ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) भाववाचक संज्ञा
- (B) विस्मयादिबोधक
- (C) उपसर्ग
- (D) संकेतवाचक सर्वनाम

४१९. वाक्यमे संबन्धवाचक रूपक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध

४२०. निम्नमे सँ आदर-रूपक सही परिभाषा चुनू।

- (A) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४२१. मैथिली व्याकरणमे संज्ञा की कहल जाइत अछि?

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४२२. संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) समास
- (C) विशेषण
- (D) सर्वनाम

४२३. वाक्यमे विशेषणक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४२४. निम्नमे सँ एकवचनक सही परिभाषा चुनू।

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम

४२५. मैथिली व्याकरणमे बहुवचन की कहल जाइत अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम

४२६. अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) अव्यय
- (D) प्रश्नवाचक

४२७. वाक्यमे प्रश्नवाचक सर्वनामक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४२८. निम्नमे सँ संकेतवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४२९. मैथिली व्याकरणमे संबन्धवाचक रूप की कहल जाइत अछि?

- (A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४३०. श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) स्वराघात
- (B) अव्यय
- (C) अनुनासिक
- (D) आदर-रूप

४३१. वाक्यमे संज्ञाक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४३२. निम्नमे सँ सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम

४३३. मैथिली व्याकरणमे विशेषण की कहल जाइत अछि?

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४३४. एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) एकवचन
- (B) बहुवचन
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

४३५. वाक्यमे बहुवचनक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४३६. निम्नमे सँ निजवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४३७. मैथिली व्याकरणमे प्रश्नवाचक सर्वनाम की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध

४३८. ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) भाववाचक संज्ञा
- (B) विस्मयादिबोधक
- (C) उपसर्ग
- (D) संकेतवाचक सर्वनाम

४३९. वाक्यमे संबन्धवाचक रूपक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४४०. निम्नमे सँ आदर-रूपक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४४१. मैथिली व्याकरणमे संज्ञा की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

४४२. संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) समास
- (C) विशेषण
- (D) सर्वनाम

४४३. वाक्यमे विशेषणक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४४४. निम्नमे सँ एकवचनक सही परिभाषा चुनू।

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम

४४५. मैथिली व्याकरणमे बहुवचन की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४४६. अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) अव्यय
- (D) प्रश्नवाचक

४४७. वाक्यमे प्रश्नवाचक सर्वनामक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४४८. निम्नमे सँ संकेतवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (C) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४४९. मैथिली व्याकरणमे संबन्धवाचक रूप की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४५०. श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) स्वराघात
- (B) अव्यय
- (C) अनुनासिक
- (D) आदर-रूप

४५१. वाक्यमे संज्ञाक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४५२. निम्नमे सँ सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४५३. मैथिली व्याकरणमे विशेषण की कहल जाइत अछि?

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४५४. एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) एकवचन
- (B) बहुवचन
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

४५५. वाक्यमे बहुवचनक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४५६. निम्नमे सँ निजवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम

४५७. मैथिली व्याकरणमे प्रश्नवाचक सर्वनाम की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४५८. ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) भाववाचक संज्ञा
- (B) विस्मयादिबोधक
- (C) उपसर्ग
- (D) संकेतवाचक सर्वनाम

४५९. वाक्यमे संबन्धवाचक रूपक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४६०. निम्नमे सँ आदर-रूपक सही परिभाषा चुनू।

- (A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४६१. मैथिली व्याकरणमे संज्ञा की कहल जाइत अछि?

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम

४६२. संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) समास
- (C) विशेषण
- (D) सर्वनाम

४६३. वाक्यमे विशेषणक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४६४. निम्नमे सँ एकवचनक सही परिभाषा चुनू।

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४६५. मैथिली व्याकरणमे बहुवचन की कहल जाइत अछि?

- (A) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुको बोध
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४६६. अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) अव्यय
- (D) प्रश्नवाचक

४६७. वाक्यमे प्रश्नवाचक सर्वनामक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४६८. निम्नमे सँ संकेतवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुको बोध
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४६९. मैथिली व्याकरणमे संबन्धवाचक रूप की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द

४७०. श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) स्वराघात
- (B) अव्यय
- (C) अनुनासिक
- (D) आदर-रूप

४७१. वाक्यमे संज्ञाक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४७२. निम्नमे सँ सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम

४७३. मैथिली व्याकरणमे विशेषण की कहल जाइत अछि?

- (A) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (B) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४७४. एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) एकवचन
- (B) बहुवचन
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

४७५. वाक्यमे बहुवचनक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४७६. निम्नमे सँ निजवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध

४७७. मैथिली व्याकरणमे प्रश्नवाचक सर्वनाम की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (C) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४७८. ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) भाववाचक संज्ञा
- (B) विस्मयादिबोधक
- (C) उपसर्ग
- (D) संकेतवाचक सर्वनाम

४७९. वाक्यमे संबन्धवाचक रूपक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध

४८०. निम्नमे सँ आदर-रूपक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४८१. मैथिली व्याकरणमे संज्ञा की कहल जाइत अछि?

- (A) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (B) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध

४८२. संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रिया
- (B) समास
- (C) विशेषण
- (D) सर्वनाम

४८३. वाक्यमे विशेषणक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४८४. निम्नमे सँ एकवचनक सही परिभाषा चुनू।

- (A) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द

४८५. मैथिली व्याकरणमे बहुवचन की कहल जाइत अछि?

- (A) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

४८६. अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) निजवाचक सर्वनाम
- (C) अव्यय
- (D) प्रश्नवाचक

४८७. वाक्यमे प्रश्नवाचक सर्वनामक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम

४८८. निम्नमे सँ संकेतवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४८९. मैथिली व्याकरणमे संबन्धवाचक रूप की कहल जाइत अछि?

- (A) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (B) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध

४९०. श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) स्वराघात
- (B) अव्यय
- (C) अनुनासिक
- (D) आदर-रूप

४९१. वाक्यमे संज्ञाक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम

४९२. निम्नमे सँ सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४९३. मैथिली व्याकरणमे विशेषण की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द
- (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम

४९४. एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) एकवचन
- (B) बहुवचन
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

४९५. वाक्यमे बहुवचनक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम

४९६. निम्नमे सँ निजवाचक सर्वनामक सही परिभाषा चुनू।

- (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम

४९७. मैथिली व्याकरणमे प्रश्नवाचक सर्वनाम की कहल जाइत अछि?

- (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम
- (B) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम
- (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम
- (D) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप

४९८. ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम केँ कोन नामसँ चिन्हल जाइत अछि?

- (A) भाववाचक संज्ञा
- (B) विस्मयादिबोधक
- (C) उपसर्ग
- (D) संकेतवाचक सर्वनाम

४९९. वाक्यमे संबन्धवाचक रूपक मुख्य भूमिका की अछि?

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

५००. निम्नमे सँ आदर-रूपक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध
- (B) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम
- (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप
- (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप

कारक, विभक्ति आ पदबंध

५०१. वाक्य-रचनामे कर्ता कारकक काम की अछि?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५०२. जे जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) अधिकरण

५०३. मैथिलीमे करण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५०४. निम्नमे सँ सम्प्रदान कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५०५. वाक्य-रचनामे अपादान कारकक काम की अछि?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५०६. जे स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बन्ध कारक
- (C) कर्म
- (D) अपादान

५०७. मैथिलीमे अधिकरण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५०८. निम्नमे सँ सम्बोधनक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद

५०९. वाक्य-रचनामे परसर्गक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि

५१०. जे एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) ध्वनिम
- (C) कथा
- (D) पदबंध

५११. मैथिलीमे कर्ता कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५१२. निम्नमे सँ कर्म कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५१३. वाक्य-रचनामे करण कारकक काम की अछि?

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५१४. जे जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म
- (B) सम्प्रदान कारक
- (C) करण
- (D) सम्बोधन

५१५. मैथिलीमे अपादान कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (D) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक

५१६. निम्नमे सँ सम्बन्ध कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५१७. वाक्य-रचनामे अधिकरण कारकक काम की अछि?

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५१८. जे ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बोधन
- (C) सम्बन्ध
- (D) अपादान

५१९. मैथिलीमे परसर्ग केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५२०. निम्नमे सँ पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५२१. वाक्य-रचनामे कर्ता कारकक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५२२. जे जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) अधिकरण

५२३. मैथिलीमे करण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५२४. निम्नमे सँ सम्प्रदान कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५२५. वाक्य-रचनामे अपादान कारकक काम की अछि?

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५२६. जे स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बन्ध कारक
- (C) कर्म
- (D) अपादान

५२७. मैथिलीमे अधिकरण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (B) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५२८. निम्नमे सँ सम्बोधनक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि

५२९. वाक्य-रचनामे परसर्गक काम की अछि?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५३०. जे एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) ध्वनिम
- (C) कथा
- (D) पदबंध

५३१. मैथिलीमे कर्ता कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद

५३२. निम्नमे सँ कर्म कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५३३. वाक्य-रचनामे करण कारकक काम की अछि?

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५३४. जे जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म
- (B) सम्प्रदान कारक
- (C) करण
- (D) सम्बोधन

५३५. मैथिलीमे अपादान कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५३६. निम्नमे सँ सम्बन्ध कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि

५३७. वाक्य-रचनामे अधिकरण कारकक काम की अछि?

- (A) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद

५३८. जे ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बोधन
- (C) सम्बन्ध
- (D) अपादान

५३९. मैथिलीमे परसर्ग केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५४०. निम्नमे सँ पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५४१. वाक्य-रचनामे कर्ता कारकक काम की अछि?

- (A) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (D) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक

५४२. जे जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) अधिकरण

५४३. मैथिलीमे करण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५४४. निम्नमे सँ सम्प्रदान कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५४५. वाक्य-रचनामे अपादान कारकक काम की अछि?

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५४६. जे स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बन्ध कारक
- (C) कर्म
- (D) अपादान

५४७. मैथिलीमे अधिकरण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५४८. निम्नमे सँ सम्बोधनक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५४९. वाक्य-रचनामे परसर्गक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि

५५०. जे एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) ध्वनिम
- (C) कथा
- (D) पदबंध

५५१. मैथिलीमे कर्ता कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (B) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि

५५२. निम्नमे सँ कर्म कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५५३. वाक्य-रचनामे करण कारकक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५५४. जे जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म
- (B) सम्प्रदान कारक
- (C) करण
- (D) सम्बोधन

५५५. मैथिलीमे अपादान कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (B) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (C) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५५६. निम्नमे सँ सम्बन्ध कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५५७. वाक्य-रचनामे अधिकरण कारकक काम की अछि?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५५८. जे ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बोधन
- (C) सम्बन्ध
- (D) अपादान

५५९. मैथिलीमे परसर्ग केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि

५६०. निम्नमे सँ पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५६१. वाक्य-रचनामे कर्ता कारकक काम की अछि?

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५६२. जे जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) अधिकरण

५६३. मैथिलीमे करण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५६४. निम्नमे सँ सम्प्रदान कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५६५. वाक्य-रचनामे अपादान कारकक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५६६. जे स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बन्ध कारक
- (C) कर्म
- (D) अपादान

५६७. मैथिलीमे अधिकरण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५६८. निम्नमे सँ सम्बोधनक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (D) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक

५६१. वाक्य-रचनामे परसर्गक काम की अछि?

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५७०. जे एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) ध्वनिम
- (C) कथा
- (D) पदबंध

५७१. मैथिलीमे कर्ता कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५७२. निम्नमे सँ कर्म कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५७३. वाक्य-रचनामे करण कारकक काम की अछि?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि

५७४. जे जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म
- (B) सम्प्रदान कारक
- (C) करण
- (D) सम्बोधन

५७५. मैथिलीमे अपादान कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५७६. निम्नमे सँ सम्बन्ध कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५७७. वाक्य-रचनामे अधिकरण कारकक काम की अछि?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५७८. जे ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बोधन
- (C) सम्बन्ध
- (D) अपादान

५७९. मैथिलीमे परसर्ग केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५८०. निम्नमे सँ पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५८१. वाक्य-रचनामे कर्ता कारकक काम की अछि?

- (A) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद

५८२. जे जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) अधिकरण

५८३. मैथिलीमे करण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) जेकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५८४. निम्नमे सँ सम्प्रदान कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (B) जेकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि

५८५. वाक्य-रचनामे अपादान कारकक काम की अछि?

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि
- (C) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५८६. जे स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बन्ध कारक
- (C) कर्म
- (D) अपादान

५८७. मैथिलीमे अधिकरण कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक

५८८. निम्नमे सँ सम्बोधनक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५८९. वाक्य-रचनामे परसर्गक काम की अछि?

- (A) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५९०. जे एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) मात्रा
- (B) ध्वनिम
- (C) कथा
- (D) पदबंध

५९१. मैथिलीमे कर्ता कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (B) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि

५९२. निम्नमे सँ कर्म कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५९३. वाक्य-रचनामे करण कारकक काम की अछि?

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि
- (C) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (D) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक

५९४. जे जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) कर्म
- (B) सम्प्रदान कारक
- (C) करण
- (D) सम्बोधन

५९५. मैथिलीमे अपादान कारक केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (B) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५९६. निम्नमे सँ सम्बन्ध कारकक सही व्याख्या चुनू।

- (A) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

५९७. वाक्य-रचनामे अधिकरण कारकक काम की अछि?

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक
- (C) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि

५९८. जे ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि हो, ओकर कारक अथवा पद-रूप की कहलाइत अछि?

- (A) करण
- (B) सम्बोधन
- (C) सम्बन्ध
- (D) अपादान

५९९. मैथिलीमे परसर्ग केँ कोन आधार पर चिन्हल जाएत?

- (A) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि
- (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाइत अछि
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि

६००. निम्नमे सँ पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि
- (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक
- (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद
- (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह

क्रिया-रूप, काल, पक्ष आ आदर

६०१. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे धातुक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६०२. जे काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) उपसर्ग
- (B) क्रिया
- (C) समास
- (D) सर्वनाम

६०३. वाक्यमे सकर्मक क्रियाक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६०४. निम्नमे सँ अकर्मक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप

६०५. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे वर्तमान कालक अर्थ की अछि?

- (A) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप

६०६. जे बीति गेल घटना अथवा काजक बोध हो, ओकर नाम की?

- (A) वर्तमान काल
- (B) विधिलिंग
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

६०७. वाक्यमे भविष्यत कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६०८. निम्नमे सँ निषेधक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) आगू होएत काजक बोध

६०९. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे आज्ञार्थक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६१०. जे सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) आदर-सूचक क्रिया
- (C) अघोष ध्वनि
- (D) स्वर

६११. वाक्यमे धातुक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६१२. निम्नमे सँ क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६१३. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे सकर्मक क्रियाक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६१४. जे जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सकर्मक क्रिया
- (B) विभक्ति
- (C) उपसर्ग
- (D) अकर्मक क्रिया

६१५. वाक्यमे वर्तमान कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६१६. निम्नमे सँ भूतकालक सही परिभाषा चुनू।

- (A) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (B) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६१७. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे भविष्यत कालक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) आगू होएत काजक बोध

६१८. जे नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) समास
- (C) प्रश्न
- (D) निषेध

६१९. वाक्यमे आज्ञार्थक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६२०. निम्नमे सँ आदर-सूचक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६२१. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे धातुक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६२२. जे काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) उपसर्ग
- (B) क्रिया
- (C) समास
- (D) सर्वनाम

६२३. वाक्यमे सकर्मक क्रियाक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६२४. निम्नमे सँ अकर्मक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) आगू होएत काजक बोध
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप

६२५. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे वर्तमान कालक अर्थ की अछि?

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६२६. जे बीति गेल घटना अथवा काजक बोध हो, ओकर नाम की?

- (A) वर्तमान काल
- (B) विधिलिंग
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

६२७. वाक्यमे भविष्यत कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६२८. निम्नमे सँ निषेधक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (D) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि

६२९. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे आज्ञार्थक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) आगू होएत काजक बोध

६३०. जे सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) आदर-सूचक क्रिया
- (C) अघोष ध्वनि
- (D) स्वर

६३१. वाक्यमे धातुक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६३२. निम्नमे सँ क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६३३. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे सकर्मक क्रियाक अर्थ की अछि?

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६३४. जे जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सकर्मक क्रिया
- (B) विभक्ति
- (C) उपसर्ग
- (D) अकर्मक क्रिया

६३५. वाक्यमे वर्तमान कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६३६. निम्नमे सँ भूतकालक सही परिभाषा चुनू।

- (A) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६३७. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे भविष्यत कालक अर्थ की अछि?

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) आगू होएत काजक बोध

६३८. जे नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) समास
- (C) प्रश्न
- (D) निषेध

६३९. वाक्यमे आज्ञार्थक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६४०. निम्नमे सँ आदर-सूचक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (B) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६४१. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे धातुक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६४२. जे काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) उपसर्ग
- (B) क्रिया
- (C) समास
- (D) सर्वनाम

६४३. वाक्यमे सकर्मक क्रियाक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६४४. निम्नमे सँ अकर्मक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप

६४५. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे वर्तमान कालक अर्थ की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६४६. जे बीति गेल घटना अथवा काजक बोध हो, ओकर नाम की?

- (A) वर्तमान काल
- (B) विधिलिंग
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

६४७. वाक्यमे भविष्यत कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप

६४८. निम्नमे सँ निषेधक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६४९. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे आज्ञार्थक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप

६५०. जे सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) आदर-सूचक क्रिया
- (C) अघोष ध्वनि
- (D) स्वर

६५१. वाक्यमे धातुक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६५२. निम्नमे सँ क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) आगू होएत काजक बोध

६५३. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे सकर्मक क्रियाक अर्थ की अछि?

- (A) आगू होएत काजक बोध
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६५४. जे जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सकर्मक क्रिया
- (B) विभक्ति
- (C) उपसर्ग
- (D) अकर्मक क्रिया

६५५. वाक्यमे वर्तमान कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६५६. निम्नमे सँ भूतकालक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६५७. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे भविष्यत कालक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) आगू होएत काजक बोध

६५८. जे नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) समास
- (C) प्रश्न
- (D) निषेध

६५९. वाक्यमे आज्ञार्थक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६६०. निम्नमे सँ आदर-सूचक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (B) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६६१. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे धातुक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६६२. जे काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) उपसर्ग
- (B) क्रिया
- (C) समास
- (D) सर्वनाम

६६३. वाक्यमे सकर्मक क्रियाक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६६४. निम्नमे सँ अकर्मक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) आगू होएत काजक बोध
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६६५. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे वर्तमान कालक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६६६. जे बीति गेल घटना अथवा काजक बोध हो, ओकर नाम की?

- (A) वर्तमान काल
- (B) विधिलिंग
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

६६७. वाक्यमे भविष्यत कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद

६६८. निम्नमे सँ निषेधक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) आगू होएत काजक बोध

६६९. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे आज्ञार्थक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६७०. जे सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) आदर-सूचक क्रिया
- (C) अघोष ध्वनि
- (D) स्वर

६७१. वाक्यमे धातुक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप

६७२. निम्नमे सँ क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६७३. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे सकर्मक क्रियाक अर्थ की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) आगू होएत काजक बोध

६७४. जे जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सकर्मक क्रिया
- (B) विभक्ति
- (C) उपसर्ग
- (D) अकर्मक क्रिया

६७५. वाक्यमे वर्तमान कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६७६. निम्नमे सँ भूतकालक सही परिभाषा चुनू।

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६७७. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे भविष्यत कालक अर्थ की अछि?

- (A) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) आगू होएत काजक बोध

६७८. जे नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) समास
- (C) प्रश्न
- (D) निषेध

६७९. वाक्यमे आज्ञार्थक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद

६८०. निम्नमे सँ आदर-सूचक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव

६८१. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे धातुक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६८२. जे काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) उपसर्ग
- (B) क्रिया
- (C) समास
- (D) सर्वनाम

६८३. वाक्यमे सकर्मक क्रियाक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि

६८४. निम्नमे सँ अकर्मक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (B) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६८५. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे वर्तमान कालक अर्थ की अछि?

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि

६८६. जे बीति गेल घटना अथवा काजक बोध हो, ओकर नाम की?

- (A) वर्तमान काल
- (B) विधिलिंग
- (C) सम्बोधन
- (D) भूतकाल

६८७. वाक्यमे भविष्यत कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) आगू होएत काजक बोध
- (D) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप

६८८. निम्नमे सँ निषेधक सही परिभाषा चुनू।

- (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (B) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (C) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (D) आगू होएत काजक बोध

६८९. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे आज्ञार्थक अर्थ की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (D) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद

६९०. जे सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप हो, ओकर नाम की?

- (A) लिंग
- (B) आदर-सूचक क्रिया
- (C) अघोष ध्वनि
- (D) स्वर

६९१. वाक्यमे धातुक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (B) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (C) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (D) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद

६९२. निम्नमे सँ क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (B) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप

६९३. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे सकर्मक क्रियाक अर्थ की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) जे क्रियाकेँ कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (D) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप

६९४. जे जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सकर्मक क्रिया
- (B) विभक्ति
- (C) उपसर्ग
- (D) अकर्मक क्रिया

६९५. वाक्यमे वर्तमान कालक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध

६९६. निम्नमे सँ भूतकालक सही परिभाषा चुनू।

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) आगू होएत काजक बोध
- (C) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

६९७. मैथिली क्रिया-प्रणालीमे भविष्यत कालक अर्थ की अछि?

- (A) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (B) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध
- (C) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप
- (D) आगू होएत काजक बोध

६९८. जे नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) समास
- (C) प्रश्न
- (D) निषेध

६९९. वाक्यमे आज्ञार्थक प्रमुख भूमिका की अछि?

- (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप
- (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद
- (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध

७००. निम्नमे सँ आदर-सूचक क्रियाक सही परिभाषा चुनू।

- (A) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध
- (B) जे क्रियाकै कर्मक आवश्यकता होइत अछि
- (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप
- (D) आगू होएत काजक बोध

वाक्य-रचना: पदक्रम आ सम्बन्ध

७०१. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ताक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) संज्ञाकै केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) वाक्यमे पदसभक क्रम

७०२. जे क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) कर्ता
- (C) कर्म
- (D) स्वर

७०३. वाक्यमे क्रियापद केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) संज्ञाकै केन्द्र बना बनल पदसमूह

७०४. निम्नमे सँ पदक्रमक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकै केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७०५. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रमक अर्थ की अछि?

- (A) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७०६. जे संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रिया-पदबंध
- (B) ध्वनि-पदबंध
- (C) विशेषण-पदबंध
- (D) लिपि-पदबंध

७०७. वाक्यमे संज्ञा-पदबंध केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७०८. निम्नमे सँ क्रिया-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह

७०९. मैथिली वाक्य-रचनामे समन्वयक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७१०. जे मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वतंत्र ध्वनि
- (B) कारक
- (C) लिंग
- (D) अधीन उपवाक्य

७११. वाक्यमे कर्ता केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह

७१२. निम्नमे सँ कर्मक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७१३. मैथिली वाक्य-रचनामे क्रियापदक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७१४. जे वाक्यमे पदसभक क्रम हो, ओकर नाम की?

- (A) ध्वनि-स्थान
- (B) गुण
- (C) छन्द
- (D) पदक्रम

७१५. वाक्यमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७१६. निम्नमे सँ विशेषण-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७१७. मैथिली वाक्य-रचनामे संज्ञा-पदबंधक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७१८. जे क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) कारक-सूची
- (B) ध्वनि-वर्ग
- (C) संज्ञा-पदबंध
- (D) क्रिया-पदबंध

७१९. वाक्यमे समन्वय केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७२०. निम्नमे सँ अधीन उपवाक्यक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७२१. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ताक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) वाक्यमे पदसभक क्रम

७२२. जे क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) कर्ता
- (C) कर्म
- (D) स्वर

७२३. वाक्यमे क्रियापद केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद

७२४. निम्नमे सँ पदक्रमक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७२५. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रमक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७२६. जे संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रिया-पदबंध
- (B) ध्वनि-पदबंध
- (C) विशेषण-पदबंध
- (D) लिपि-पदबंध

७२७. वाक्यमे संज्ञा-पदबंध केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७२८. निम्नमे सँ क्रिया-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७२९. मैथिली वाक्य-रचनामे समन्वयक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७३०. जे मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वतंत्र ध्वनि
- (B) कारक
- (C) लिंग
- (D) अधीन उपवाक्य

७३१. वाक्यमे कर्ता कें कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (B) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७३२. निम्नमे सँ कर्मक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७३३. मैथिली वाक्य-रचनामे क्रियापदक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७३४. जे वाक्यमे पदसभक क्रम हो, ओकर नाम की?

- (A) ध्वनि-स्थान
- (B) गुण
- (C) छन्द
- (D) पदक्रम

७३५. वाक्यमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम कें कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७३६. निम्नमे सँ विशेषण-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७३७. मैथिली वाक्य-रचनामे संज्ञा-पदबंधक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद

७३८. जे क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) कारक-सूची
- (B) ध्वनि-वर्ग
- (C) संज्ञा-पदबंध
- (D) क्रिया-पदबंध

७३९. वाक्यमे समन्वय कें कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद

७४०. निम्नमे सँ अधीन उपवाक्यक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७४१. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ताक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७४२. जे क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) कर्ता
- (C) कर्म
- (D) स्वर

७४३. वाक्यमे क्रियापद कें कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७४४. निम्नमे सँ पदक्रमक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७४५. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रमक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७४६. जे संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रिया-पदबंध
- (B) ध्वनि-पदबंध
- (C) विशेषण-पदबंध
- (D) लिपि-पदबंध

७४७. वाक्यमे संज्ञा-पदबंध केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७४८. निम्नमे सँ क्रिया-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७४९. मैथिली वाक्य-रचनामे समन्वयक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७५०. जे मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वतंत्र ध्वनि
- (B) कारक
- (C) लिंग
- (D) अधीन उपवाक्य

७५१. वाक्यमे कर्ता केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) वाक्यमे पदसभक क्रम

७५२. निम्नमे सँ कर्मक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७५३. मैथिली वाक्य-रचनामे क्रियापदक अर्थ की अछि?

- (A) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७५४. जे वाक्यमे पदसभक क्रम हो, ओकर नाम की?

- (A) ध्वनि-स्थान
- (B) गुण
- (C) छन्द
- (D) पदक्रम

७५५. वाक्यमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७५६. निम्नमे सँ विशेषण-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (B) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७५७. मैथिली वाक्य-रचनामे संज्ञा-पदबंधक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७५८. जे क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) कारक-सूची
- (B) ध्वनि-वर्ग
- (C) संज्ञा-पदबंध
- (D) क्रिया-पदबंध

७५९. वाक्यमे समन्वय केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७६०. निम्नमे सँ अधीन उपवाक्यक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७६१. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ताक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७६२. जे क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) कर्ता
- (C) कर्म
- (D) स्वर

७६३. वाक्यमे क्रियापद केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७६४. निम्नमे सँ पदक्रमक सही व्याख्या चुनू।

- (A) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७६५. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रमक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) वाक्यमे पदसभक क्रम

७६६. जे संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रिया-पदबंध
- (B) ध्वनि-पदबंध
- (C) विशेषण-पदबंध
- (D) लिपि-पदबंध

७६७. वाक्यमे संज्ञा-पदबंध केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) वाक्यमे पदसभक क्रम

७६८. निम्नमे सँ क्रिया-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७६९. मैथिली वाक्य-रचनामे समन्वयक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (B) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७७०. जे मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वतंत्र ध्वनि
- (B) कारक
- (C) लिंग
- (D) अधीन उपवाक्य

७७१. वाक्यमे कर्ता केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (B) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७७२. निम्नमे सँ कर्मक सही व्याख्या चुनू।

- (A) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७७३. मैथिली वाक्य-रचनामे क्रियापदक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७७४. जे वाक्यमे पदसभक क्रम हो, ओकर नाम की?

- (A) ध्वनि-स्थान
- (B) गुण
- (C) छन्द
- (D) पदक्रम

७७५. वाक्यमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७७६. निम्नमे सँ विशेषण-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७७७. मैथिली वाक्य-रचनामे संज्ञा-पदबंधक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (C) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (D) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद

७७८. जे क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) कारक-सूची
- (B) ध्वनि-वर्ग
- (C) संज्ञा-पदबंध
- (D) क्रिया-पदबंध

७७९. वाक्यमे समन्वय केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (D) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद

७८०. निम्नमे सँ अधीन उपवाक्यक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७८१. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ताक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (B) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह

७८२. जे क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद हो, ओकर नाम की?

- (A) विशेषण
- (B) कर्ता
- (C) कर्म
- (D) स्वर

७८३. वाक्यमे क्रियापद केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७८४. निम्नमे सँ पदक्रमक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद

७८५. मैथिली वाक्य-रचनामे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रमक अर्थ की अछि?

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (D) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद

७८६. जे संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) क्रिया-पदबंध
- (B) ध्वनि-पदबंध
- (C) विशेषण-पदबंध
- (D) लिपि-पदबंध

७८७. वाक्यमे संज्ञा-पदबंध केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (B) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह

७८८. निम्नमे सँ क्रिया-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (D) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह

७८९. मैथिली वाक्य-रचनामे समन्वयक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (C) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७९०. जे मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य हो, ओकर नाम की?

- (A) स्वतंत्र ध्वनि
- (B) कारक
- (C) लिंग
- (D) अधीन उपवाक्य

७९१. वाक्यमे कर्ता केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

७९२. निम्नमे सँ कर्मक सही व्याख्या चुनू।

- (A) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद
- (C) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप
- (D) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद

७९३. मैथिली वाक्य-रचनामे क्रियापदक अर्थ की अछि?

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

७९४. जे वाक्यमे पदसभक क्रम हो, ओकर नाम की?

- (A) ध्वनि-स्थान
- (B) गुण
- (C) छन्द
- (D) पदक्रम

७९५. वाक्यमे कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (B) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप

७९६. निम्नमे सँ विशेषण-पदबंधक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) वाक्यमे पदसभक क्रम
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह

७९७. मैथिली वाक्य-रचनामे संज्ञा-पदबंधक अर्थ की अछि?

- (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (C) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद
- (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़

७९८. जे क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह हो, ओकर नाम की?

- (A) कारक-सूची
- (B) ध्वनि-वर्ग
- (C) संज्ञा-पदबंध
- (D) क्रिया-पदबंध

७९९. वाक्यमे समन्वय केँ कोन रूपमे चिन्हल जाइत अछि?

- (A) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़
- (C) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद

८००. निम्नमे सँ अधीन उपवाक्यक सही व्याख्या चुनू।

- (A) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (B) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह
- (C) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह
- (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य

प्रश्न, नकार, उपवाक्य आ जोर

८०१. वाक्य-अध्ययनमे प्रश्नवाचक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (D) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि

८०२. जे जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) प्रश्नवाचक
- (C) आज्ञार्थ
- (D) निषेध वाक्य

८०३. मैथिली वाक्यमे विधान वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि

८०४. निम्नमे सँ आज्ञार्थ वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८०५. वाक्य-अध्ययनमे विस्मयादिबोधक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८०६. जे जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) अधीन उपवाक्य
- (B) मात्रा
- (C) ध्वनिम
- (D) मुख्य वाक्य

८०७. मैथिली वाक्यमे कारण उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८०८. निम्नमे सँ फल उपवाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि

८०९. वाक्य-अध्ययनमे सम्बन्ध उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८१०. जे जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) धातु
- (B) अव्यय-रहित पद
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) जोर-सूचक पद

८११. मैथिली वाक्यमे प्रश्नवाचक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८१२. निम्नमे सँ निषेध वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८१३. वाक्य-अध्ययनमे विधान वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८१४. जे जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) आज्ञार्थ वाक्य
- (B) प्रश्न
- (C) विधान
- (D) सम्बन्ध

८१५. मैथिली वाक्यमे विस्मयादिबोधक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि

८१६. निम्नमे सँ मुख्य वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८१७. वाक्य-अध्ययनमे कारण उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८१८. जे जे काजक परिणाम बतबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) विभक्ति
- (B) संज्ञा
- (C) फल उपवाक्य
- (D) कारण उपवाक्य

८१९. मैथिली वाक्यमे सम्बन्ध उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि

८२०. निम्नमे सँ जोर-सूचक पदक सही परिचय चुनू।

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८२१. वाक्य-अध्ययनमे प्रश्नवाचक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८२२. जे जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) प्रश्नवाचक
- (C) आज्ञार्थ
- (D) निषेध वाक्य

८२३. मैथिली वाक्यमे विधान वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८२४. निम्नमे सँ आज्ञार्थ वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८२५. वाक्य-अध्ययनमे विस्मयादिबोधक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (D) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि

८२६. जे जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) अधीन उपवाक्य
- (B) मात्रा
- (C) ध्वनिम
- (D) मुख्य वाक्य

८२७. मैथिली वाक्यमे कारण उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८२८. निम्नमे सँ फल उपवाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८२९. वाक्य-अध्ययनमे सम्बन्ध उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (D) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि

८३०. जे जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) धातु
- (B) अव्यय-रहित पद
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) जोर-सूचक पद

८३१. मैथिली वाक्यमे प्रश्नवाचक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८३२. निम्नमे सँ निषेध वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८३३. वाक्य-अध्ययनमे विधान वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि

८३४. जे जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) आज्ञार्थ वाक्य
- (B) प्रश्न
- (C) विधान
- (D) सम्बन्ध

८३५. मैथिली वाक्यमे विस्मयादिबोधक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८३६. निम्नमे सँ मुख्य वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८३७. वाक्य-अध्ययनमे कारण उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि

८३८. जे जे काजक परिणाम बतबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) विभक्ति
- (B) संज्ञा
- (C) फल उपवाक्य
- (D) कारण उपवाक्य

८३९. मैथिली वाक्यमे सम्बन्ध उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८४०. निम्नमे सँ जोर-सूचक पदक सही परिचय चुनू।

- (A) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे काजक परिणाम बतबैत अछि

८४१. वाक्य-अध्ययनमे प्रश्नवाचक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८४२. जे जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) प्रश्नवाचक
- (C) आज्ञार्थ
- (D) निषेध वाक्य

८४३. मैथिली वाक्यमे विधान वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे काजक परिणाम बतबैत अछि

८४४. निम्नमे सँ आज्ञार्थ वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८४५. वाक्य-अध्ययनमे विस्मयादिबोधक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८४६. जे जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) अधीन उपवाक्य
- (B) मात्रा
- (C) ध्वनिम
- (D) मुख्य वाक्य

८४७. मैथिली वाक्यमे कारण उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८४८. निम्नमे सँ फल उपवाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८४९. वाक्य-अध्ययनमे सम्बन्ध उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८५०. जे जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) धातु
- (B) अव्यय-रहित पद
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) जोर-सूचक पद

८५१. मैथिली वाक्यमे प्रश्नवाचक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८५२. निम्नमे सँ निषेध वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८५३. वाक्य-अध्ययनमे विधान वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि

८५४. जे जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) आज्ञार्थ वाक्य
- (B) प्रश्न
- (C) विधान
- (D) सम्बन्ध

८५५. मैथिली वाक्यमे विस्मयादिबोधक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८५६. निम्नमे सँ मुख्य वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८५७. वाक्य-अध्ययनमे कारण उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८५८. जे जे काजक परिणाम बतबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) विभक्ति
- (B) संज्ञा
- (C) फल उपवाक्य
- (D) कारण उपवाक्य

८५९. मैथिली वाक्यमे सम्बन्ध उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८६०. निम्नमे सँ जोर-सूचक पदक सही परिचय चुनू।

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८६१. वाक्य-अध्ययनमे प्रश्नवाचक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (C) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८६२. जे जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) प्रश्नवाचक
- (C) आज्ञार्थ
- (D) निषेध वाक्य

८६३. मैथिली वाक्यमे विधान वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८६४. निम्नमे सँ आज्ञार्थ वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८६५. वाक्य-अध्ययनमे विस्मयादिबोधक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८६६. जे जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) अधीन उपवाक्य
- (B) मात्रा
- (C) ध्वनिम
- (D) मुख्य वाक्य

८६७. मैथिली वाक्यमे कारण उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८६८. निम्नमे सँ फल उपवाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८६९. वाक्य-अध्ययनमे सम्बन्ध उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८७०. जे जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) धातु
- (B) अव्यय-रहित पद
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) जोर-सूचक पद

८७१. मैथिली वाक्यमे प्रश्नवाचक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८७२. निम्नमे सँ निषेध वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८७३. वाक्य-अध्ययनमे विधान वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८७४. जे जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) आज्ञार्थ वाक्य
- (B) प्रश्न
- (C) विधान
- (D) सम्बन्ध

८७५. मैथिली वाक्यमे विस्मयादिबोधक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८७६. निम्नमे सँ मुख्य वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८७७. वाक्य-अध्ययनमे कारण उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८७८. जे जे काजक परिणाम बतबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) विभक्ति
- (B) संज्ञा
- (C) फल उपवाक्य
- (D) कारण उपवाक्य

८७९. मैथिली वाक्यमे सम्बन्ध उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (D) जे काजक परिणाम बतबैत अछि

८८०. निम्नमे सँ जोर-सूचक पदक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८८१. वाक्य-अध्ययनमे प्रश्नवाचक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८८२. जे जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) सम्बोधन
- (B) प्रश्नवाचक
- (C) आज्ञार्थ
- (D) निषेध वाक्य

८८३. मैथिली वाक्यमे विधान वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८८४. निम्नमे सँ आज्ञार्थ वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

८८५. वाक्य-अध्ययनमे विस्मयादिबोधक वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (C) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (D) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि

८८६. जे जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) अधीन उपवाक्य
- (B) मात्रा
- (C) ध्वनिम
- (D) मुख्य वाक्य

८८७. मैथिली वाक्यमे कारण उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे काजक कारण बतबैत अछि

८८८. निम्नमे सँ फल उपवाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८८९. वाक्य-अध्ययनमे सम्बन्ध उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८९०. जे जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) धातु
- (B) अव्यय-रहित पद
- (C) ध्वनि-लोप
- (D) जोर-सूचक पद

८९१. मैथिली वाक्यमे प्रश्नवाचक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (C) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८९२. निम्नमे सँ निषेध वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (B) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८९३. वाक्य-अध्ययनमे विधान वाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (C) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि
- (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि

८९४. जे जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) आज्ञार्थ वाक्य
- (B) प्रश्न
- (C) विधान
- (D) सम्बन्ध

८९५. मैथिली वाक्यमे विस्मयादिबोधक वाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८९६. निम्नमे सँ मुख्य वाक्यक सही परिचय चुनू।

- (A) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (B) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (C) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि
- (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि

८९७. वाक्य-अध्ययनमे कारण उपवाक्य की कहल जाइत अछि?

- (A) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

८९८. जे जे काजक परिणाम बतबैत अछि हो, ओकर नाम की?

- (A) विभक्ति
- (B) संज्ञा
- (C) फल उपवाक्य
- (D) कारण उपवाक्य

८९९. मैथिली वाक्यमे सम्बन्ध उपवाक्यक मुख्य काम की अछि?

- (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि
- (B) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि
- (C) जे काजक कारण बतबैत अछि
- (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि

९००. निम्नमे सँ जोर-सूचक पदक सही परिचय चुनू।

- (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि
- (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि
- (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि
- (D) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि

समेकित अभ्यास आ परीक्षा-दृष्टि

९०१. वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) केवल कर्म
- (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९०२. 'ओ नहि आबि रहल अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) समास
- (C) सम्बोधन
- (D) निषेध वाक्य

९०३. देल वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) प्रश्नवाचक वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९०४. मैथिली वाक्य 'ई नीक पोथी अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) कारण उपवाक्य
- (B) स्वर-संधि
- (C) निषेधक प्रयोग
- (D) विशेषणक प्रयोग

९०५. वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निजवाचक सम्बन्ध
- (B) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (C) समास
- (D) ध्वनि-लोप

९०६. 'गाममे सभ जुटल।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) सम्बोधन
- (D) अपादान

९०७. देल वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) सम्बोधन
- (B) कर्ता कारक
- (C) करण कारक
- (D) अव्यय

९०८. मैथिली वाक्य 'सीता रामकँ फल देलक।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) नकार
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अधिकरण
- (D) अपादान

९०९. वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) निषेध
- (C) ध्वनि-विज्ञान
- (D) सम्बन्ध कारक

९१०. 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) सम्बोधन
- (B) शर्तीय वाक्य
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) अघोष ध्वनि

९११. देल वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) केवल कर्म
- (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (C) निषेध वाक्य
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९१२. मैथिली वाक्य 'ओ नहि आबि रहल अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) सम्बोधन
- (C) समास
- (D) निषेध वाक्य

९१३. वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) निषेध वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९१४. 'ई नीक पोथी अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) निषेधक प्रयोग
- (B) कारण उपवाक्य
- (C) स्वर-संधि
- (D) विशेषणक प्रयोग

९१५. देल वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-लोप
- (B) निजवाचक सम्बन्ध
- (C) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (D) समास

९१६. मैथिली वाक्य 'गाममे सभ जुटल।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) अपादान
- (D) सम्बोधन

९१७. वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) अव्यय
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) करण कारक

९१८. 'सीता रामकेँ फल देलक।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अपादान
- (D) नकार

९१९. देल वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञान
- (B) निषेध
- (C) कर्म कारक
- (D) सम्बन्ध कारक

९२०. मैथिली वाक्य 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) सम्बोधन
- (B) अघोष ध्वनि
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) शर्तीय वाक्य

९२१. वाक्य 'हम किताब पढ़ते हैं।' में प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) केवल कर्म
- (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९२२. 'ओ नहि आबि रहल अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) समास
- (C) सम्बोधन
- (D) निषेध वाक्य

९२३. देल वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) प्रश्नवाचक वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९२४. मैथिली वाक्य 'ई नीक पोथी अछि।' में कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) कारण उपवाक्य
- (B) स्वर-संधि
- (C) निषेधक प्रयोग
- (D) विशेषणक प्रयोग

९२५. वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' में प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निजवाचक सम्बन्ध
- (B) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (C) समास
- (D) ध्वनि-लोप

९२६. 'गाममे सभ जुटल।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) सम्बोधन
- (D) अपादान

९२७. देल वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) सम्बोधन
- (B) कर्ता कारक
- (C) करण कारक
- (D) अव्यय

९२८. मैथिली वाक्य 'सीता रामकेँ फल देलक।' में कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) नकार
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अधिकरण
- (D) अपादान

९२९. वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) निषेध
- (C) ध्वनि-विज्ञान
- (D) सम्बन्ध कारक

९३०. 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) सम्बोधन
- (B) शर्तीय वाक्य
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) अघोष ध्वनि

९३१. देल वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) केवल कर्म
- (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (C) निषेध वाक्य
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९३२. मैथिली वाक्य 'ओ नहि आबि रहल अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) सम्बोधन
- (C) समास
- (D) निषेध वाक्य

९३३. वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) निषेध वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९३४. 'ई नीक पोथी अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) निषेधक प्रयोग
- (B) कारण उपवाक्य
- (C) स्वर-संधि
- (D) विशेषणक प्रयोग

९३५. देल वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-लोप
- (B) निजवाचक सम्बन्ध
- (C) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (D) समास

९३६. मैथिली वाक्य 'गाममे सभ जुटल।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) अपादान
- (D) सम्बोधन

९३७. वाक्य 'बालक कलमसें लिखैत अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) अव्यय
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) करण कारक

९३८. 'सीता रामकेँ फल देलक।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अपादान
- (D) नकार

९३९. देल वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञान
- (B) निषेध
- (C) कर्म कारक
- (D) सम्बन्ध कारक

९४०. मैथिली वाक्य 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) सम्बोधन
- (B) अघोष ध्वनि
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) शर्तीय वाक्य

९४१. वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) केवल कर्म
- (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९४२. 'ओ नहि आबि रहल अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) समास
- (C) सम्बोधन
- (D) निषेध वाक्य

९४३. देल वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) प्रश्नवाचक वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९४४. मैथिली वाक्य 'ई नीक पोथी अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) कारण उपवाक्य
- (B) स्वर-संधि
- (C) निषेधक प्रयोग
- (D) विशेषणक प्रयोग

९४५. वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निजवाचक सम्बन्ध
- (B) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (C) समास
- (D) ध्वनि-लोप

९४६. 'गाममे सभ जुटल।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) सम्बोधन
- (D) अपादान

९४७. देल वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) सम्बोधन
- (B) कर्ता कारक
- (C) करण कारक
- (D) अव्यय

९४८. मैथिली वाक्य 'सीता रामकँ फल देलक।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) नकार
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अधिकरण
- (D) अपादान

९४९. वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) निषेध
- (C) ध्वनि-विज्ञान
- (D) सम्बन्ध कारक

९५०. 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) सम्बोधन
- (B) शर्तीय वाक्य
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) अघोष ध्वनि

९५१. देल वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) केवल कर्म
- (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (C) निषेध वाक्य
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९५२. मैथिली वाक्य 'ओ नहि आबि रहल अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) सम्बोधन
- (C) समास
- (D) निषेध वाक्य

९५३. वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) निषेध वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९५४. 'ई नीक पोथी अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) निषेधक प्रयोग
- (B) कारण उपवाक्य
- (C) स्वर-संधि
- (D) विशेषणक प्रयोग

९५५. देल वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-लोप
- (B) निजवाचक सम्बन्ध
- (C) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (D) समास

९५६. मैथिली वाक्य 'गाममे सभ जुटल।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) अपादान
- (D) सम्बोधन

९५७. वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) अव्यय
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) करण कारक

९५८. 'सीता रामकेँ फल देलक।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अपादान
- (D) नकार

९५९. देल वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञान
- (B) निषेध
- (C) कर्म कारक
- (D) सम्बन्ध कारक

९६०. मैथिली वाक्य 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) सम्बोधन
- (B) अघोष ध्वनि
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) शर्तीय वाक्य

९६१. वाक्य 'हम किताब पढ़ते हैं।' में प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) केवल कर्म
- (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९६२. 'ओ नहि आवि रहल अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) समास
- (C) सम्बोधन
- (D) निषेध वाक्य

९६३. देल वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) प्रश्नवाचक वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९६४. मैथिली वाक्य 'ई नीक पोथी अछि।' में कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) कारण उपवाक्य
- (B) स्वर-संधि
- (C) निषेधक प्रयोग
- (D) विशेषणक प्रयोग

९६५. वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' में प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निजवाचक सम्बन्ध
- (B) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (C) समास
- (D) ध्वनि-लोप

९६६. 'गाममे सभ जुटल।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) सम्बोधन
- (D) अपादान

९६७. देल वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) सम्बोधन
- (B) कर्ता कारक
- (C) करण कारक
- (D) अव्यय

९६८. मैथिली वाक्य 'सीता रामकेँ फल देलक।' में कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) नकार
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अधिकरण
- (D) अपादान

९६९. वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) निषेध
- (C) ध्वनि-विज्ञान
- (D) सम्बन्ध कारक

९७०. 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) सम्बोधन
- (B) शर्तीय वाक्य
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) अघोष ध्वनि

९७१. देल वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) केवल कर्म
- (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (C) निषेध वाक्य
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९७२. मैथिली वाक्य 'ओ नहि आबि रहल अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) सम्बोधन
- (C) समास
- (D) निषेध वाक्य

९७३. वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) निषेध वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९७४. 'ई नीक पोथी अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) निषेधक प्रयोग
- (B) कारण उपवाक्य
- (C) स्वर-संधि
- (D) विशेषणक प्रयोग

९७५. देल वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-लोप
- (B) निजवाचक सम्बन्ध
- (C) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (D) समास

९७६. मैथिली वाक्य 'गाममे सभ जुटल।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) अपादान
- (D) सम्बोधन

९७७. वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) अव्यय
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) करण कारक

९७८. 'सीता रामकेँ फल देलक।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अपादान
- (D) नकार

९७९. देल वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञान
- (B) निषेध
- (C) कर्म कारक
- (D) सम्बन्ध कारक

९८०. मैथिली वाक्य 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) सम्बोधन
- (B) अघोष ध्वनि
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) शर्तीय वाक्य

९८१. वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) केवल कर्म
- (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९८२. 'ओ नहि आबि रहल अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) समास
- (C) सम्बोधन
- (D) निषेध वाक्य

९८३. देल वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) निषेध वाक्य
- (B) प्रश्नवाचक वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९८४. मैथिली वाक्य 'ई नीक पोथी अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) कारण उपवाक्य
- (B) स्वर-संधि
- (C) निषेधक प्रयोग
- (D) विशेषणक प्रयोग

९८५. वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) निजवाचक सम्बन्ध
- (B) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (C) समास
- (D) ध्वनि-लोप

९८६. 'गाममे सभ जुटल।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) सम्बोधन
- (D) अपादान

९८७. देल वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) सम्बोधन
- (B) कर्ता कारक
- (C) करण कारक
- (D) अव्यय

९८८. मैथिली वाक्य 'सीता रामकँ फल देलक।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) नकार
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अधिकरण
- (D) अपादान

९८९. वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) कर्म कारक
- (B) निषेध
- (C) ध्वनि-विज्ञान
- (D) सम्बन्ध कारक

९९०. 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) सम्बोधन
- (B) शर्तीय वाक्य
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) अघोष ध्वनि

९९१. देल वाक्य 'हम किताब पढ़ैत छी।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) केवल कर्म
- (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम
- (C) निषेध वाक्य
- (D) क्रिया-कर्ता-कर्म क्रम

९९२. मैथिली वाक्य 'ओ नहि आबि रहल अछि।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) सम्बोधन
- (C) समास
- (D) निषेध वाक्य

९९३. वाक्य 'अहाँ कतय जाइत छी?' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) प्रश्नवाचक वाक्य
- (B) निषेध वाक्य
- (C) विधान वाक्य
- (D) आज्ञार्थ वाक्य

९९४. 'ई नीक पोथी अछि।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) निषेधक प्रयोग
- (B) कारण उपवाक्य
- (C) स्वर-संधि
- (D) विशेषणक प्रयोग

९९५. देल वाक्य 'ओ अपन घर गेल।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-लोप
- (B) निजवाचक सम्बन्ध
- (C) प्रश्नवाचक सम्बन्ध
- (D) समास

९९६. मैथिली वाक्य 'गाममे सभ जुटल।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) अधिकरणक संकेत
- (B) करण
- (C) अपादान
- (D) सम्बोधन

९९७. वाक्य 'बालक कलमसँ लिखैत अछि।' मे प्रमुख भाषिक विशेषता की अछि?

- (A) अव्यय
- (B) सम्बोधन
- (C) कर्ता कारक
- (D) करण कारक

९९८. 'सीता रामकेँ फल देलक।'क विश्लेषण लेल उपयुक्त उत्तर चुनू।

- (A) अधिकरण
- (B) सम्प्रदानक संकेत
- (C) अपादान
- (D) नकार

९९९. देल वाक्य 'एहि घरक दुआर पैघ अछि।' कोन नियम अथवा प्रयोग देखबैत अछि?

- (A) ध्वनि-विज्ञान
- (B) निषेध
- (C) कर्म कारक
- (D) सम्बन्ध कारक

१०००. मैथिली वाक्य 'जँ बरखा होएत तँ खेत हरियर होएत।' मे कतेक मुख्य बिंदु चिन्हब?

- (A) सम्बोधन
- (B) अघोष ध्वनि
- (C) केवल संज्ञा-पद
- (D) शर्तीय वाक्य

१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — एहि कारणेँ ध्वनिम भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२. (A) स्वन — उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि केँ स्वन कहल जाइत अछि।
३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — अक्षरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
४. (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
५. (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — एहि कारणेँ पद भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
६. (C) वाक्य — पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह केँ वाक्य कहल जाइत अछि।
७. (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — स्वरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
८. (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — एहि कारणेँ मात्रा भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
१०. (B) अनुनासिक — नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप केँ अनुनासिक कहल जाइत अछि।
११. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — ध्वनिमक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
१२. (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
१३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — एहि कारणेँ अक्षर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
१४. (A) शब्द — अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह केँ शब्द कहल जाइत अछि।
१५. (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — पदक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
१६. (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
१७. (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — एहि कारणेँ स्वर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
१८. (D) व्यंजन — जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि केँ व्यंजन कहल जाइत अछि।
१९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — मात्राक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
२०. (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
२१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — एहि कारणेँ ध्वनिम भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२२. (A) स्वन — उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि केँ स्वन कहल जाइत अछि।
२३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — अक्षरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
२४. (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
२५. (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — एहि कारणेँ पद भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
२६. (C) वाक्य — पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह केँ वाक्य कहल जाइत अछि।
२७. (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — स्वरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
२८. (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
२९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — एहि कारणेँ मात्रा भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
३०. (B) अनुनासिक — नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप केँ अनुनासिक कहल जाइत अछि।
३१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — ध्वनिमक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
३२. (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
३३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — एहि कारणेँ अक्षर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
३४. (A) शब्द — अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह केँ शब्द कहल जाइत अछि।

- 369

७१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — ध्वनिमक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
७२. (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
७३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — एहि कारणेँ अक्षर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
७४. (A) शब्द — अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह केँ शब्द कहल जाइत अछि।
७५. (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — पदक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
७६. (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
७७. (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — एहि कारणेँ स्वर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
७८. (D) व्यंजन — जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि केँ व्यंजन कहल जाइत अछि।
७९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — मात्राक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
८०. (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
८१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — एहि कारणेँ ध्वनिम भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
८२. (A) स्वन — उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि केँ स्वन कहल जाइत अछि।
८३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — अक्षरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
८४. (A) अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
८५. (C) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — एहि कारणेँ पद भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
८६. (C) वाक्य — पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह केँ वाक्य कहल जाइत अछि।
८७. (D) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — स्वरक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
८८. (C) जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
८९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — एहि कारणेँ मात्रा भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
९०. (B) अनुनासिक — नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप केँ अनुनासिक कहल जाइत अछि।
९१. (A) ध्वनि-क छोट अर्थभेदक एकाइ — ध्वनिमक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
९२. (C) उच्चारणमे सुनाइ पड़यवला वास्तविक ध्वनि — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
९३. (D) लेखनमे ध्वनि लिखबाक चिन्ह — एहि कारणेँ अक्षर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
९४. (A) शब्द — अर्थबोध करयवला ध्वनि-समूह केँ शब्द कहल जाइत अछि।
९५. (D) वाक्यमे सम्बन्ध सहित प्रयुक्त शब्द — पदक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
९६. (A) पूर्ण भाव जनबयवला पद-समूह — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
९७. (A) जे ध्वनि स्वतंत्र उच्चरित होइत अछि — एहि कारणेँ स्वर भाषिक संरचनाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि।
९८. (D) व्यंजन — जे ध्वनि स्वरक सहायतासँ उच्चरित होइत अछि केँ व्यंजन कहल जाइत अछि।
९९. (C) स्वर-ध्वनिक काल अथवा रूप-चिह्न — मात्राक पहचानसँ ध्वनि, शब्द आ वाक्यक सम्बन्ध स्पष्ट होइत अछि।
१००. (A) नाकक सहभासँ उच्चरित ध्वनि-स्वरूप — एहि उत्तरसँ भाषाक सूक्ष्म एकाइक पहचान होइत अछि।
१०१. (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — कण्ठक ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१०२. (C) तालव्य ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१०३. (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१०४. (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि — दन्त्य ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ जुड़ल जाइत अछि।
१०५. (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — ओष्ठक ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१०६. (C) नासिक्य ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।

१७९. (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१८०. (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि — अल्पप्राण ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
१८१. (C) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — कण्ठ्य ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१८२. (C) तालव्य ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१८३. (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१८४. (A) दाँतक समीप जिह्वा लगाकऽ उच्चरित ध्वनि — दन्त्य ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
१८५. (D) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — ओष्ठ्य ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१८६. (C) नासिक्य ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१८७. (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१८८. (B) स्वरतंत्रीक स्पष्ट कम्पन बिना उच्चरित ध्वनि — अघोष ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
१८९. (C) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि — महाप्राण ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१९०. (B) अल्पप्राण ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१९१. (B) कण्ठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१९२. (D) जिह्वा तालुसँ लागि उच्चरित ध्वनि — तालव्य ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
१९३. (B) जिह्वाक अग्र भाग मूर्धा दिस उठि उच्चरित ध्वनि — मूर्धन्य ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१९४. (D) दन्त्य ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१९५. (A) ओठक सहायतासँ उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
१९६. (C) नाकक मार्गसँ गूँजि उठयवला ध्वनि — नासिक्य ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
१९७. (A) स्वरतंत्रीक कम्पन सहित उच्चरित ध्वनि — घोष ध्वनिक वर्गीकरण उच्चारण-स्थान आ उच्चारण-प्रयाससँ जुड़ल अछि।
१९८. (D) अघोष ध्वनि — एहि प्रकारक पहचान ध्वनि विज्ञानक मूल अभ्यास अछि।
१९९. (B) अधिक श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि — उच्चारणक स्थान, श्वास-बल आ स्वरतंत्रीक भूमिका ध्वनि-भेद बनबैत अछि।
२००. (B) कम श्वास-बलसँ उच्चरित ध्वनि — अल्पप्राण ध्वनिक अर्थ उच्चारण-प्रक्रियासँ बुझल जाइत अछि।
२०१. (A) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब — ध्वनि-लोप भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२०२. (B) ध्वनि-आगम — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२०३. (C) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२०४. (D) दीर्घ स्वरक छोट उच्चारण-रूप बनब — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२०५. (C) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश — अनुनासिकीकरण भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२०६. (A) स्वर-संधि — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२०७. (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२०८. (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२०९. (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब — समानधर्मीकरण भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२१०. (B) स्वराघात — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२११. (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२१२. (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२१३. (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब — ध्वनि-दीर्घता भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२१४. (D) स्वर-ह्रस्वता — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।

- 374

२८७. (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२८८. (C) कठिन ध्वनि-समूहक सरल उच्चारण बनब — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२८९. (A) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब — समानधर्मीकरण भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२९०. (B) स्वराघात — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२९१. (B) किछु प्रसंगमे ध्वनिक हटि जाएब — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२९२. (C) उच्चारण-सहजता लेल अतिरिक्त ध्वनिक प्रवेश — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२९३. (A) स्वरक उच्चारण-काल बढ़ि जाएब — ध्वनि-दीर्घता भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२९४. (D) स्वर-ह्रस्वता — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२९५. (B) स्वरमे नासिक्य गूँजक प्रवेश — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
२९६. (B) दू स्वरक मेलसँ नव ध्वनि-रूप बनब — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
२९७. (A) व्यंजन-संयोगसँ ध्वनि-रूप बदलनाइ — व्यंजन-संधि भाषाक परिवर्तनशील स्वरूप देखबैत अछि।
२९८. (A) सरलीकरण — एहि प्रक्रिया सँ उच्चारण आ शब्द-रूपमे भिन्नता आबि सकैत अछि।
२९९. (C) समीपक ध्वनिक प्रभावसँ ध्वनिक मिलत-जुलत बनब — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक स्वाभाविक गति अछि।
३००. (D) कथनमे कोनो ध्वनि अथवा पद पर विशेष बल — मैथिलीमे स्थानीय बोलीक भिन्नतामे एहने प्रक्रिया देखाइत अछि।
३०१. (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप — रूपिम शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३०२. (A) मूल शब्द — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।
३०३. (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३०४. (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३०५. (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — परसर्ग शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३०६. (B) समास — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।
३०७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३०८. (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३०९. (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — पद-रचना शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३१०. (B) अव्यय — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।
३११. (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३१२. (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोड़ल जा सकैत अछि — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३१३. (C) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश — प्रत्यय शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३१४. (B) उपसर्ग — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।
३१५. (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३१६. (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३१७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — व्युत्पत्ति शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३१८. (D) रूप-परिवर्तन — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।
३१९. (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३२०. (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३२१. (B) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप — रूपिम शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३२२. (A) मूल शब्द — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।

३२३. (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३२४. (B) शब्दक आगू जुड़ि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३२५. (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — परसर्ग शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।

૩૨૬. (B) સમાસ — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३२७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३२८. (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३२९. (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — पद-रचना शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।

૩૩૦. (B) અવ્યય — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३३१. (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३३२. (B) जे रूपमे आगु प्रत्यय वा परसर्ग जोडल जा सकैत अछि — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

૩૩૩. (C) શબ્દક પછિલા ભાગમે જુડિ અર્થ વા રૂપ બદલયવલા અંશ — પ્રત્યય શબ્દક ભીતરી બનાવટ બુઝાબાક આધાર અછિ।

૩૩૪. (B) ઉપસર્ગ — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३३५. (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३३६. (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३३७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — व्युत्पत्ति शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।

३३८. (D) रूप-परिवर्तन — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।

३३९. (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३४०. (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

૩૪૧. (B) અર્થ અથવા વ્યાકરણિક કામ કરયવલા સભસૅં છોટ રૂપ — રૂપિમ શબ્દક ખીતરી બનાવટ બુઝબાક આધાર અછિ।

३४३. (A) मूल शब्द — ई रूप-विज्ञानक महत्त्वपूर्ण पद अछि।

३४३. (D) शब्दक पछिला भागमे जुड़ि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३४४. (B) शब्दक आगु जुडि अर्थमे परिवर्तन करयवला अंश — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

૩૪૫. (C) સંજ્ઞા અથવા સર્વનામક બાદ આબિ સમ્બન્ધ જનબયવલા પદ — પરસર્ગ શબ્દક ભીતરી બનાવટ બૂઝબાક આધાર અછિ।

૩૪૬. (B) સમાસ — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३४७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३४८. (C) वचन, कारक, काल आदिसँ शब्दरूप बदलनाइ — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३४९. (D) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — पद-रचना शब्दक भीतरी बनावट बझबाक आधार अछि।

૩૫૦. (B) અવ્યય — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३५१. (D) अर्थ अथवा व्याकरणिक काम करयवला सभसँ छोट रूप — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३५२. (B) जे रूपमे आगू प्रत्यय वा परसर्ग जोडल जा सकैत अछि — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३५३. (C) शब्दक पछिला भागमे जुडि अर्थ वा रूप बदलयवला अंश — प्रत्यय शब्दक भीतरी बनावट बझबाक आधार अछि।

૩૫૪. (B) ઉપસર્ગ — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३५५. (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।

३५६. (D) द अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।

३५७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — व्युत्पत्ति शब्दक भीतरी बनावट बझबाक आधार अछि।

૩૫૮. (D) રૂપ-પરિવર્તન — ઈ રૂપ-વિજ્ઞાનક મહત્ત્વપૂર્ણ પદ અછિ।

३९५. (B) संज्ञा अथवा सर्वनामक बाद आबि सम्बन्ध जनबयवला पद — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
३९६. (D) दू अथवा अधिक शब्दक संक्षिप्त संयुक्त रूप — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
३९७. (A) नव शब्द बनबाक प्रक्रिया — व्युत्पत्ति शब्दक भीतरी बनावट बुझबाक आधार अछि।
३९८. (D) रूप-परिवर्तन — ई रूप-विज्ञानक महत्वपूर्ण पद अछि।
३९९. (A) शब्दक व्याकरणिक रूप बनबाक पद्धति — शब्दक अर्थ, सम्बन्ध आ रूप एहि माध्यमसँ बदलि सकैत अछि।
४००. (C) जे शब्द सामान्यतः रूप नहि बदलैत — आकृति-विज्ञान शब्दक घटक आ रूप-परिवर्तनक अध्ययन करैत अछि।
४०१. (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — संज्ञा पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४०२. (D) सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४०३. (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४०४. (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४०५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध — बहुवचन पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४०६. (B) निजवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४०७. (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४०८. (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४०९. (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — संबन्धवाचक रूप पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४१०. (D) आदर-रूप — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४११. (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४१२. (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४१३. (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — विशेषण पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४१४. (A) एकवचन — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४१५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४१६. (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४१७. (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — प्रश्नवाचक सर्वनाम पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४१८. (D) संकेतवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४१९. (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४२०. (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४२१. (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — संज्ञा पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४२२. (D) सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४२३. (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४२४. (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४२५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुक बोध — बहुवचन पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४२६. (B) निजवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४२७. (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४२८. (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४२९. (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — संबन्धवाचक रूप पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४३०. (D) आदर-रूप — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।

४६७. (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४६८. (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४६९. (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — संबन्धवाचक रूप पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४७०. (D) आदर-रूप — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४७१. (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४७२. (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४७३. (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — विशेषण पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४७४. (A) एकवचन — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४७५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुको बोध — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४७६. (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४७७. (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — प्रश्नवाचक सर्वनाम पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४७८. (D) संकेतवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४७९. (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४८०. (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४८१. (C) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — संज्ञा पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४८२. (D) सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४८३. (D) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४८४. (C) एक वस्तु अथवा व्यक्तिक बोध — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४८५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुको बोध — बहुवचन पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४८६. (B) निजवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४८७. (D) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४८८. (D) ई, ओ, से सन संकेत करयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४८९. (C) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — संबन्धवाचक रूप पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४९०. (D) आदर-रूप — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४९१. (B) व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव अथवा जातिक नाम — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४९२. (C) संज्ञाक स्थान पर प्रयुक्त शब्द — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४९३. (C) संज्ञा अथवा सर्वनामक विशेषता बतबयवला शब्द — विशेषण पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४९४. (A) एकवचन — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४९५. (C) अधिक व्यक्ति अथवा वस्तुको बोध — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
४९६. (A) अपने, अपन सन निज सम्बन्ध बतबयवला सर्वनाम — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
४९७. (A) किए, के, की, कतय सन प्रश्न करयवला सर्वनाम — प्रश्नवाचक सर्वनाम पद-वर्गक सही पहचान वाक्य बुझबाक मूल आधार अछि।
४९८. (D) संकेतवाचक सर्वनाम — ई वर्ग संज्ञा-सर्वनाम-विशेषणक अभ्यासमे उपयोगी अछि।
४९९. (B) क, केर, कर सन स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला रूप — मैथिलीमे पदक काम बुझने वाक्य-संरचना स्पष्ट होइत अछि।
५००. (D) श्रोता अथवा कर्ताक प्रति सम्मान सूचित करयवला रूप — ई प्रश्न पद-भेदक सूक्ष्म समझ जाँचैत अछि।
५०१. (B) जे काज करयवला पदको बोध करबैत अछि — कर्ता कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५०२. (A) कर्म कारक — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।

५७५. (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५७६. (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५७७. (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक — अधिकरण कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५७८. (B) सम्बोधन — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५७९. (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५८०. (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५८१. (B) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि — कर्ता कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५८२. (A) कर्म कारक — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५८३. (A) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५८४. (D) जेकरा लेल अथवा जेकरा दि काज होइत अछि — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५८५. (B) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि — अपादान कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५८६. (B) सम्बन्ध कारक — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५८७. (D) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५८८. (A) ककरा सोझाँ पुकारि कहल जाइत अछि — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५८९. (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद — परसर्ग पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५९०. (D) पदबंध — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५९१. (C) जे काज करयवला पदक बोध करबैत अछि — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५९२. (D) जे पद पर काजक प्रभाव पड़ैत अछि — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५९३. (B) जे साधन अथवा माध्यम बतबैत अछि — करण कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५९४. (B) सम्प्रदान कारक — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५९५. (A) जकरासँ अलगाव, दूरी अथवा स्रोत बुझाईत अछि — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
५९६. (B) स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबयवला कारक — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
५९७. (B) ठाम, समय अथवा आधार बतबयवला कारक — अधिकरण कारक पदसभक आपसी सम्बन्ध चिन्हयमे सहायक अछि।
५९८. (B) सम्बोधन — कारक-विभक्ति वाक्यक अर्थ-सम्बन्ध स्पष्ट करैत अछि।
५९९. (C) संज्ञा-सर्वनामक बाद सम्बन्ध बनबयवला पद — कारकक पहचान पदक भूमिका देखिकऽ होइत अछि।
६००. (D) एक मुख्य पदक चारूकात बनल छोट समूह — ई पद-विन्यास आ अर्थक सम्बन्ध जाँचैत अछि।
६०१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — धातुक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६०२. (B) क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६०३. (D) जे क्रियाकै कर्मक आवश्यकता होइत अछि — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६०४. (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।
६०५. (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — वर्तमान कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६०६. (D) भूतकाल — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६०७. (C) आगू होएत काजक बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६०८. (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।
६०९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — आज्ञार्थक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६१०. (B) आदर-सूचक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६११. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६१२. (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

૬૧૩. (B) જે ક્રિયાકેં કર્મક આવશ્યકતા હોઈત અછિ — સકર્મક ક્રિયાક સહી પહચાન કાલ, પક્ષ, પુરુષ આ આદર બુઝવાક આધાર અછિ।

६१४. (D) अकर्मक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६१५. (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६१६. (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६१७. (D) आगू होएत काजक बोध — भविष्यत कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६१८. (D) निषेध — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६११. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६२०. (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६२१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — धातुक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

૬૨૨. (B) ક્રિયા — ક્રિયા-વિજ્ઞાનમે ઈ ભેદ વાક્યક અર્થ બદલૈત અછિ।

६२३. (D) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

૬૨૪. (C) જે ક્રિયા બિના કર્મો પૂર્ણ અર્થ દેત અછિ — ક્રિયા-રૂપ ભાષાક જીવંત પ્રયોગ દેખબૈત અછિ।

६२५. (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — वर्तमान कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६२६. (D) भूतकाल — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६२७. (C) आगू होएत काजक बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६२८. (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६२९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — आज्ञार्थक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६३०. (B) आदर-सूचक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६३१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६३२. (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

૬૩૩. (B) જે ક્રિયાકેં કર્મક આવશ્યકતા હોઈત અછિ — સકર્મક ક્રિયાક સહી પહચાન કાલ, પક્ષ, પુરુષ આ આદર બુઝબાક આધાર અછિ।

६३४. (D) अकर्मक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६३५. (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६३६. (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६३७. (D) आगू होएत काजक बोध — भविष्यत कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६३८. (D) निषेध — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६३९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६४०. (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६४१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — धातुक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

૬૪૨. (B) ક્રિયા — ક્રિયા-વિજ્ઞાનમે ઈ ભેદ વાક્યક અર્થ બદલૈત અછિ।

६४३. (D) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

૬૪૪. (C) જે ક્રિયા બિના કર્મો પૂર્ણ અર્થ દેત અછિ — ક્રિયા-રૂપ ભાષાક જીવંત પ્રયોગ દેખબૈત અછિ।

६४५. (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — वर्तमान कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

૬૪૬. (D) ભૂતકાલ — ક્રિયા-વિજ્ઞાનમે ઈ ભેદ વાક્યક અર્થ બદલૈત અછિ।

६४७. (C) आगू होएत काजक बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६४८. (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६४९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — आज्ञार्थक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६५०. (B) आदर-सूचक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६५९. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६५२. (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६५३. (B) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — सकर्मक क्रियाक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६५४. (D) अकर्मक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६५५. (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६५६. (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६५७. (D) आगु होएत काजक बोध — भविष्यत कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

६५८. (D) निषेध — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६५९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६६०. (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६६१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — धातुक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

૬૬૨. (B) ક્રિયા — ક્રિયા-વિજ્ઞાનમે ઈ ભેદ વાક્યક અર્થ બદલૈત અછિ।

६६३. (D) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

૬૬૪. (C) જે ક્રિયા બિના કર્મો પૂર્ણ અર્થ દેત અછિ — ક્રિયા-રૂપ ભાષાક જીવંત પ્રયોગ દેખબૈત અછિ।

६६५. (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — वर्तमान कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बड़बाक आधार अछि।

६६६. (D) भूतकाल — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६६७. (C) आगू होएत काजक बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६६८. (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६६९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — आज्ञार्थक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बड़बाक आधार अछि।

६७०. (B) आदर-सूचक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६७१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६७२. (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६७३. (B) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — सकर्मक क्रियाक सही पहचान काल, पक्ष, परुष आ आदर बड़बाक आधार अछि।

६७४. (D) अकर्मक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६७५. (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६७६. (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६७७. (D) आग होएत काजक बोध — भविष्यत कालक सही पहचान काल, पक्ष, परुष आ आदर बझबाक आधार अछि।

६७८. (D) निषेध — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।

६७९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।

६८०. (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप — क्रिया-रूप भाषाक जीवंत प्रयोग देखबैत अछि।

६८९. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — धातुक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।

૬૮૨. (B) ક્રિયા — ક્રિયા-વિજ્ઞાનમે ઈ ભેદ વાક્યક અર્થ બદલૈત અછિ।

६८३. (D) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६८४. (C) जे क्रिया बिना कर्मो पूर्ण अर्थ दैत अछि — क्रिया-रूप भाषाक जीवन्त प्रयोग देखबैत अछि।
६८५. (B) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — वर्तमान कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६८६. (D) भूतकाल — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६८७. (C) आगू होएत काजक बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६८८. (A) नहि, ने आदि द्वारा नकारक भाव — क्रिया-रूप भाषाक जीवन्त प्रयोग देखबैत अछि।
६८९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — आज्ञार्थक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६९०. (B) आदर-सूचक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६९१. (A) क्रियाक मूल अर्थ-बोधक रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६९२. (C) काज, घटना अथवा अवस्था जनबयवला पद — क्रिया-रूप भाषाक जीवन्त प्रयोग देखबैत अछि।
६९३. (B) जे क्रियाकें कर्मक आवश्यकता होइत अछि — सकर्मक क्रियाक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६९४. (D) अकर्मक क्रिया — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६९५. (D) एखन अथवा सामान्य सत्यक समय-बोध — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
६९६. (D) बीति गेल घटना अथवा काजक बोध — क्रिया-रूप भाषाक जीवन्त प्रयोग देखबैत अछि।
६९७. (D) आगू होएत काजक बोध — भविष्यत कालक सही पहचान काल, पक्ष, पुरुष आ आदर बुझबाक आधार अछि।
६९८. (D) निषेध — क्रिया-विज्ञानमे ई भेद वाक्यक अर्थ बदलैत अछि।
६९९. (A) आदेश, निवेदन अथवा आग्रहक क्रिया-रूप — मैथिलीमे क्रिया कर्ता आ आदरक अनुसार बदलि सकैत अछि।
७००. (C) सम्मानक अनुसार बदलल क्रिया-रूप — क्रिया-रूप भाषाक जीवन्त प्रयोग देखबैत अछि।
७०१. (A) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद — कर्ता वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७०२. (C) कर्म — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७०३. (B) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७०४. (C) वाक्यमे पदसभक क्रम — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७०५. (B) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप — कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७०६. (C) विशेषण-पदबंध — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७०७. (B) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७०८. (D) क्रियाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७०९. (D) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़ — समन्वय वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७१०. (D) अधीन उपवाक्य — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७११. (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७१२. (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७१३. (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद — क्रियापद वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७१४. (D) पदक्रम — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७१५. (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७१६. (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७१७. (A) संज्ञाकें केन्द्र बना बनल पदसमूह — संज्ञा-पदबंध वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७१८. (D) क्रिया-पदबंध — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।

७९१. (C) वाक्यमे काज करयवला अथवा अवस्था धारण करयवला पद — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७९२. (B) क्रियाक प्रभाव ग्रहण करयवला पद — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७९३. (D) वाक्यक घटना अथवा अवस्था जनबयवला मुख्य पद — क्रियापद वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७९४. (D) पदक्रम — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७९५. (D) मैथिलीमे सामान्य पदक्रमक प्रमुख रूप — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
७९६. (D) संज्ञाक विशेषता बतबयवला पदसमूह — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
७९७. (A) संज्ञाकेँ केन्द्र बना बनल पदसमूह — संज्ञा-पदबंध वाक्यक संरचनात्मक सम्बन्ध बुझयमे सहायक अछि।
७९८. (D) क्रिया-पदबंध — वाक्य-रचना पदसभक क्रम आ सम्बन्धक अध्ययन करैत अछि।
७९९. (B) दू समान पद अथवा वाक्यांशक जोड़ — संरचना बुझलासँ अर्थक अस्पष्टता घटैत अछि।
८००. (D) मुख्य वाक्य पर निर्भर उपवाक्य — मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख अछि, मुदा बल देबाक लेल क्रम बदलि सकैत अछि।
८०१. (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि — प्रश्नवाचक वाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८०२. (D) निषेध वाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८०३. (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८०४. (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८०५. (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि — विस्मयादिबोधक वाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८०६. (D) मुख्य वाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८०७. (D) जे काजक कारण बतबैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८०८. (B) जे काजक परिणाम बतबैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८०९. (B) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि — सम्बन्ध उपवाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८१०. (D) जोर-सूचक पद — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८११. (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८१२. (D) जे वाक्य नहि अथवा ने द्वारा नकार जनबैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८१३. (A) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि — विधान वाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८१४. (A) आज्ञार्थ वाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८१५. (A) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८१६. (D) जे अपनहि स्वतंत्र अर्थ दे सकैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८१७. (A) जे काजक कारण बतबैत अछि — कारण उपवाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८१८. (C) फल उपवाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८१९. (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८२०. (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८२१. (A) जे वाक्य उत्तर माँगैत अछि — प्रश्नवाचक वाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८२२. (D) निषेध वाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।
८२३. (C) जे सामान्य कथन प्रस्तुत करैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
८२४. (D) जे आदेश, निवेदन वा आग्रह व्यक्त करैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
८२५. (B) जे आश्चर्य, हर्ष, दुख आदि तीव्र भाव व्यक्त करैत अछि — विस्मयादिबोधक वाक्यक सही पहचान वाक्यक भाव आ उद्देश्य स्पष्ट करैत अछि।
८२६. (D) मुख्य वाक्य — वाक्यक भेद कथन, प्रश्न, नकार, आज्ञा आ भाव पर आधारित अछि।

८९९. (A) जे कोनो संज्ञा वा पदक विशेष सूचना दैत अछि — एहि भेदसँ वाक्यक प्रयोग-स्थिति बुझल जाइत अछि।
९००. (C) जे कथनमे विशेष बल देबाक काम करैत अछि — वाक्य रचना केवल पदक्रम नहि, भाव आ सम्बन्धो बुझबैत अछि।
९०१. (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
९०२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
९०३. (B) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
९०४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
९०५. (A) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
९०६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
९०७. (C) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
९०८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
९०९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
९१०. (B) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
९११. (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
९१२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
९१३. (A) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
९१४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
९१५. (B) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
९१६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
९१७. (D) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
९१८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
९१९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
९२०. (D) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
९२१. (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
९२२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
९२३. (B) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
९२४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
९२५. (A) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
९२६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
९२७. (C) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
९२८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
९२९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
९३०. (B) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
९३१. (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
९३२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
९३३. (A) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
९३४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।

१३५. (B) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१३६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१३७. (D) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१३८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकें’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१३९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१४०. (D) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
१४१. (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१४२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१४३. (B) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१४४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१४५. (A) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१४६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१४७. (C) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१४८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकें’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१४९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१५०. (B) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
१५१. (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१५२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१५३. (A) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१५४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१५५. (B) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१५६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१५७. (D) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१५८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकें’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१५९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१६०. (D) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
१६१. (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१६२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१६३. (B) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१६४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१६५. (A) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१६६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१६७. (C) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१६८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकें’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१६९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१७०. (B) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।

१७१. (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१७२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१७३. (A) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१७४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१७५. (B) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१७६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१७७. (D) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१७८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१७९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१८०. (D) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
१८१. (C) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१८२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१८३. (B) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१८४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१८५. (A) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१८६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१८७. (C) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१८८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१८९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
१९०. (B) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।
१९१. (B) कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम — एहि वाक्यमे ‘हम’ कर्ता, ‘किताब’ कर्म आ ‘पढ़ैत छी’ क्रिया अछि।
१९२. (D) निषेध वाक्य — ‘नहि’क प्रयोगसँ नकारक भाव स्पष्ट अछि।
१९३. (A) प्रश्नवाचक वाक्य — ‘कतय’ आ प्रश्नचिह्न उत्तर माँगैत अछि।
१९४. (D) विशेषणक प्रयोग — ‘नीक’ शब्द ‘पोथी’क विशेषता बतबैत अछि।
१९५. (B) निजवाचक सम्बन्ध — ‘अपन’ पद निज सम्बन्ध जनबैत अछि।
१९६. (A) अधिकरणक संकेत — ‘गाममे’ ठामक संकेत दैत अछि।
१९७. (D) करण कारक — ‘कलमसँ’ साधन बतबैत अछि।
१९८. (B) सम्प्रदानक संकेत — ‘रामकेँ’ जेकरा देल गेल, से बतबैत अछि।
१९९. (D) सम्बन्ध कारक — ‘घरक’ स्वामित्व अथवा सम्बन्ध बतबैत अछि।
२०००. (D) शर्तीय वाक्य — ‘जँ... तँ...’ संरचना शर्त आ फल बतबैत अछि।